हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

तय समय से आठ दिन पहले केरल पहुंचा मानसून, 16 साल में सबसे जल्दी भारत में दी दस्तक

राजधानी के रिंगरोड-2 पर घिरे दिखे बादल

दक्षिण-पश्चिम मानसून

24 मई को केरल में दस्तक दे चुका, इसकी सामान्य तिथि 1 जून

मानसून की ऐसी 'मेहरबानी'....केरल में 8 दिन पहले ही घुमड़कर बरस रहा पानी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। यह अपने तय समय से करीब एक सप्ताह पहले चल रहा है। इस साल केरल में मानसून का आगमन पिछले 16 वर्षों में सबसे जल्दी हुआ है। राज्य में मानसून के आगमन के लिए सभी अनुकूल परिस्थितियां तैयार हो गई थीं। पिछले दो दिनों में केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है।

यह कम दबाव वाले क्षेत्र और आगे बढ़ते मानसून सिस्टम के संयोजन के कारण हो रहा है। पिछली बार राज्य में मानसून इतनी जल्दी 2009 और 2001 में पहुंचा था। तब यह 23 मई को राज्य में पहुंचा था। आमतौर पर मानसून केरल में 1 जून को दस्तक देता है। हालांकि, सबसे पहले 1918 में 11 मई को मानसून ने केरल में दस्तक दे दी थी।

मानसून की दस्तक में भीगे गजराज

29 मई तक केरल और तटीय कर्नाटक पर भारी बारिश होगी

दक्षिणी राज्यों में भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने केरल, तटीय-दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से भारी वर्षा की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कहा कि 29 मई तक केरल और तटीय कर्नाटक में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलेंगी।

पिछली बार राज्य में मानसून इतनी जल्दी 2009 और 2001 में पहुंचा था तब यह 23 मई को राज्य में पहुंचा था

बीते साल 30 मई को मानसून ने दी थी दस्तक

पिछले साल 30 मई को दक्षिणी राज्य में मानसून ने दस्तक दी थी। 2023 में मानसून 8 जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में 3 जून को, 2020 में 1 जून को, 2019 में 8 जून को और 2018 में 29 मई को केरल पहुंच था। आईएमडी ने अप्रैल में 2025 के मानसून सीजन में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान लगाया था। इसमें अल नीनो की स्थिति की संभावना को खारिज कर दिया गया था।

इधर, 5 दिन पहले पहुंचेगा मप्र

भोपाल में 3 दिन पहले यानि 15 तक मानसून की झमाझम

भोपाल। अब मध्य प्रदेश में 18 दिन बाद यानि 10 जून के आसपास बालाघाट, मंडला, सिवनी, डिंडौरी के रास्ते ऑनसेट होने की प्रबल संभावना है। साथ ही 15 जून तक भोपाल में भी मानसून की झमाझम शुरू हो जाएगी। आमतौर पर राजधानी में 18 जून तक मानसून पहुंचता है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी बंगाल की खाड़ी में लगातार सिस्टम बन रहे हैं। अलनीनो का असर भी नहीं है। इससे अच्छी बारिश के साथ 10 जून के आसपास मप्र में मानसून ऑनसेट की संभावना है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखे
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चांटा मारकर तिलक लगाने से मना किया

रतलाम। जावरा में हिन्दू जागरण मंच के नगर संयोजक को तिलक लगाकर आने पर चांटा मारा गया।

इसके विरोध में सर्व हिंदू समाज ने शनिवार सुबह 11 बजे आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला। सर्व हिंदू समाज के सैकड़ों एकत्र होकर रैली निकालते हुए सीएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने, उन पर रासूका लगाने की मांग की।

खंडवा में 6 महिलाओं की कब्र के साथ छेड़छाड़

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां दो अलग-

अलग कब्रिस्तानों में छह महिलाओं की कब्रों के साथ छेड़छाड़ की गई। यह मामला तब सामने आया जब एक व्यक्ति अपनी मां की और दूसरा युवक पत्नी की कब्र पर फातिहा पढ़ने गया। पुलिस को कब्र खोदकर तांत्रिक क्रिया होने का शक है। वहीं परिजनों का कहना है, कब्र के आसपास तंत्र क्रिया से जुड़ी कोई सामग्री नहीं मिली।

सरकार ने लगाई मुहर : देश भर के 7 करोड़ ईपीएफओ ग्राहकों को मिला तोहफा

कर्मचारी भविष्य निधि के खाते में जमा राशि पर 8.25% की ब्याज दर बरकरार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि के खाते में जमा राशि पर 8.25% की ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। इसके लिए बकायदा अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। अब ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में इसके हिसाब से ब्याज जमा करेगा। इससे पहले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने 28 फरवरी को मीटिंग में ब्याज दर को 8.25% बरकरार रखने का फैसला किया था।

इससे पहले वित्त-वर्ष 2023-24 के लिए ब्याज दर को 8.15% से 0.10% बढ़ाकर 8.25% किया गया था। वहीं 2022-23 में 8.10% से 0.05% बढ़ाकर 8.15% किया गया था। ईपीएफओ एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस महंगाई भत्ता का 12 फीसदी पीएफ अकाउंट में जाता है। वहीं, कंपनी भी कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस महंगाई भत्ता का 12 फीसदी जमा करती है। कंपनी के 12 फीसदी हिस्से में से 3.67% पीएफ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33 फीसदी पेंशन स्कीम में जाता है। वहीं कर्मचारी के हिस्से का सारा पैसा पीएफ अकाउंट में जाता है।

कंपनी के 12 फीसदी हिस्से में से 3.67% पीएफ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33 फीसदी पेंशन स्कीम में जाता है। वहीं कर्मचारी के हिस्से का सारा पैसा पीएफ अकाउंट में जाता है।

अब ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में इसके हिसाब से ब्याज जमा करेगा

2023-24 के लिए ब्याज दर को 8.15% से 0.10% बढ़ाकर 8.25 प्रतिशत किया गया था

पिछले वर्षों में कैसा रहा ब्याज दर?

इससे पहले 2022 में ईपीएफओ ने 2021-22 के लिए अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 फीसदी कर दिया था। 2020-21 में यह ब्याज दर 8.5 प्रतिशत थी। इससे पहले 2020-21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी। उस वक्त ईपीएफ ब्याज दर सिर्फ आठ प्रतिशत थी।

2020 से पहले कैसी थी ब्याज दर?

जबकि, ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को घटाकर सात साल के निचले स्तर 8.5 प्रतिशत कर दिया था, जो 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत था। ईपीएफओ ने 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी। रिटायरमेंट फंड निकाय ने 2013-14 और 2014-15 में 8.75 प्रतिशत ब्याज दिया था, जो 2012-13 के 8.5 प्रतिशत से अधिक था। वर्ष 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी।

कैसे तय होती है ईपीएफ ब्याज दर?

ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ब्याज दर पर फैसला करती है और फिर इसे वित्त मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है। जब सरकार इस पर सहमति दे देती है, तब यह ब्याज ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में जमा किया जाता है।

ईपीएफ से जुड़ी अहम बातें

- ईपीएफ पर ब्याज दर हर साल बदली जाती है।
- सरकार की मंजूरी के बाद ही ब्याज खातों में जोड़ा जाता है।
- ईपीएफ का पैसा सुरक्षित निवेश ऑप्शन माना जाता है।
- ईपीएफ धनराशि चेक करने के लिए उमंग एप या ईपीएफओ की वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बड़ा सवाल...क्या फिर लेनी होगी वैक्सीन?

क्या कोरोना की 'नई लहर' आने वाली है? बढ़ रहे हैं संक्रमण के लगातार केस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कोरोना वायरस का बढ़ता संक्रमण एक बार फिर से लोगों की चिंता बढ़ाने लगा है। हांगकांग-सिंगापुर के बाद अब भारत में भी संक्रमण के मामलों में उछाल की खबर है। अलग-अलग राज्यों से प्राप्त हो रही जानकारियों के मुताबिक यहां कोरोना फिर से एक्टिव हो गया है। शुक्रवार को दिल्ली सरकार द्वारा साझा की गई जानकारियों के मुताबिक राजधानी में कोरोना के 23 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा गाजियाबाद में चार, गुरुग्राम में तीन और फरीदाबाद में दो संक्रमित पाए गए हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक की। सरकार कोविड के वर्तमान पुष्ट मामलों के सत्यापन की प्रक्रिया में जुटी है।

यह पता लगाया जा रहा है कि यह मरीज दिल्ली के हैं या बाहर से यात्रा कर आए हैं? देश में कोरोना की मौजूदा स्थिति पर नजर डालें तो पता चलता है कि केरल फिलहाल सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। सबसे अधिक प्रभावित राज्य केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र हैं, जहां कुल मिलाकर 85% से अधिक सक्रिय मामले हैं। केरल 95 सक्रिय मामलों के साथ सूची में सबसे ऊपर है, तमिलनाडु में 66 और महाराष्ट्र में 56 हैं। दिल्ली (23), पुडुचेरी (10), कर्नाटक (13), गुजरात (7), राजस्थान (2), हरियाणा (1), सिक्किम (1) और पश्चिम बंगाल (1) शामिल हैं।

- दिल्ली में 23 नए मामले सामने आए
- केरल फिलहाल सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

ठाणे में तीन दिन में 10 नए मामले

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पिछले तीन दिनों में कोविड-19 के 10 मामले सामने आए हैं। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं का पर्याप्त भंडार है और कोविड-19 टेस्ट किट भी आसानी से उपलब्ध हैं।

क्या एक और बूस्टर शॉट लेने का आ गया है समय?

कोरोना के नए वैरिएंट्स को लक्षित करने और इसके खिलाफ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिकों ने टीकों को अपडेट किया है, जो आपको अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। 65 वर्ष या उससे अधिक, कोमोरबिडिटी के शिकार और अन्य उच्च जोखिम वाले लोगों को अपने डॉक्टर से मिलकर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह लेनी चाहिए, ताकि आप जोखिमों को कम कर सकें। वैक्सीनेशन के अलावा कोरोना से बचाव के लिए सभी लोगों के लिए कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करना जरूरी है। हाथ की स्वच्छता बनाए रखना, मास्क पहनना और भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचना चाहिए।

ग्वालियर में चीफ इमाम का दो टूक संदेश

आतंकियों को नहीं मिलेगी भारत की मिट्टी, जनाजे की नमाज भी नहीं होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

ग्वालियर में देश के चीफ इमाम डॉ. उमर अहमद इलियासी ने आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग आतंकवाद करते हैं और मर जाते हैं, उनके जनाजे की नमाज नहीं पढ़ी जाएगी और उन्हें भारत की जमीन पर दफन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठन अपने नाम से इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के नाम जैसे पवित्र शब्द हटा दें। लव जिहाद के बढ़ते मामलों पर डॉ. इलियासी ने कहा कि समाज में जो शादी होती है, उसमें बरकत होती है। जिहाद जैसे शब्द नापाक हैं। ऐसी शादियों से बचना चाहिए जिनसे समाज लड़ाई-झगड़ा बढ़ता हो।

- समाज में जो शादी होती है, उसमें बरकत होती है जिहाद जैसे शब्द नापाक

अफसर बोले- सुरक्षा मिलने से वे निडर होकर काम कर रहे

बिजली बिल की वसूली के लिए साथ चल रहे बंदूकधारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरोंज

मध्यप्रदेश बिजली वितरण कंपनी ने बिजली बकाया वसूली के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सिरोंज के सहायक अभियंता सुशील सभेले को दो गनर दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र के सहायक अभियंता को भी एक गनर उपलब्ध कराया गया है। शनिवार को कालाबाजार क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक घरेलू कनेक्शन पर स्टील फर्नीचर का अवैध कारखाना पकड़ा गया।

- चेकिंग और बकाया वसूली के दौरान लोग इकट्ठा होकर दबाव बनाते थे

शिक्षा मंत्रालय ने देशभर में शुरू किया 'तंबाकू और नशा मुक्त स्कूल-कॉलेज' अभियान

ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे के अनुसार भारत में 13 से 15 साल के 8.5% छात्र किसी न किसी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे

स्कूल-कॉलेजों के 100 गज दूर खींची जाएगी पीली रेखा, इसके समेत उठाए जाएंगे नौ कदम

हर दिन भारत में 5,500 बच्चे तंबाकू का सेवन शुरू करते हैं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने देशभर में एक बड़ा अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य सभी स्कूलों और कॉलेजों को तंबाकू और नशा मुक्त बनाना है। इस अभियान के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री और उपयोग पर सख्ती से रोक लगाएं। यह कदम शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने 15 मई 2025 को गृह मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में हुई नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 8वीं बैठक के बाद उठाया गया है। बैठक में चर्चा की गई कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए शिक्षा और कानून व्यवस्था विभागों को मिलकर काम करना होगा।

नई पहल

तंबाकू निगरानी अधिकारी नियुक्त होगा

इसी खतरे को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने 'तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान' नाम से दिशा-निर्देश तैयार किए हैं। इन दिशा-निर्देशों का एक कार्यान्वयन मैनुअल 31 मई 2024 को लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य स्कूलों और कॉलेजों को पूरी तरह तंबाकू मुक्त बनाना है। इसमें कुल 9 जरूरी कदम बताए गए हैं, जैसे कि संस्थान के गेट और परिसर में 'तंबाकू मुक्त क्षेत्र' का बोर्ड लगाना, परिसर में तंबाकू के इस्तेमाल का कोई प्रमाण न होना, तंबाकू से होने वाले नुकसान की जानकारी वाली सामग्री लगाना, हर 6 महीने में कम से कम एक जागरूकता गतिविधि करना, तंबाकू निगरानी अधिकारी नियुक्त करना, स्कूल के नियमों में तंबाकू निषेध नीति शामिल करना, संस्थान के चारों ओर 100 गज की दूरी पर पीली रेखा खींचना और उस क्षेत्र में तंबाकू की बिक्री पर रोक लगाना।

आंधी के साथ दिल्ली- एनसीआर में बरसे बदरा, तेज हवाएं भी चलीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाई वहीं, दूसरी तरफ इसके साथ आई तेज आंधी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। दिल्ली-एनसीआर में फिर मौसम बिगड़ा। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए बारिश और 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं की संभावना जताई थी। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

यहां फिर बिगड़ा मौसम
यलो अलर्ट

गर्मी से मिली लोगों को राहत, लेकिन जनजीवन हो गया अस्त-व्यस्त

मई बिना लू के गुजर रहा

दिल्ली में इस साल मई का महीना बिना लू वाले दिनों के समाप्त हो सकता है। इस साल मई में अब तक एक दिन भी लू नहीं चली है, आगे भी संभावना नहीं है। जबकि मई के महीने में सूरज आग बरसाता है और लू की स्थिति बनती है। वर्ष 2024 में मई के महीने में 6 दिन लू वाले रहे थे। 26 से 31 मई तक तापमान 45 और 46 डिग्री के बीच रहा था जबकि इस साल 16 मई को ही तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। 21 मई से तापमान में कमी देखी जा रही है।

अगले सप्ताह प्री मानसून गतिविधियां शुरू होंगी

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 24 को हल्की बारिश व तेज हवाओं को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इस कारण शनिवार को तापमान 37-38 डिग्री के बीच बना रहेगा। 25 व 26 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और 27 व 28 को हल्की बारिश होने व तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं 29 मई को भी आंशिक बादल छाए रहेंगे। तापमान 37-40 डिग्री के बीच बना रहेगा। अगले सप्ताह प्री मानसून गतिविधियों के बढ़ने की संभावना है।

केदारघाटी में बारिश ने मचाया कोहराम

सात वाहन बहकर मंदाकिनी नदी पहुंचे

रुद्रप्रयाग। यहां शुक्रवार देर रात्रि को अगस्तमयुनि समेत केदारघाटी में कई स्थानों पर तेज बारिश हुई, जिससे विजयनगर गदेरा ऊफान पर आ गया, लेकिन गदेरा चोक होने से 7 दोपहिया वाहन बह गए, जो मंदाकिनी नदी तक पहुंच गए। वहीं प्रशासन व पालिका ने गदेरे में अतिरक्रमण को लेकर सभाषद के पिता पर 4 हजार का जुर्माना लगाया है। शुक्रवार रात को अगस्तमयुनि में काफी तेज बारिश हुई, जिससे नगर पंचायत के अंतर्गत विजयनगर गदेरा उफान पर आ गया। जिससे गदेरे के आस पास खड़ी 6 बाइक और 1स्कूटी बह गई। बताया जा रहा है कि गदेरे में आने वाला पानी अतिक्रमण के चलते रुक गया और फिर अचानक तेजी से आ गया, जिससे गदेरे के आस पास खड़ी बाइक बह गई।

सभी वाहन क्षतिग्रस्त पानी को रोका

सभी वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार प्रणव पांडे समेत उनकी टीम नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी निकिता भट्ट भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि गदेरे में मलबा डाला जा रहा है, जिससे पानी में अवरोध पैदा हो गया।

खबर संक्षेप

जुबान काटने की धमकी, 2 गिरफ्तार

बरेली। यूपी के बरेली में दो स्थानीय युवकों को शनिवार को सोशल मीडिया पर देशविरोधी वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। युवकों के नाम इरफान और वाजिद शाह बताया गया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था जिसमें 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे थे। वीडियो में लोगों की जुबान काटने की धमकी दी थी।

आंध्र प्रदेश में ट्रक और कार की टक्कर में 4 की मौत

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में शनिवार सुबह एक ट्रक के कार से टकरा जाने की घटना में 2 बच्चों समेत 4लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्रीकांत अपने परिवार के साथ चिंतापुट्टायपल्ली गांव जा रहे थे। सुबह गुव्वलचेरुवु घाट रोड पर यह हादसा हुआ।

कोणार्क मंदिर के गर्भगृह से हटाई जाएगी रेत

भुवनेश्वर। कोणार्क स्थित सूर्य मंदिर के गर्भगृह में भरी रेत को जल्द ही हटा दिया जाएगा। एएसआई के महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत ने शनिवार को कोणार्क सूर्य मंदिर का निरीक्षण किया है। उनके साथ 15 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम भी थी। टीम ने सूर्य मंदिर के संरक्षण और गर्भगृह से रेत हटाने पर विस्तार से चर्चा की।

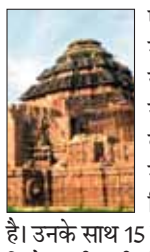

अब तिहाड़ के कैदी बनाएंगे शूज-चप्पलें

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अब तिहाड़ जेल में बंद कैदी रोजाना उपयोगी सामान का निर्माण खुद ही करेंगे। इसके लिए तिहाड़ जेल प्रशासन इन हाउस यूनिट लगवाएगा। चप्पल, टूथपेस्ट और अंडरवियर से लेकर ये सभी सामान तिहाड़ जेल के कैदी बनाएंगे।

नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल में पीएम मोदी ने कहा

केंद्र और राज्य टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं

हमें विकास की गति बढ़ानी होगी

राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। नई दिल्ली में बैठक का विषय 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत एट द रेट 2047 था। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। वहां सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराने चाहिए। एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य।

विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य बन रहा विकास नवाचार और स्थिरता विकास का इंजन हो

नीतियां ऐसी हों कि नागरिकों के जीवन में बदलाव लाएं

पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। हमें इस तरह काम करना चाहिए कि लागू की गई नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव मजबूत होता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है।

हमें विकास के लक्ष्य पर केंद्रित रहना चाहिए

उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। हमें एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो।

मुख्यमंत्रियों ने कहा

राज्यों की सशक्त भागेदारी बढ़ी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में 'विकसित राज्य-विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए आयोजित यह बैठक राज्यों की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

राज्य सरकारों के तीन उप समूहों का गठन हो: नायडू

आंध्र के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों के तीन उप-समूहों के गठन का प्रस्ताव रखा। इससे काफी लाभ होगा।

3 दक्षिणी राज्यों के सीएम नहीं पहुंचे

एनडीए शासित पुडुचेरी सहित तीन दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों एन. चंद्रबाबू नायडू, एमके स्टालिन और ए. रेवंत रेड्डी ने बैठक में शिरकत की। कांग्रेस शासित कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैयानहीं पहुंचे। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कैबिनेट सहयोगी के एन. बालगोपाल को भेजा। पुडुचेरी के सीएमभी नहीं पहुंचे।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद थी यह पहली बैठक

नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री की सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ यह पहली बड़ी बैठक है। आम तौर पर पूर्ण परिषद की बैठक हर साल होती है और पिछले साल यह 27 जुलाई को हुई थी। परिषद की पहली बैठक 8 फरवरी, 2015 को हुई थी।

जयराम की टिप्पणी पर भाजपा का वार

वे विवादित प्रवृत्ति से कांग्रेस को खत्म करके ही छोड़ेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने शनिवार को नीति आयोग की बैठक पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता किसी न किसी मुद्दे पर विवाद पैदा करने की अपनी प्रवृत्ति के कारण अपनी पार्टी को खत्म कर देंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि यह देश के विकास के लिए निर्णय लेने के लिए टीम इंडिया की बैठक है। रमेश इसमें भी खामियां निकाल रहे हैं। रमेश ने नीति आयोग को अयोग्य संस्था बताते हुए केंद्र पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इसकी बैठक पाखंड और ध्यान भटकाने की एक और कवायद है। रमेश टिप्पणी तब आई है जब शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शुरू हुई। शाहनवाजने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता सरकार द्वारा बुलाई गई हर बैठक में खामियां निकालते रहते हैं ताकि कोई विवाद पैदा हो। उन्होंने कहा कि जयराम कांग्रेस की राम-राम करके ही छोड़ देंगे।

भाजपा ने इसे 'टीम इंडिया की बैठक' बताया

इस बैठक का विषय है 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत एट द रेट 2047'। भाजपा प्रवक्ता हुसैन ने नीति आयोग की बैठक को 'टीम इंडिया की बैठक' बताया और कांग्रेस पर इस पर आपत्ति जताने के लिए हमला बोला। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि नीति आयोग देश की एक बड़ी संस्था है। यह देश के लिए नीतियां बनाती है। इसकी बैठक में देश के विकास के लिए मुख्यमंत्रियों समेत प्रतिष्ठित लोग एक साथ बैठते हैं। कांग्रेस ने इस पर भी आपत्ति जतानी शुरू कर दी है।

राहुल पर तंज- हुजूर आते आते बहुत...

भाजपा नेता ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जम्मू-कश्मीर यात्रा को लेकर भी उन पर कटाक्ष किया। उन्होंने एक लोकप्रिय हिंदी फिल्म के गाने की पंक्तियां सुनाते हुए कहा, बहुत देर कर दी हुजूर आते आते'। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि हाल ही में वह आंबेडकर छात्रावास में राजनीति करने के लिए बिहार गए थे। अब उन्हें पुंछ और उरी के लोगों की याद आ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया है कि उसे अभी भी दर्द महसूस हो रहा है।

राज्यसभा सांसद जांगड़ा का 'हमले' पर बड़ा बयान

महिलाओं में नहीं था वीरांगनाओं का भाव अग्निवीर की ट्रेनिंग ली होती तो लोग नहीं मरते

पहलगाम आतंकी हमले पर भाजपा सांसद का विवादित बयान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने विवादित बयान दिया है। पर्यटक हाथ जोड़कर मारे गए। वहां हमारी बहनों में भी वीरांगना का भाव, जोश और जज्बा नहीं था। सांसद ने भिवानी में अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान कार्यक्रम में ये बातें कही। जांगड़ा ने कहा कि हमले के बाद देश महसूस कर रहा है कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी देश के युवाओं को जो ट्रेनिंग देना चाहते हैं, वह पर्यटकों के पास होती तो वे बच जाते। अगर पर्यटकों के हाथ में लाठी, डंडा कुछ भी होता और वे आतंकवादियों की तरफ दौड़ते, शायद 5 या 6 लोगों की जान जाती।

राहुल ने पुंछ में पीड़ितों से मुलाकात की

व्यथा को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करेंगे क्षति को 'बड़ी त्रासदी' बताया

जम्मू। लोकसभा में विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के पीड़ितों से शनिवार को मुलाकात की। उन्होंने गोलाबारी से हुई क्षति को एक 'बड़ी त्रासदी' बताया और पीड़ितों की व्यथा को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने का संकल्प लिया। गांधी ने पुंछ का दौरा किया और प्रभावित लोगों से एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। इनमें सात मई से 10 मई के बीच हुई गोलाबारी में अपने सदस्यों को खोने वाले परिवार भी शामिल थे।

लोगों के हौसले को सलाम

राहुल ने कहा कि कई लोगों की जान चली गई। पाक सेना ने आम लोगों के स्थानों पर हमला किया है। लोगों ने मुझसे उनके मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने को कहा है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, टूटे मकान, बिखरा सामान, नम आंखें और हर कोने में अपनों को खोने की दर्द भरी दास्तान ये देशभक्त परिवार हर बार जंग का सबसे बड़ा बोझ साहस और गरिमा के साथ उठाते हैं। उनके हौसले को सलाम है।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव ने कहा

केंद्र सरकार की नई पहल पायलट प्रोजेक्ट

अब दुर्गम इलाकों में ड्रोन के सहारे पहुंचाई जाएगी मछली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा है कि अब जल्द ही ड्रोन तकनीक के जरिए दुर्गम इलाकों में मछली पहुंचाई जाएगी। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने बताया कि जीवित मछलियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक सुरक्षित और तेजी से पहुंचाने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य 70 किलोग्राम तक भार उठाने में सक्षम ड्रोन तैयार करना है।

मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत बनाएं

डॉ. लिखी ने राज्यों से आग्रह किया कि वे नवाचार आधारभूत ढांचे और संस्थागत सहयोग के जरिए मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने मछुआरों की सुरक्षा और उनके कार्यों की दक्षता बढ़ाने के लिए सैटेलाइट टेक्नोलॉजी का उपयोग करें।

बंदरगाहों और मछली बाजार विकास पर जोर

सरकार की प्राथमिकता अब ग्रीन और ब्लू सस्टेनेबिलिटी सिद्धांतों से जुड़ी स्मार्ट और एकीकृत मछली पकड़ने के बंदरगाहों और आधुनिक मछली बाजारों के विकास पर है। इसके अलावा, ड्रोन तकनीक को मजबूती देने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर और सब्सिडी ढांचे को बेहतर बनाने की बात कही गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की मदद से उन्नत मत्स्य पालन तकनीक को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

हिमाचल पुलिस अधिकारियों में अंतर्कलह उजागर

कोर्ट में बताएंगे सारी सच्चाई

एसपी शिमला ने पत्रकार वार्ता कर डीजीपी पर गंभीर आरोप 'जड़े'

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चीफ इंजीनियर विमल नेगी मौत मामले की जांच में प्रदेश मुख्यालय अधिकारियों व शिमला जिला पुलिस अधिकारियों के बीच चल रही अंतर्कलह अब सबके सामने आ गई है। प्रदेश पुलिस महानिदेशक अतुल वर्मा की ओर से कोर्ट में दायर किए गए हलफनामे पर सवाल उठाने के बाद एसएसपी शिमला संजीव कुमार गांधी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता कर कई गंभीर आरोप लगाए।

.... तो मैं पद छोड़ना पसंद करूंगा

संजीव ने कहा कि 25-26 वर्षों का मैंने ईमानदारी भरा अपना पुलिस कॅरियर तपस्या की तरह लगाया है। अगर कोई मेरी इस ईमानदारी व प्रोफेशनल अखंडता पर सवाल उठाता है तो मैं पुलिस का पद छोड़ना पसंद करूंगा। इसलिए हमारी एसआईटी इस मामले को दोबारा अदालत में लेकर जाएगी। जो हमने जांच की है, उसे सुरक्षित करवाना चाहते हैं ताकि नेगी को न्याय मिल सके।

मैं हाईकोर्ट जाऊंगा

कहा कि इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे और सारी सच्चाई कोर्ट के समक्ष रखेंगे। विमल नेगी को न्याय दिलाकर रहेंगे। संजीव ने डीजीपी पर कई गंभीर आरोप लगाए।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र बोले

2 माह और करिए इंतजार, सभी मंदिरों में होंगे प्रभु के दीदार

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अब बस दो महीने का इंतजार शेष है। इसके बाद रामजन्मभूमि के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन मिलने लगेंगे। यह जानकारी राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक दूसरे दिन नृपेंद्र मिश्र ने दी।

रामनगरी अयोध्या में शनिवार को राम मंदिर निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक हुई। बैठक के पहले भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर निर्माण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परकोटा में 31 मई को भोलेनाथ विराजमान होंगे। प्राण प्रतिष्ठा के लिए 3 जून से अनुष्ठान शुरू होगा। 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। नृपेंद्र ने बताया कि मंदिर अब अपनी पूर्णता की ओर है। परकोटा का 90 फीसदी काम जुलाई तक पूरा हो जाएगा। साल के अंत तक सभी निर्माण पूरे हो जाएंगे। हम आशावान हैं कि मंदिर का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा।

अगले साल तक बन जाएगा संग्रहालय

मिश्र ने बताया कि संग्रहालय और सभागार का काम अभी शुरू हुआ है। इसका काम अप्रैल 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। श्रद्धालु अप्रैल 2026 से संग्रहालय का अवलोकन कर सकेंगे। रामजन्मभूमि परिसर में सभी मंदिरों और अन्य स्थानों पर दो माह के अंदर श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति दे दी जाएगी।

31 को विराजेंगे बाबा भोलेनाथ

मंदिर का निर्माण कार्य 5 जून को पूरा हो जाएगा: उत्तर प्रदेश के अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर का निर्माण कार्य 5 जून को पूरा हो जाएगा। राम मंदिर निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों पर नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि टीम वर्क ने हमें सभी चुनौतियों का समाधान दिया है।

मंदिर न्यास ने सभी बाधाओं पर पाई विजय

नृपेंद्र ने कहा कि मैं न्यास को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने आर्थिक बाधाओं को आड़े नहीं आने दिया। इंजीनियरिंग और डिजाइन एक चुनौती थी, क्योंकि हमसे एक ऐसा मंदिर बनाने की उम्मीद थी जो अगले 1000 सालों तक किसी भी तरह की आपदा को झेल सके।

जबलपुर, रविवार 25 मई 2025 ■ ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष-13 ■ वर्ष : 20, अंक : 25 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम अधि. 35 न्यून.25 haribhoomi.com

पीएम ने नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
24 May 2025
समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों से यूनाइट रहने की अपील की

ये मुस्कुराहट क्या कह रही: नीति आयोग की मीटिंग में बदली-बदली दिखी सियासी फिजा

पीएम मोदी की विपक्षी सीएम के संग चाय पर चर्चा, हंसी-ठहाके

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के भारत मंडपम में शनिवार को नीति आयोग की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में 2047 तक विकसित भारत बनाने की योजनाओं पर चर्चा हुई। विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत भी हुई, जिससे देश के विकास के लिए एकजुटता का संदेश मिला। विपक्षी मुख्यमंत्रियों संग पीएम मोदी ने चाय पर चर्चा की।

पीएम मोदी बैठक के दौरान काफी गंभीर दिखे तो वहीं, बैठक से पहले सभी मुख्यमंत्रियों के साथ पूरी तरह से मजाकिया मूड में दिखे

नीति आयोग की विकसित राज्य फॉर विकसित भारत बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री

मप्र को अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार संकल्पित: डॉ.यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता मे नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की 10 वीं बैठक में भाग लिया। यह बैठक 'विकसित राज्य फॉर विकसित भारत @2047' थीम पर केंद्रित थी।

खबर संक्षेप

अभिनेता मुकुल देव का निधन, शोक में बॉलीवुड

मुंबई। अभिनेता मुकुल देव का 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका पार्थिव शरीर दिल्ली के

दयानंद मुक्ति धाम लाया गया जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। दिवंगत अभिनेता के बड़े भाई राहुल देव ने अग्नि दी। इससे पहले मुकुल देव के अंतिम दर्शन के लिए उनके करीबी दोस्त भी पहुंचे हैं। पिछले कुछ समय से मुकुल बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। हालांकि अस्पताल और परिवार की तरफ से निधन की वजह नहीं बताई गई है। मुकुल देव हिंदी, पंजाबी और साउथ फिल्मों के साथ टेलीविजन इंडस्ट्री में भी सक्रिय थे। मुकुल देव ने कई फिल्मों में भी काम किया।

हाईवे पर अश्लील हरकत करने वाला नेता फरार

मंदसौर। जिले के भाजपा नेता मनोहर लाल धाकड़ का अपनी महिला मित्र के साथ अश्लील

हरकत करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। इस वीडियो को देखकर लोग स्तब्ध हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि भानपुरा पुलिस ने मनोहर लाल धाकड़ और उनकी महिला साथी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 (सार्वजनिक अश्लीलता), 285 (जिससे जान-माल को खतरा हो) और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की है। आरोपी नेता इस घटना के बाद से फरार हैं। उनकी तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं। परिवहन विभाग की जांच में पुष्टि हुई है।

मशीन में फंसे महिला के सिर के बाल, गंभीर

पांढुर्णा। राजना में शेषाद्रि मिल में काम करने के दौरान एक महिला के बाल रिंग फ्रेम की मशीन की चपेट में गए। बाल सहित खोपड़ी की खाल निकलकर मशीन में फंस गई। हर

तरफ खून फैल गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद मिल प्रबंधन ने घायल महिला को नागपुर अस्पताल पहुंचा दिया। पुलिस को सूचना तक नहीं दी। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल लक्ष्मी पाठे (40) पांढुर्णा में किराए के मकान में रहती है। मिल के एक कर्मचारी ने नाम न बताने की शर्त बताया है कि मिल प्रबंधन ने कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की जानकारी देने से मना किया है।

गुना जिले में अतिक्रमण हटाने गई टीम पर हमला

उपद्रवियों ने थाना प्रभारी को मार दिया त्रिशूल, हथेली कटी

- अतिक्रमण हटाने पहुंची थी 5 थानों की टीम
- 30 साल से किया गया था अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुना

मधुसूदनगढ़ में अतिक्रमण हटाने गई पुलिस टीम पर हमला हुआ। अतिक्रमणकारियों ने जामनेर थाना प्रभारी सुरेश सिंह कुशवाहा पर त्रिशूल से हमला कर दिया जिससे वे घायल हो गए। यह घटना भोपाल रोड पर बस स्टैंड की जमीन पर अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पांच थानों की टीम कब्जे हटाने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि जिस जगह पर टीम पहुंची थी, वहां करीब 30 साल से अतिक्रमण हुआ था। इसे ही हटाने अमला पहुंचा था।

बड़ी मुश्किल से हाथ आया आरोपी

पांच थानों की पुलिस एसडीएम राघौगढ़ विकास आनंद के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। टीम में तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व अमला शामिल था। दोपहर करीब 12 बजे यह घटना हुई है। त्रिशूल के हमले से थाना प्रभारी की हथेली कट गई है। उन्हें काफी चोट भी आई है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। घायल थाना प्रभारी को मोटरसाइकिल से अस्पताल ले जाया गया।

ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर एपल भारत में आईफोन बनाने का फैसला करता है तो वे इस पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे

ट्रंप के 25% टैरिफ के बावजूद भारत में बने आईफोन अमेरिका में सस्ते होंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अपने एक बयान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर एपल भारत में आईफोन बनाने का फैसला करता है तो वे इसपर पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। हालांकि, जीटीआरआई का मानना है कि इस तरह के शुल्कों के बावजूद भारत में आईफोन का निर्माण लागत की दृष्टि से अधिक प्रभावी है। भले ही अमेरिका भारत में बने आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए, फिर भी इसकी कुल उत्पादन लागत अमेरिका में इसे बनाने की तुलना में बहुत कम होगी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है।

- न्यूनतम मजदूरी से जुड़े कानूनों के कारण अमेरिका में फोन बनाने पर आईफोन की श्रम लागत लगभग 2,900 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगी, जो इसकी वर्तमान श्रम लागत से 13 गुना अधिक है

भारत में एक आईफोन को असेंबल करने में लगभग 30 डॉलर का खर्च आता है, जबकि अमेरिका में इसी प्रक्रिया पर लगभग 390 डॉलर का खर्च आएगा

- भारत और अमेरिका में पारिश्रमिक लागत में भारी अंतर
- भारत में, आईफोन असेंबल करने वाले श्रमिक हर महीने लगभग 230 डॉलर कमा पाते हैं

आईफोन से किस देश को क्या मिलता है?

रिपोर्ट में 1,000 अमेरिकी डॉलर के आईफोन की पूरी मौजूदा मूल्य श्रृंखला के बारे में विस्तार से बताया गया है। आईफोन के निर्माण में एक दर्जन से अधिक देशों का योगदान है। एपल अपने ब्रांड, सॉफ्टवेयर और डिजाइन जरिए मूल्य का सबसे बड़ा हिस्सा, लगभग 450 डॉलर प्रति डिवाइस अपने पास रखता है। क्वालकॉम और ब्रॉडकॉम जैसे अमेरिकी घटक निर्माताओं के हिस्से में करीब 80 जाते हैं। जबकि ताइवान चिप बनाकर 150 अमेरिकी डॉलर हासिल करता है। दक्षिण कोरिया ओएलईडी स्क्रीन और मेमोरी चिप्स बनाकर 90 डॉलर हासिल करता है। जापान मुख्य रूप से कैमरा सिस्टम तैयार कर 85 डॉलर के पार्ट्स की आपूर्ति करता है। जर्मनी, वियतनाम और मलेशिया छोटे आईफोन के कई अन्य छोटे-छोटे हिस्से बनाकर 45 डॉलर का योगदान देते हैं।

भारत और चीन को आईफोन असेंबल कर मिलते हैं केवल 30 डॉलर

जीटीआरआई ने कहा कि चीन और भारत जैसे देश आईफोन असेंबली के मामले में प्रमुख खिलाड़ी होने के बावजूद, प्रति डिवाइस केवल लगभग 30 डॉलर ही कमाते हैं। यह एक आईफोन के कुल खुदरा मूल्य का 3 प्रतिशत से भी कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 25 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत में आईफोन का निर्माण आर्थिक रूप से तर्कसंगत है। ऐसा मुख्य रूप से भारत और अमेरिका में पारिश्रमिक लागत में भारी अंतर के कारण है। भारत में, आईफोन असेंबल करने वाले श्रमिक हर महीने लगभग 230 डॉलर कमा पाते हैं। वहीं कंपनी यदि अमेरिका के कैलिफोर्निया जैसे राजय में आईफोन बनाने का फैसला लेती है तो उसे काफी महंगा पड़ेगा। न्यूनतम मजदूरी से जुड़े कानूनों के कारण अमेरिका में फोन बनाने पर आईफोन की श्रम लागत लगभग 2,900 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगी, जो इसकी वर्तमान श्रम लागत से 13 गुना अधिक है।

अमेरिका में एपल का मुनाफा 60 अमेरिकी डॉलर रह जाएगा

भारत में एक आईफोन को असेंबल करने में लगभग 30 डॉलर का खर्च आता है, जबकि अमेरिका में इसी प्रक्रिया पर लगभग 390 डॉलर का खर्च आएगा। अगर एपल अपना उत्पादन अमेरिका ले जाता है, तो हर आईफोन उसका मुनाफा वर्तमान के 450 अमेरिकी डॉलर से घटकर मात्र 60 अमेरिकी डॉलर रह जाएगा। ऐसे में, बिना खुदरा कीमतों में इजाफा किए वह इससे अधिक लाभ नहीं हासिल कर पाएगा। जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कैसे वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं और श्रम लागत का अंतर भारत को विनिर्माण के लिए एक प्रतिस्पर्धी विकल्प बनाते हैं। जीटीआरआई के अनुसार भारत में आईफोन की असेंबलिंग अमेरिका के संभावित व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद कारगर बने रहने की उम्मीद है।

एएसआई ने बैठने का कारण पूछा तो भड़क गया आरोपी

सीबीआई ऑफिस में तैनात एएसआई पर कर दी तीरों की बौछार, एक सीने में धंसा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सीबीआई ऑफिस में तैनात एएसआई पर एक व्यक्ति ने धनुष-बाण से हमला कर घायल कर दिया। बाण एएसआई वीरेंद्र सिंह के सीने में लगा, उसे सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि जख्म 5 सेमी गहरा है। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का दावा है कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। सिंह किशोर रोड स्थित सीबीआई ऑफिस के गेट पर ड्यूटी कर रहे थे।

- मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा आरोपी

पहले भी जा चुका है जेल

दिनेश का कहना है कि वर्ष 2005 में वह सीबीआई ऑफिस में अधिकारियों से मिलने दिल्ली पहुंचा था। इस दौरान उसने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेज दिया।

होटल में संबंध बना कर फोटो-वीडियो लिए

महिला ने 61 साल के बुजुर्ग को ब्लैकमेल किया, 24 लाख ऐंठे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

कनाडिया थाना क्षेत्र में एक 30 वर्षीय महिला ने 61 साल के बुजुर्ग को अपने प्रेमजाल में फंसाकर अश्लील वीडियो बना लिए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर करीब 24 लाख रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित ने परेशान होकर पुलिस की शरण ली, जिसके बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके बैंक खाते सील कर 19 लाख रुपए होल्ड करा दिए हैं। पुलिस के मुताबिक 22 मई को मदन सिंह (61), निवासी ग्राम बिचौली मर्दाना ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

घूमने के बहाने उज्जैन ले गई

पीड़ित के मुताबिक 28 नवंबर 2023 को मुलाकात हुई थी, दिसंबर 2023 में महिला ने उन्हें उज्जैन घूमने के लिए राजी किया और उनकी ही कार से दोनों उज्जैन पहुंचे। वहां एक होटल में रुककर महिला उनके साथ संबंध बनाए और चुपके से फोटो व वीडियो रिकॉर्ड कर लिए।

सीएफएसएल-पीयू ने मिलकर बनाया

रक्षा सूत्र करेगा आभूषणों की सुरक्षा 'स्नैचिंग' पर दिखेगा इसका कमाल

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्थित सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (सीएफएसएल) और पंजाब यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मिलकर एक स्मार्ट डिवाइस 'रक्षा सूत्र' तैयार किया है, जो स्नैचिंग यानी झपटमारी की घटना होते ही खुद-ब-खुद एक्टिव होकर आरोपी की वीडियो, ऑडियो और लोकेशन रिकॉर्ड कर लेता है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक अनोखी तकनीक का विकास हुआ है, जो आने वाले समय में झपटमारी और चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने में क्रांतिकारी साबित हो सकती है।

रक्षा सूत्र को डॉ. एसके जैन, डॉ. सुखमिंदर कौर, प्रो. नवीन अग्रवाल, डॉ. गरिमा जोशी, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. चारू मधु, डॉ. निधि गर्ग, कृष्ण चौहान, मंजीत कौर, प्रिंस राणा, निशा शर्मा, ऋषि डोगरा, कनिष्क मदान ने मिलकर तैयार किया है।

घटना पर कोई बटन दबाने की जरूरत नहीं

ज्वेलरी के पीछे किया जा सकेगा फिट

इस डिवाइस की खास बात यह है कि इसे महिलाओं के आभूषणों (ज्वेलरी) के पीछे इस तरह फिट किया जाता है कि यह सामान्य तौर पर दिखता नहीं, लेकिन जैसे ही स्नैचिंग जैसी घटना होती है, यह अपने आप एक्टिवेट हो जाता है। सक्रिय होते ही यह डिवाइस न केवल आरोपी की वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग शुरू कर देता है, बल्कि उसी समय उसकी लोकेशन भी रिकॉर्ड कर लेता है। यह डेटा बाद में जांच एजेंसियों के लिए बेहद अहम सबूत के रूप में काम आ सकता है।

डीएफएसएल मुंबई ने दिखाई रुचि

यह तकनीक सिर्फ कागजों या लैब तक सीमित नहीं रही है। इस टेक्नोलॉजी को पेटेंट कराने के लिए भारत सरकार को आवेदन भी कर दिया गया है। टीम के सदस्यों ने बताया कि इस डिवाइस को और छोटा बनाने पर काम किया जा रहा है। टेक्नोलॉजी को लेकर डीएफएसएल मुंबई ने भी रुचि दिखाई है।

ऑस्ट्रेलिया में इसके संकेत मिले थे कि उनको सौंपी जा सकती है कमान

शुभमन गिल....भारतीय टेस्ट टीम को मिल गया नया कप्तान....शुभ होंगे गिल

वे वनडे क्रिकेट में पहले से ही उपकप्तान हैं। भारतीय क्रिकेट 3 फॉर्मेट में 3 कप्तान नहीं चाहता। विराट कोहली की कप्तानी भी इसी नीति के कारण गई थी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट टीम को नया कप्तान मिल गया। इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार (24 मई) को भारतीय टीम का ऐलान हुआ। शुभमन गिल को रोहित शर्मा का उत्तराधिकारी चुना गया। अब बड़ा सवाल यह है कि गिल ही कप्तान क्यों बने? जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को कप्तान क्यों नहीं बनाया गया? एक सवाल यह भी है कि क्या इंडियन प्रीमियर लीग 2025 भी फैक्टर बनकर उभरा? शुभमन गिल की ताजपोशी अचानक से नहीं हुई है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत चैंपियन बना। जिम्बाब्वे दौरे पर पहली शुभमन गिल को कप्तानी दी गई।

बुमराह, केएल राहुल व पंत क्यों नहीं बने कप्तान

रोहित शर्मा के बाद कप्तान के तौर पर सबसे पहले किसी खिलाड़ी का नाम आगे आ रहा था तो वे जसप्रीत बुमराह थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह उपकप्तान थे। अकेले दम पर ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने भारत को जीवित रखा, लेकिन सिडनी टेस्ट में चोट और चैंपियंस ट्रॉफी में उपलब्ध न होने से बुमराह का दावा कमजोर हुआ। उनका वर्कलोड मैनेजमेंट भी जरूरी है। केएल राहुल को टेस्ट क्रिकेट में 10 साल हो गए हैं, लेकिन वह अब तक अपनी जगह स्थापित नहीं कर पाए हैं। राहुल का करियर ऐसा होना चाहिए था कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के जाने के बाद कप्तानी पर बहस ही न होती। ऋषभ पंत के कप्तान न बनने से एक धारणा यह होगी कि आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा।

क्यों गई थी विराट कोहली की कप्तानी

विराट कोहली ने टी20 की कप्तानी छोड़ी तो उन्हें वनडे से भी कप्तानी से हटने को कहा गया। कोहली-धोनी युग में भी 2 कप्तान दिखे। टी20 क्रिकेट बढ़ने और वनडे क्रिकेट कम होने पर नीति में थोड़ा बदलाव हुआ। 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद भी स्प्लिट कैप्टेंसी देखने को मिली। हार्दिक पंड्या ने टी20 में कमान संभाली। रोहित शर्मा वनडे और टेस्ट में अगुआई की। अब हालात ऐसे हैं कि टी20 के स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों की भरमार है। भारत की वनडे और टेस्ट टीम उससे एकदम अलग दिखती है। इन दो फॉर्मेट के स्क्वाड में ज्यादा बदलाव नहीं होता।

विदेश मंत्रालय ने संसदीय समिति को दी जानकारी

पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि को दिशा देने वाले सिद्धांतों का किया उल्लंघन

तकनीकी और जलवायु परिवर्तन से आए बदलावों से नई शर्तों पर करेंगे विचार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने सिंधु जल संधि स्थगन को लेकर संसदीय समिति को जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि के सिद्धांतों का उल्लंघन किया इसलिए भारत ने संधि को स्थगित करने का फैसला किया। मंत्रालय ने कहा है कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने का भारत का फैसला पाकिस्तान द्वारा समझौते को दिशा देने वाले दोस्ती और सद्भावना जैसे सिद्धांतों के उल्लंघन का स्वाभाविक नतीजा है। मंत्रालय ने समिति से कहा है कि इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियर के पिघलने सहित जमीनी हालात में आए बदलावों के कारण संधि की शर्तों पर फिर से बातचीत करना जरूरी हो गया है।

■ सीमापार से लगातार जारी आतंकवाद

मिसरी ने हाल ही में एक संसदीय समिति को पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की ओर से चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' सहित अन्य कार्रवाई के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने पाकिस्तान के साथ सैन्य तनाव के बाद भारत के रुख को समझाने के लिए 33 देशों और यूरोपीय संघ का दौरा कर रहे सात बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से भी बात की थी।

सिंधु जल संधि 'सद्भावना और मित्रता की भावना' पर आधारित है

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि जब जमीनी हालात पूरी तरह से बदल गए हों, तो संधि को स्थगित रखने का फैसला स्वाभाविक और भारत के अधिकार क्षेत्र में है

खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

मंत्रालय ने कहा कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि यह सद्भावना और दोस्ती की भावना पर आधारित है। पाकिस्तान ने इन सभी सिद्धांतों का प्रभावी रूप से उल्लंघन किया है। पाकिस्तान की ओर से सीमापार से लगातार जारी आतंकवाद हमें संधि पर उसके प्रावधानों के अनुसार अमल करने से रोकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जब जमीनी हालात पूरी तरह से बदल गए हों, तो संधि को स्थगित रखने का फैसला स्वाभाविक और भारत के अधिकार क्षेत्र में है।

नए सिरे से बातचीत जरूरी

मंत्रालय ने कहा कि सिंधु जल संधि पर फिर से बातचीत किए जाने की जरूरत है, ताकि इसे 21वीं सदी के लिए उपयुक्त बनाया जा सके, क्योंकि यह 1950 और 1960 के दशक की इंजीनियरिंग तकनीकों पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि अन्य प्रमुख बदलावों में जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियर का पिघलना, नदियों के पानी की मात्रा में आया बदलाव और जनसांख्यिकी शामिल हैं। इन कारकों के अलावा स्वच्छ ऊर्जा की चाह संधि के तहत अधिकारों और दायित्वों के निर्धारण पर नए सिरे से बातचीत को अनिवार्य बनाते हैं।

भारत के अनुरोध को पाक ने ठुकराया

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपनी मीडिया ब्रीफिंग में कहा था कि 1960 की सिंधु जल संधि की प्रस्तावना में स्पष्ट किया गया है कि यह संधि 'सद्भावना और मित्रता की भावना' पर आधारित है। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान ने इन सभी सिद्धांतों का प्रभावी रूप से उल्लंघन किया है। पाकिस्तान संधि पर हस्ताक्षर के बाद जमीनी हालात में आए बदलावों के मद्देनजर

यूएन में भारत की दो टूक

तीन युद्ध थोपकर पहले ही सिंधु जल समझौते का उल्लंघन कर चुका पाक

न्यूयॉर्क। भारत ने सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान के दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में कहा कि पाकिस्तान पहले ही भारत पर तीन युद्ध थोपकर और हजारों आतंकी घटनाएं कर सिंधु जल समझौते की भावना का उल्लंघन कर चुका है। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद की एरिया फार्मूला बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुद्दा संघर्ष में पानी की सुरक्षा था। इस बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने कहा कि 65 साल पहले भारत और पाकिस्तान के मध्य हुई सिंधु जल समझौता की प्रस्तावना में साफ लिखा गया है कि ये समझौता अच्छी भावना और दोस्ती के साथ किया गया, लेकिन पाकिस्तान ने बीते 65 वर्षों में इस भावना का साफ उल्लंघन किया और भारत के खिलाफ तीन युद्ध लड़े और हजारों आतंकी हमले किए। पी. हरीश ने कहा कि तकनीक बदल चुकी है और इसने बांध निर्माण के काम को भी बदल दिया है, जिससे बांधों की सुरक्षा और उनका संचालन बेहतर हुआ है। कई पुराने बांधों की सुरक्षा को खतरा है, लेकिन पाकिस्तान इन बांधों के निर्माण में किसी भी बदलाव का विरोध करता रहा है, जबकि संधि के तहत इसकी मंजूरी दी गई थी।

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी करके भागा अंगद चंडोक गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत में धोखाधड़ी के आरोप में वांछित अंगद सिंह चंडोक को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा एक अभियान के तहत अमेरिका से प्रत्यर्पित कर यहां लाया गया।

चंडोक को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया, जहां सीबीआई ने उसे हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। चंडोक को विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। चंडोक 2016 में परिवार संग यूएस भाग गया था।

पकड़ा गया गद्दार, पाक को भेजी थी जानकारी

कच्छ। देश के गद्दार में गुजरात के सहदेव सिंह गोहिल का नाम भी शामिल हो गया है। उस पर

बीएसएफ और भारतीय नौसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजने का आरोप है। गुजरात एटीएस एसपी के सिद्धार्थ ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि कच्छ के एक मल्टीपर्पस स्वास्थ्य कार्यकर्ता सहदेव सिंह गोहिल को गिरफ्तार किया है। वह वाट्सएप पर एक महिला के संपर्क में था जो पाक की एजेंट निकली।

ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को उजागर किया

भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान के कई राजनीतिक और सरकारी क्षेत्र के लोगों से की मुलाकात

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया

वैश्विक समुदाय भी आतंक के विरोध में एकजुट हो आतंकवादी हमले का दृढ़ और तीव्र जवाब देंगे

भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने यह स्पष्ट किया कि वह सीमापार आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतेगा और वैश्विक समुदाय से भी इसी तरह की एकजुटता की अपेक्षा करता है

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

जेडीयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में भारतीय सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जापान की राजधानी टोक्यो में भारतीय दूतावास (इंडिया हाउस) में जापान के राजनीतिक, सरकारी और शैक्षणिक क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' (शून्य सहिष्णुता) नीति की जानकारी दी और ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को उजागर किया। यह दौरा भारत के वैश्विक कूटनीतिक अभियान का हिस्सा है, पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने लाया जा रहा है। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी और बृज लाल, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद जॉन बरिटास और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद शामिल थे।

आतंकवाद के विरुद्ध जापान ने दिया समर्थन

इस बैठक में लीग के अध्यक्ष यासुतोशी निशिमुरा ने भारत के संकल्प को समर्थन दिया और आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों के साझा नजरिए को दोहराया। प्रतिनिधिमंडल ने जापान की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से भी भेंट की, जिन्होंने भारत के साथ एकजुटता जताई। इस दौरे के जरिए भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह सीमापार आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतेगा।

आतंकवाद बर्दाश्त नहीं

टोक्यो में सांसदों ने बताया कि भारत आतंकवाद के किसी भी रूप को बर्दाश्त नहीं करता और सभी दल राष्ट्रीय हित के मामलों में एकजुट हैं। इंडिया हाउस में आयोजित रात्रिभोज के दौरान भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और जापान के राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा हुई, जिसमें भारत के एकीकृत और स्पष्ट रुख को सामने रखा गया। भारतीय सांसदों ने जापान-भारत संसदीय मैत्री लीग के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

आतंकवाद पागल कुत्ता, पाक उसका हैंडलर: टीएमसी सांसद बेनर्जी

टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी ने कहा कि हम डरने वाले नहीं हैं और अब हमने वो भाषा सीख ली है, जिससे पाकिस्तान समझता है। अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है तो पाक उसका हैंडलर है।

भारत का रास्ता, विश्व शांति का: कांगेस नेता खुर्शीद

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि हमारा संकल्प आतंकवाद के खिलाफ और आतंकवाद को समाप्त करने का है। 1947 में दो रास्ते थे। पहले रास्ते में हमने तय किया कि हम सब मिल कर रहेंगे। किसी और ने सिर्फ धर्म के नाम पर देश बनाया। हमने जो रास्ता चुना है वही विश्व का रास्ता है।

आतंकियों के जनाजे में पाक सेना: सारंगी

भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे जो आतंकी संगठन टीआरएफ है, वह लश्कर ए तैयबा का छद्म संगठन है। हमले में मारे गए आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी दिखाई दिए। तस्वीरें झूठ नहीं बोलती हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले जयशंकर

हमारा अभियान आतंकवाद के खिलाफ, हमें बचाव करने का हक

एजेंसी ▶▶ बर्लिन

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने जर्मन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में बातचीत के दौरान कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए हम आतंकवाद का जवाब दे रहे थे। हमें अपने देश और अपने लोगों का बचाव करने का हक है। उन्होंने कहा कि पहलगाम एक आतंकी हमला था, जो एक पैटर्न का हिस्सा है, जिसने न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि भारत के अन्य हिस्सों को भी निशाना बनाया है। इसका मकसद डर का माहौल बनाना और कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को नष्ट करना था। इसका मकसद धार्मिक मतभेद पैदा करना था।

परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा भारत

जयशंकर ने कहा कि भारत कभी भी आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और परमाणु धमकियों के सामने नहीं झुकेगा। उन्होंने यह बात शुक्रवार को जर्मन विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान कही। जयशंकर ने साफ किया कि भारत, पाकिस्तान से किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना, केवल द्विपक्षीय रूप से ही निपटेगा और इस पर किसी को कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर पूरी तरह कायम है।

आतंकवाद किसी देश को स्वीकार नहीं

जयशंकर ने कहा कि जब आतंकवाद की बात आती है, तो आज आमतौर पर कोई भी देश ऐसा नहीं है जो यह कहे कि जो कुछ हुआ, उसे वह स्वीकार करता है और उसकी निंदा नहीं करेगा। अगर मैं कहता हूं कि मुझे अपना, अपने देश और अपने लोगों का बचाव करने का अधिकार है तो मेरे देश की सुरक्षा के लिए दुनिया के ज्यादातर लोग मुझसे सहमत होंगे। हमले की बहुत पहले की गई निंदा के लिए सभी के आभारी हैं। 7 मई को और आज फिर मंत्री वेडफुल से हमें जो स्पष्ट संदेश मिला है कि जर्मनी भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को मान्यता देता है।

रूस के फाइबर-ऑप्टिक ड्रोन का धमाल

युद्ध में पलट रहे पासा, यूक्रेन को दे रहे 'झटके पर झटका'

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध का नया खतरा अब फाइबर-ऑप्टिक ड्रोन के रूप में सामने आए हैं। ये ड्रोन पुराने वायरलेस मॉडल से बिल्कुल अलग हैं, क्योंकि इन्हें नियंत्रित करने के लिए बेहद पतले फाइबर-ऑप्टिक केबल का इस्तेमाल होता है।

जो रेडियो सिग्नल जैमिंग तकनीक को बेअसर कर देता है। रूस के ये जैम-प्रूफ ड्रोन युद्ध में पासा पलट रहे हैं और यूक्रेनी सेना इन्हें काउंटर करने में लगातार नाकाम हो रही है।

रूस ने कीव पर भीषण हमला किया

रूस ने यूक्रेन की राजधानी पर शुक्रवार रात तथा शनिवार तड़के ड्रोन और मिसाइलों से भीषण हमला किया, जिसमें कम से कम 15 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूरे शहर में विस्फोटों की आवाज सुनाई दी और कीव के अनेक लोगों को भूमिगत 'सबवे स्टेशन' में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब कुछ घंटे पहले ही रूस और यूक्रेन के बीच सैकड़ों बंदियों की अदला-बदली की शुरुआत हुई।

12 मील तक कर सकते हैं हमला

ये ड्रोन 12 मील तक की दूरी से लक्ष्यों पर हमला कर सकते हैं और लंबी बैटरी लाइफ तथा बेहतर निशानेबाजी की खासियत रखते हैं। खासकर रूस के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में इन ड्रोन ने यूक्रेनी सैनिकों के लिए रसद और सैनिक आवागमन को बेहद जोखिम भरा बना दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक नई क्रांति है, जो युद्ध में ड्रोन की भूमिका को पूरी तरह बदल रही है। रूस के इस कदम से उसकी युद्धक क्षमता में बढ़ोतरी हुई है, जिससे यूक्रेन के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं।

बांग्लादेश में सियासी उठापटक पर विराम!

यूनुस की धमकी कर गई काम अब उनके पास ही रहेगी कमान

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में सियासी उठापटक पर विराम लग गया। अंतरिम सरकार और सलाहकार परिषद के प्रमुख प्रो. मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को बैठक बुलाई, जिसमें उन्होंने इस्तीफे देने पर बात कही। दो घंटे तक चली बैठक में अंतरिम सरकार को सौंपी गई 3 प्राथमिक जिम्मेदारियों- चुनाव, सुधार और न्याय पर विस्तृत चर्चा हुई। अंत में फैसला लिया गया है कि मो. यूनुस पद पर बने रहेंगे और उनके पास ही अंतरिम सरकार की कमान रहेगी। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति की बैठक के बाद शनिवार को सलाहकार परिषद की अनिर्धारित मीटिंग आयोजित की गई। यूनुस की अध्यक्षता में शेर-ए-बांग्ला नगर में यह बैठक हुई, जिसमें यह चर्चा की गई कि कैसे अनुचित मांगें, जानबूझकर भड़काऊ, अधिकार क्षेत्र से परे बयान और विघटनकारी कार्यक्रम लगातार सामान्य कामकाज के माहौल को बाधित कर रहे हैं तथा जनता के बीच भ्रम और संदेह पैदा कर रहे हैं।

10 लाख का इनामी नक्सली पप्पू लोहरा समेत दो ढेर

लातेहार। झारखंड के लातेहार में 10 लाख के इनामी नक्सली को ढेर कर दिया गया है। वहीं, एक दूसरा नक्सली भी मारा गया है जो 5 लाख का इनामी बताया जा रहा है। इस मुठभेड़ में एक सुरक्षा बल का एक जवान भी घायल हुआ है।

मारे गए नक्सली का नाम पप्पू लोहरा है जिस पर 10 लाख का इनाम था। इसके साथ ही प्रभात गंझू को भी मार गिराया गया है जिस पर 5 लाख रुपयए का इनाम घोषित था। घायल हुए नक्सली संगठन के एक अन्य खूंखार नक्सली को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता

24 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण इनमें 20 इनामी नक्सली भी शामिल

एजेंसी ▶▶ बीजापुर

सरकार की पुनर्वास नीति से हुए प्रभावित

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। यहां 24 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, इनमें 20 नक्सली ऐसे हैं जिन पर कुल 87.50 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले ये नक्सली अब हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला कर चुके हैं। इन माओवादियों में कई ऊंचे पदों पर रहे नेता शामिल हैं। ये सभी लंबे समय से बीजापुर, सुकमा और आसपास के इलाकों में सक्रिय थे और कई नक्सली घटनाओं में शामिल रहे हैं।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि इन नक्सलियों ने राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर यह कदम उठाया है। सड़क निर्माण, बिजली-पानी की सुविधा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे विकास कार्यों ने नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया है।

जिले में इस साल 119 माओवादी मारे गए

बीजापुर जिले में 1 जनवरी 2025 से अब तक कुल 227 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 237 माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं और 119 माओवादी मारे गए हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि सरकार की नीति और सुरक्षा बलों की रणनीति नक्सलवाद के खिलाफ कारगर साबित हो रही है।

बीएलए ने वरिष्ठ पत्रकार लतीफ की निर्मम हत्या का बदला लिया

पाकिस्तानी सेना के काफिले को बम से उड़ाया, कई पाक सैनिक ढेर

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

बलूच विद्राहियों ने शनिवार को पाकिस्तान सेना पर बड़ा हमला किया। बलूचिस्तान के मंगोचर शहर में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर हुए ताजा हमले में कई सैनिक मारे गए हैं। यह हमला दो अलग-अलग जगहों पर हुआ। बम से काफिले की कई गाड़ियों को निशाना बनाया गया।

इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। बीएलए ने वरिष्ठ बलूच पत्रकार लतीफ बलोच की निर्मम हत्या का बदला लिया है। बलूच नेताओं ने पाकिस्तान की सेना पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि लतीफ बलोच की हत्या सेना से जुड़े मिलिशिया द्वारा कराई गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना समर्थित एक सशस्त्र दस्ते ने बलोच के घर में घुसकर उनके सामने ही, उनकी पत्नी और छोटे बच्चों के सामने उन्हें गोलियों से भून दिया। लतीफ बलोच पाकिस्तान के प्रमुख समाचार चैनल से जुड़े हुए थे और बलूच मानवाधिकारों और स्थानीय उत्पीड़न पर लगातार रिपोर्टिंग कर रहे थे।

बीएलए ने हमले तेज किए

बीएलए ने बीते 15 दिनों में अचानक हमले तेज कर दिए हैं। पाकिस्तानी सेना स्थानीय लोगों को अगवा कर लेती है, उनके साथ मारपीट की जाती है। उन्हें गायब कर दिया जाता है। इतना ही नहीं, जो लोग इसकी जानकारी उजागर करते हैं, उनपर भी हमले किए जा रहे हैं। इससे भड़की बीएलए और अन्य विद्रोही संगठन अब पाक सेना को सीधे निशाना बना रहे हैं, जिनमें हाल के महीनों में क्वेटा, पांजगुर और अब मंगोचर शामिल हैं।

बलूचिस्तान आंदोलन को समर्थन दे भारत

बलूच अमेरिकी कांग्रेस के अध्यक्ष और बलूचिस्तान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. तारा चंद बलूच ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान के प्रभुत्व के खिलाफ बलूच लोगों के राष्ट्रीय प्रतिरोध के लिए भारत के नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का अनुरोध किया है। यह अपील बलूच अमेरिकी कांग्रेस की ओर से भेजे गए दो औपचारिक पत्रों के माध्यम से की गई, जो सीधे दिल्ली में पीएम कार्यालय को संबोधित थे।

अपने पत्र में, चंद ने बलूचिस्तान मुद्दे पर भारतीय नेतृत्व के पहले ध्यान देने के लिए प्रशंसा व्यक्त की, विशेष रूप से लाल किले के भाषण के दौरान पीएम मोदी की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, जिसे वे नैतिक समर्थन के प्रदर्शन के रूप में देखते हैं जिसने वैश्विक स्तर पर उत्पीड़ित बलूच आबादी के बीच आशा को प्रेरित किया।

सुप्रीम कोर्ट ने जबलपुर के रिटायर्ड इंजीनियर की याचिका पर केंद्र सरकार को दिए निर्देश

देशभर के राजमार्गों पर करें ट्रैफिक कंट्रोल

▸ अतिक्रमण हटाने की करो कार्रवाई

▸ सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करो

हरिभूमि जबलपुर।

सुप्रीम कोर्ट ने जबलपुर के बुजुर्ग इंजीनियर की याचिका पर केन्द्र सरकार को कहा है कि देशभर के राजमार्गों पर ट्रैफिक कंट्रोल, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। निगरानी दल गठित करें। इनमें पुलिस या अन्य दलों को भी शामिल करें। जस्टिस अभय एस ओक व जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज की खंडपीठ ने इसके लिए पुलिस व अन्य को शामिल करते हुए निगरानी दल गठित करने के निर्देश भी दिए। अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

जबलपुर के ट्रैफिक सेफ्टी एक्टिविस्ट व रिटायर्ड इंजीनियर ज्ञान प्रकाश ने 2019 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। उन्होंने रोड एक्सिडेंट इन इंडिया 2017 का हवाला देते हुए बताया था कि उस वर्ष 53 हजार 181 लोगों की मौत राजमार्गों पर हुईं और इसके लिए सुरक्षा नियमों की ढीली कार्यप्रणाली को जिम्मेदार ठहराया। दलील दी गई कि राष्ट्रीय राजमार्ग (भूमि और यातायात) अधिनियम, 2002 और राजमार्ग प्रशासन नियम, 2004 का क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। हाईवे प्रशासन नियम के तहत राजमार्ग भूमि को केन्द्र सरकार की संपत्ति माना है। इसलिए, राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव करना केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है, जिसमें अतिक्रमण से मुक्ति भी शामिल है। सड़क राजमार्ग प्राधिकरणों के साथ-साथ केंद्र सरकार को नियमित और समय पर राजमार्ग में गश्त सुनिश्चित करने के लिए निगरानी दल गठित करने को भी कहा गया। यह दल राजमार्गों पर अनधिकृत अतिक्रमणों के बारे में डेटा भी एकत्र करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने राजमार्ग प्रशासन को निरीक्षण दलों के गठन के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया गया, जो राष्ट्रीय राजमार्गों की निगरानी करेंगे और राजमार्ग भूमि पर अनधिकृत कब्जे के बारे में डेटा एकत्र करेंगे। कोर्ट ने तीन माह के भीतर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा।

हाईकोर्ट का अहम फ़ैसला

कविता रैकवार की पार्षदी निरस्त करने का आदेश रद्द

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर संभागीय कमिश्रर के फैसले को रद्द करते हुए भाजपा की महिला पार्षद कविता रैकवार की पार्षदी को बहाल करने के आदेश दिए है। जस्टिस मनिंदर सिंह बट्टी की सिंगल बेंच ने यह आदेश दिए।

पार्षद कविता रैकवार की ओर से याचिका दायर की गई। अधिवक्ता अंशुमन सिंह ने कोर्ट को बताया संभागीय कमिश्रर अभय वर्मा ने 29 अप्रैल को भाजपा की महिला पार्षद कविता रैकवार की पार्षदी सिर्फ इस आधार पर रद्द कर दी थी कि उनका जाति प्रमाण पत्र फर्जी है। संभागीय कमिश्नर ने यह आदेश भोपाल की उच्च स्तरीय जांच कमेटी के रिपोर्ट के आधार पर सुनाया था। जबकि 29 अप्रैल को संभागीय कमिश्नर के आदेश के पहले 28 अप्रैल को हाईकोर्ट भोपाल की हाई पावर कमेटी की उच्च स्तरीय जांच को खारिज कर चुका था। जस्टिस विशाल धगट की बेंच ने अपने आदेश में कहा था कि इस तरह से किसी के आरोप मात्र लगा देने से किसी का जाति प्रमाण पत्र फर्जी नहीं हो जाता। कोर्ट ने कहा था कि आप इस मामले में पहले जांच करें। जांच में जो बिंदु सामने आते है उस आधार पर आगे की कार्यवाही की जाए। 28 तारीख को हाई कोर्ट का फैसला आया और एक दिन बाद ही संभागीय कमिश्नर ने भोपाल की उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कविता रैकवार की पार्षदी रद्द कर दी। जिसके बाद मामले को दोबारा चुनौती दी गई। सुनवाई के बाद जस्टिस बट्टी की बेंच ने संभागीय कमिश्रर के आदेश को रद्द कर दिया।

भाजपा ने बनाई 10 दिवसीय कार्यक्रमों की रुपरेखा

देवी अहिल्या बाई के शौर्य, साहस और संघर्ष की गाथा जन जन तक पहुंचे

हरिभूमि जबलपुर।

मां स्वरूपा देवी अहिल्या बाई एक कुशल शासक से राजमाता और राजमाता से लोकमाता बनकर आज भी लोगो के हृदय पटल पर स्थापित है, उनकी 300वीं जयंती पर हम उनके बिंदु से विराट तक की यात्रा को स्मरण करते हुए उनके जीवन से जुड़ी शौर्य, साहस और संघर्ष की गाथा जन जन तक पहुंचाए यह आग्रह भाजपा संगठन का है, यह बात वरिष्ठ नेता डॉ जितेंद्र जामदार ने भाजपा कार्यालय रानीताल में हुई पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों से परिचर्चा के दौरान कही।

डॉ जितेंद्र जामदार ने परिचर्चा में कहा देवी अहिल्या बाई अपनी धर्म परायणता, न्यायप्रियता, परोपकार और राष्ट्रनिष्ठा के लिए जानी जाती है। मां अहिल्या नारी नेतृत्व, सेवा और न्याय से सजी शक्ति की अनुपम कहानी है। डॉ जामदार ने देवी अहिल्या बाई के जीवन, सुशासन, युद्ध कौशल एवं सुरक्षा व्यवस्था, के साथ ही उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक पुनरूत्थान, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, न्यायप्रिय कार्य, आर्थिक समृद्धि के प्रयास पर विस्तार से चर्चा की।

भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कार्यक्रम की प्रस्तावना और स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया मां अहिल्या बाई का सम्पूर्ण जीवन संसार के लिए उदाहरण रहा है और इसीलिए हमारे केंद्रीय नेतृत्व ने पूरे देश में देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती पर 10 दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन करने का आह्वान किया है इसी क्रम में प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा संगठन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है इसी क्रम में पत्रकार और बुद्धिजीवी वर्ग के साथ एक चर्चा के लिए हम एकत्र हुए है।

31 मई तक होंगे कार्यक्रम

देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती पर भाजपा संगठन द्वारा 10 दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिनमे, महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन, रंगोली प्रतियोगिता, पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों से परिचर्चा, वॉकथोआन, कवि सम्मेलन, संगोष्ठी, प्रतिभाशाली बालिकाओं का सम्मान, मठ मंदिरो की सफाई अभियान, भव्य रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस अवसर महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, जय सचदेवा, रूपा राव, श्रीकांत साहू, रवि शर्मा, नुपुर लखेरा, दीपिका चौहान उपस्थित थे।

आरआई के निलंबन पर उठे सवाल

नगर निगम जोन क्रमांक 11 में एक और निलंबन विवादों में

हरिभूमि जबलपुर।

नगर निगम जोन क्रमांक 11 में विभागीय अधिकारियों के निलंबन को लेकर जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। हाल ही में संभागीय अधिकारी के निलंबन को लेकर उठे सवाल अभी शांत भी नहीं हुए थे कि अब राजस्व निरीक्षक (आरआई) नरेंद्र राजपूत के निलंबन ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस कार्रवाई के विरोध में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने नगर निगम आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपते हुए इसे दोषपूर्ण और अधिकार क्षेत्र से बाहर की कार्यवाही बताया है।

संघ के वरिष्ठ सदस्य अटल उपाध्याय ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रभारी अपर आयुक्त को निलंबन का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। उनका कहना था कि यदि किसी कर्मचारी को निलंबित किया जाता है, तो यह कार्रवाई उसके मूल पद से होनी चाहिए, न कि उस पद से जो उसे केवल प्रभारी रूप में सौंपा गया हो। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभारी अपर आयुक्त को प्रशासनिक नियमों की समुचित जानकारी नहीं है, और यह निर्णय कानूनन त्रुटिपूर्ण है।

संघ से जुड़े अन्य पदाधिकारियों, जैसे देवेंद्र पचौरी और आलोक अग्निहोत्री ने भी इस निर्णय की निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार की दोषपूर्ण प्रशासनिक कार्रवाइयों से केवल नगर निगम के नहीं बल्कि अन्य विभागों के कर्मचारियों में भी गहरा असंतोष पनप रहा है। उनका मानना है कि यदि जल्द इस फैसले को निरस्त नहीं किया गया, तो कर्मचारी वर्ग में विश्वास की कमी और प्रशासन के प्रति अविश्वास की भावना और बढ़ सकती है।

यह मामला केवल एक अधिकारी के निलंबन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली और अधिकारों के दुरुपयोग की संभावनाओं पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। संघ का यह भी तर्क है कि प्रभारी पद पर नियुक्त अधिकारी द्वारा लिया गया यह निर्णय नियमों और प्रक्रिया का उल्लंघन करता है, जो आने वाले समय में एक गंभीर मिसाल बन सकता है।

राज्य कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि निलंबन को निरस्त नहीं किया गया और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो वे व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। कर्मचारियों में बढ़ते असंतोष को देखते हुए यह मुद्दा जल्द ही राजनीतिक रंग भी ले सकता है।

गोलबाजार से ई-रिक्शा चोरी

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत एसबीआई एटीएम के सामने गोलबाजार में खड़ा एक ई रिक्शा अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आगा चौक गेट नंबर 1 लार्डगंज निवासी मेडीकोज दुकान संचालक 32 वर्षीय अनूप सिंह कनौजिया ने अपने मामा ससुर जीवन चौधरी से ई रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेड के 7491 से खरीदा था। ई रिक्शा मामा ससुर जीवन चौधरी के नाम पर रजिस्टर्ड है। गत रात लगभग 8.30 बजे से 10.30 बजे अनूप अपने परिवार को ई रिक्शा में बैठाकर गोलबजार में लगे प्रदर्शनी मेला घुमाने गया था और ई रिक्शा को एसबीआई एटीएम के सामने गोलबजार मे खड़ा कर हेंडल लाक कर प्रदर्शनी घूमने के लिये गोलबजार ग्राउण्ड चला गया था प्रदर्शनी घूमकर परिवार के साथ अपने ई रिक्शे के पास आया तो उसका ई रिक्शा गायब था जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। आसपास तलाश करने पर भी कुछ पता नहीं चला। पुलिसे ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

मंत्री श्री सिंह ने चौपाल लगाकर दी विकास कार्यों की जानकारी

विकास के साथ-साथ समृद्धि भी आती है : मंत्री

हरिभूमि जबलपुर।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने वीरेन्द्रपुरी वार्ड स्थित सिद्ध नगर में चौपाल कर विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र की जनता के ऋणी हैं। माताओं-बहनों ने 20 साल तक बढ़ते वोटों से उन्हें आशीर्वाद देकर इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि वे चुनाव के दौरान कभी शराब व पैसे नहीं बांटे, माताओं बहनों ने भी इसका समर्थन किया।

राजनैतिक रूप से माताओं-बहनों का जो संकल्प है वह सत्यता और पवित्रता पर आधारित है। जहां माताऐं बहने होती है वहां सामाजिक बुराई नहीं पनप सकती है। एक समय था जब माता के नाम से बेटों की पहचान होती थी, आज भी अच्छे कार्य का शुभारंभ कन्या पूजन से शुरू होता है। उन्होंने कहा कि वे बिना बुलाये ही ऐसे चौपालों में आकर लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान विकास को लेकर जो बातें कहीं गई है वे पूरे तो होंगे ही, साथ ही जो नहीं कहे गये हैं, वे विकास कार्य भी होंगे। सिद्ध नगर में 5 करोड़ की लागत से बन रहे सामुदायिक भवन की जानकारी देते हुए उन्होंने एक साल में किये गये बहुत से विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान जबलपुर के विकास के लिए 3200 करोड़ स्वीकृत करायें हैं, जिससे हर व्यक्ति के घर के पास विकास की झलक दिखेगी। मंत्री सिंह ने कहा कि विकास के एक काम समाप्त होते ही दूसरे काम की गूंज शुरू हो जाती है और यह सब माताओं-बहनों के आशीर्वाद के कारण है, जो विकास कार्य के रूप में फलीभूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में रामलला स्थापित किये, यह गौरव की बात है। देश की आधी आबादी ने कुंभ स्नान किया, जिससे पूरे विश्व में सनातन संस्कृति को एक नई पहचान मिली। मंत्री सिंह ने कहा कि पहलगांव की दर्दनाक घटना से पूरा देश एकजुट हो गया और आतंकवादियों को हमारी सेना ने उनके घर में घुसकर चुन-चुनकर मारा। पाकिस्तान की रहम की भीख के कारण युद्ध विराम हुआ। उन्होंने कहा कि युद्ध से कभी भला नहीं होता है, तबाही होती है। लेकिन जब कभी हमारे अस्मिता को चोट पहुंचती है तब यह आवश्यक हो जाता है। आज भी हमारी सेनाएं मोर्चे पर तैनात है, अगर पाकिस्तान फिर से ऐसी कायराना हरकत करता है तो देश की सेना उनका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है।

मंत्री सिंह ने कहा कि हमें विकास के रास्ते पर आगे बढ़ना है, क्योंकि विकास से समृद्धि आती है। नर्मदा तट को सरयु के तट की तर्ज विकसित किया जायेगा। साथ ही रोप वे बनाया जायेगा, जिसमें एक रोप-वे एम्पायर टॉकिज से सदर, छोटी लाईन होते हुए गौरीघाट व गौरीघाट के उस पार तक जायेगा जिसकी लागत 750 करोड़ होगी, दूसरा रोप-वे सिविक सेंटर, अंधेरदेव, दमोहनाका होते हुए अधारताल तक बनेगा। मंत्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओव्हर जिसकी लागत 1100 करोड़ रूपये है अपनी पूर्णता की ओर है। इसके साथ ही उन्होंने कई विकास कार्यों की जानकारी दी, जिसमें कहा कि अब गढ़ा बाजार की सड़क 53 फिट चौड़ी होगी। गोरखपुर बाजार में सभी बिजली के तार अंडरग्राउंड होंगे। उन्होंने कहा कि 380 करोड़ की लागत से शीघ्र ही एक फ्लाईओव्हर छोटी लाईन फाटक से साई मंदिर तक बनेगा, जिसका एक विंग रामपुर तथा दूसरा विंग हवाबाग कॉलेज की ओर होगा। फ्लाईओव्हर के संबंध में उन्होंने कहा कि सगड़ा में भी एक फ्लाईओव्हर बनेगा तथा संजीवनी नगर से विजय नगर के बीच 190 करोड़ की लागत से भी एक फ्लाई ओव्हर बनाया जायेगा। इसके साथ ही कहा कि गौरीघाट में 6 लेन सड़क बनने जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए गौरीघाट में बिलहरी तक भी एक सड़क बनाई जायेगी और यह सब 2 साल के अंदर मूर्त रूप में दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि गौरीघाट शमशान घाट का भी सौंदर्यीकरण का कार्य किया जायेगा। साथ ही नगर निगम की सड़कों को भी व्यवस्थित रूप प्रदान किया जायेगा। मंत्री सिंह ने होटल आकाश गंगा तथा नर्मदा नगर गार्डन में भी चौपाल कर जनता को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने मदन महल के पास स्थित नागपाल गार्डन कार्यालय में आम जन की समस्या को सुना और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। कार्यक्रम के दौरान अभय सिंह ठाकुर, कौशल सूरी, शैलेन्द्र विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

पुरानी रंजिश पर ई-रिक्शा चालक को मारा चाकू

मारपीट की वारदातों में 4 घायल

जबलपुर। गोरखपुर थाना अतंर्गत शिवाजी रामपुर में किराना दुकान सामान ले रहे एक ई रिक्शा चालक से दो बदमाशों ने पुरानी रंजिश पर मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजीनगर रामपुर निवासी 19 वर्षीय ई रिक्शा चालक दीपक रजक गत रात लगभग 11 बजे ई रिक्शा से मांडवा अपने घर शिवाजीनगर जा रहा था जैसे ही घर के पास पहुंचा और किराना दुकान से सामान लेने के लिए रुका, तभी पुरानी रंजिश पर सच्चू ठाकर और शुभम गालीगलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर शुभम ने चाकू से उसके दोनों पैर की जांघ पर हमला करर घायल कर दिया और सच्चू ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 115(2), 351(1), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

जबलपुर। गोरखपुर और हनुमानताल थाना क्षेत्रों में मारपीट की तीन वारदातें सामने आई हैं। मारपीट की इस वारदात में चार लोग घायल हो गए है। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्तेश्वर निवासी 21 वर्षीय हलवाई शरद चक्रवर्ती गत दिवस अपने दोस्त नंदू तिवारी, रोहित बाबा के साथ बनिया चौगड्डा गुप्ता टेंट हाउस के पास कैलाशपुरी तरफ गए थे जहां पर खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। देर रात लगभग 11.45 बजे साहिल यादव और कबीर यादव आये और उससे शराब पीने के एक हजार रूपये की मांग करने लगे, रूपये देने से मना करने पर गाली गलौज कर साहिल यादव ने चाकू से उसकी दोनों जांघों पर हमला कर दिया और कबीर यादव ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

इसी तरह गोरखपुर में सैनिक सोसायटी गढ़ा निवासी 19 वर्षीय अमित प्रधान अपने दोस्त आदित्य साहू के साथ गंगानगर गढ़ा से आदित्य साहू के पुराने मकान को देखने मांडवा आये थे। रात लगभग 12.30 बजे ब्लाक

बी/19 के पास टेंडर रामपुर में मांडवा निवासी आयुष उर्फ लपरा, शेख नायाब उर्फ चिंटू, छोटा विजय, अंश ठाकुर उर्फ पांच गेयर मिले आए और आदित्य साहू से शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगे, पैसे देने से मना करने पर सभी मिलकर आदित्य के साथ गाली गलौज की वहीं आयुष उर्फ लपरा ने आदित्य पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। वहीं अन्य लोगों ने मिलकर आदित्य को पकड़कर मारपीट कर दी। आदित्य के दोस्तों ने बीच बचाव किया तो सभी ने जान से मारने की धमकी दी। घायल आदित्य को उपचार हेतु विक्टोरिया अस्पताल लेकर गये जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 115(2), 118(1), 351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

वहीं हनुमानताल में बाबाटोला निवासी 24 वर्षीय करन चौधरी गत रात लगभग 10 बजे अपने भाई अविनाश के साथ अपने घर के सामने बैठा था, तभी अरबाज, चपटा, छोटू गोल्डन आये और गाली गलौज करते हुये यहां बाथरूम कैसे बना रहे हो, उसने कहा कि अपनी जगह में बना रहे हैं इसी बात पर तीनों बाथरूम बनाने के एवज में शराब पीने के लिये 3 हजार रूपये की मांग करने लगे, रुपए देने से मना करने पर अरवाज एवं चपटा ने दोनों भाईयों के साथ मारपीट कर दी तथा छोटू गोल्डन ने चाकू से करन के हाथ और अविनाश के पेट पर हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 118(1), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

माढ़ोताल थानाक्षेत्र में वारदात

बैंक के जीएम के सूने घर का ताला तोड़कर चोरी

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत प्लाट नं 5354 श्री कृष्णा ईको सिटी श्री राम इंजीनियरिंग कालेज के पास माढ़ोताल में यूनियन बैंक के मुख्य प्रबंधक के सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर गैस सिलेंडर, टीव्ही, डीव्हीआर, सैटअप बॉक्स, तीन मोबाइल और नगदी 44 हजार रुपए चोरी कर ले गए।

माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार विंध्य विहार कालोनी थाना सिविल लाईन जिला

रीवा निवासी 57 वर्षीय अमित कुमार सिन्हा यूनियन बैंक में मुख्य प्रबंधक के पद पर क्षेत्रीय कार्यालय रीवा में पदस्थ है और परिवार सहित रीवा में रहता है। जबलपुर में प्लाट नंबर 5354 श्री कृष्णा ईको सिटी श्री राम इंजीनियरिंग कॉलेज के पास घर है। घर पर कोई नही रहता है उसके घर में कैमरे लगे थे। गत 19 मई को कैमरे मोबाइल पर देखने पर, कैमरे बंद बता रहे थे। गत सुबह 10 बजे अमित ने अपने परिचित के लड़के अनोखेलाल को अपने घर पर भेजा, जिसने बताया कि घर की गैलरी के दरवाजे का ताला टूटा हुआ है अंदर समान बिखरा पड़ा है। सूचना पाकर वह जबलपुर आया तो देखा कि घर में रखा भारत कंपनी का गैस सिलेण्डर, एलजी कंपनी की 32 इंच एलसीडी टीव्ही, सीसीटीव्ही कैमरा का डीव्हीआर, जियो का सैटअप बाक्स, स्पाईस कंपनी के दो छोटे मोबाइल बिना सिम के, एमआई कंपनी का मोबाइल बिना सिम के, तथा घर में रखे नगदी 44 हजार रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331 (4), 305(ए) बी एन एस का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

खबर संक्षेप

श्रीमद्भागवत कथा की शोभायात्रा 28 को

सिहोरा। राना बस स्टैंड गणपति सदन में आठ दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ होगा जिसमें संत ब्रह्मानंद महाराज प्रवचनों की अमृत वर्षा करेंगे। आयोजक प्रशांत गुप्ता ने बताया भागवत कथा की कलश यात्रा 28 मई को कथा स्थल से प्रारंभ होगी द्रौपती गुप्ता, रश्मि गुप्ता, आशीष गुप्ता, नीतू गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, सौम्या गुप्ता ने सभी श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होने का आवाहन किया है।

बुद्ध जयंती समारोह आज

जबलपुर। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) जबलपुर के मीडिया प्रभारी विजय कुमार फुले ने बताया कि भारतीय बौद्धों की सामाजिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के माध्यम से पूरे भारत देश में धम्म का कारवां निरंतर गतिमान हो रहा है, इसी क्रम में जबलपुर मुख्यालय में एक दिवसीय तथागत सम्यक सम्बुद्ध जयंती का आयोजन लम्हेटाघाट (बौद्ध मठ) गोपालपुर में 25 मई को पूर्वान्ह 11 बजे से किया गया है। समारोह के मुख्य अतिथि संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कार्यालय प्रमुख मुंबई एड. एसके भंडारे होंगे, वहीं प्रमुख अतिथि संस्था के बीएच गायकवाड़, गुरुजी तथा मप्र दक्षिण राज्य के प्रभारी मुंबई डॉ. चरनदास ढेंगरे बालाघाट, गौतम पाटिल भोपाल, राजकपूर कामडे बालाघाट होंगे।

धनगर समाज महासंघ की बैठक आज

जबलपुर। आल इंडिया धनगर समाज महासंघ जबलपुर महानगर की कार्यसमिति की बैठक आज 25 मई को नगर सचिव भूपेन्द्र पाल मोनू के निवास आजाद चौक रामपुर बाजार में अपरान्ह 04 बजे से आयोजित है, सभी स्वजातीय बंधुओं से उपस्थिति की अपील आयोजकों ने की है।

ओबीसी महासभा का सम्मान समारोह आज

सिहोरा। ओबीसी महासभा का आज रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन मझौली बायपास रोड स्थित पैलेस में प्रात 11 बजे आयोजित है इस अवसर पर महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी के पदाधिकारी नवगठित कार्यकारिणी को सामाजिक सरोकार का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। कार्यक्रम आयोजक जिला अध्यक्ष छोटे पटेल ने बताया आयोजन में राष्ट्रीय कोर कमेटी के एडवोकेट वैभव सिंह, धर्मेंद्र सिंह इंजीनियर, महेंद्र सिंह लोधी,डॉक्टर पुष्पराज सिंह पटेल, अरविंद दांगी, लोकेंद्र गुर्जर के साथ प्रदेश अध्यक्ष महासभा डॉ बृजेंद्र सिंह यादव, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल, सुनील कुमार पटेल, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा रानी रैकवार, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव का सम्मान किया जाएगा।

व्हीएफजे में प्रवीण कुमार ने सीजीएम का पदभार संभाला

जबलपुर। प्रवीण कुमार को व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर का मुख्य महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है। प्रवीण कुमार व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में संजीव कुमार भोला की जगह लेंगे। प्रवीण कुमार ने शनिवार को ही निर्माणी में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

शहपुरा के जमखार की युवा महिला

कृषि से दूर हो रहे युवाओं के सामने जैविक खेती कर मिसाल पेश कर रही महिलाएं

हरिभूमि जबलपुर।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद आज का युवा जहाँ बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में चमक-दमक भरी नौकरी पाने बड़े शहरों की ओर भाग रहा है, वहीं जबलपुर जिले के शहपुरा विकासखंड की युवा महिला ने स्नातक और एमबीए करने के बाद कार्पोरेट कल्चर को अपनाने की बजाय गांव से जुड़े रहने को बेहतर समझा और कृषि को अपनाने का निर्णय लिया। शहपुरा विकासखंड के ग्राम जमखार की युवा महिला कृषक बरखा भुर्रक जैविक कृषि को अपनाकर अपने आसपास के गांव के किसानों के लिये भी प्रेरणा का केंद्र बन गई हैं। कुमारी बरखा उच्च शिक्षित हैं। कॉमर्स से स्नातक और एमबीए तथा फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद 32 वर्षीय बरखा कीटनाशक बनाने वाली भारत की बहुराष्ट्रीय कंपनी यूनाइटेड फास्फोरस लिमटेड (यूपीएल) में जॉब भी किया।

बरखा को पढाई के दौरान खेती-किसानी में भी दिलचस्पी रखती थी और इसे अपनाकर परिवार की मददगार बनना चाहती थी। माता-पिता सहित परिवार के सदस्यों को इससे कोई एतराज भी नहीं था। करीब पाँच वर्ष पूर्व पिताजी की लंबी अस्वस्थता ने उसे अपनी पुश्तैनी कृषि भूमि की देखभाल करने का मौका दिया । यूपीएल कम्पनी के उत्पादों की मार्केटिंग का काम देख रहे उसके बड़े भाई का और परिवार के सभी सदस्यों ने उसे इसमें पूरा सहयोग दिया ।

रसायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के इस्तेमाल से कृषि भूमि और मानव स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान से अच्छी तरह वाकिफ बरखा ने खेत के करीब आधे हिस्से में जैविक विधि से खेती करना प्रारम्भ किया। शुरुआत में कुछ कठिनाई आई लेकिन बड़े भाई से निरंतर मिल रही सलाह से उसकी राह आसान होती गई। कृषि विभाग व जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र के संपर्क में आने से बरखा का आत्मविश्वास और बढ़ा तथा नई तकनीक के साथ उसने खेती करना प्रारंभ किया।

बरखा के कार्यों को देखते हुए आत्मा परियोजना जबलपुर द्वारा उन्हें उन्नत कृषकपुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शोभायात्रा में 1500 महिलाएं एवं सैकड़ों की संख्या में शामिल होंगे सनातनी

शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती महाराज 27 को करेंगे श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

जबलपुर। पाटन बायपास स्थित जनकपुरी प्रीमियम टाउनशिप में होने जा रही प्रभु श्री राम दरबार की भव्य प्राण प्रतिष्ठा जिसका महोत्सव 27 मई से लेकर 31 मई तक आयोजित किया गया है। जनकपुरी परिवार के पंकज पांडे ने बताया कि 24 हजार और मंदिर का निर्माण राजस्थान के वंशी पहाड़पुर के पत्थर से किया गया है, जिसे उत्तर प्रदेश के रायबरेली और प्रतापगढ़ के कारीगरों द्वारा बनाया गया है। मंदिर में शानदार कला का प्रदर्शन किया गया है। मंदिर की दीवारों पर प्रभु श्रीराम, सीता, लक्ष्मण जी की मूर्तियों को बहुत ही खूबसूरती से उकेरा गया है। मंदिर में कुल 19 शिखरों का निर्माण किया गया है, जिसमें 3 विशाल शिखर हैं। जिनकी नक्काशी मन को मोह लेती है। पूरे मंदिर को प्रेम मंदिर की तर्ज पर भव्य लाइट से सजाया गया है जिसकी छटा देखती ही बनती है। गर्भ गृह का निर्माण सफेद मकराना पत्थर से किया गया है एवं प्रभु श्री राम दरबार का निर्माण भी मकराना पत्थर से किया गया है जिसे जयपुर के कारीगरों द्वारा सजाया गया है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में 27 मई को द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगदुरु शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती महाराज का आगमन होगा।

इस अवसर पर 27 मई दिन मंगलवार को प्रातः 10 बजे भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा महाराज जी के सानिध्य में निकाली जाएगी। शोभायात्रा प्रीति कुंज (कोरलबुड टाउनशिप) बिनेकी तिराहे से प्रारंभ होकर जनकपुरी प्रीमियम टाउनशिप में सम्पन्न होगी। शोभायात्रा में 1500 महिलाएं एवं सैकड़ों की संख्या में पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग सनातनी वेशभूषा में शामिल होंगे। शोभायात्रा में कई प्रकार की झांकियां सम्मिलित होंगी। 29 मई को सुप्रसिद्ध गायक चरणजीत सिंग सोधी सायं 7 बजे भजन संध्या की प्रस्तुति देंगे। 30 मई को साधु, संतों के सानिध्य में प्रभु श्रीराम दरबार की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी।

कुल शरीफ के साथ उर्स का समापन

जबलपुर। हाईकोर्ट के सामने स्तिथ हज़रत ख्वाजा अमीनुद्दीन चिश्ती कचहरी वाले बाबा साहब के पांच दिवसीय उर्स शरीफ के अंतिम दिन दोपहर 3 बजे आयोजित कुल शरीफ में महफिले सिमा का एहतमाम किया गया। महफिले सिमा की सदारत बाबर खां बंदानवाजी एवं खादिम-ए-आला चंगेज़ खान अशरफी ने फरमाई। महफिले समा में दरबारी कव्वालों ने आगाज़ क़ौल से किया, जिसके बाद मशहूर सूफ़ी हज़रत बेदम वारसी द्वारा रचित नात "आई नसीम-ए-कू-ए-मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम" पेश कर समाईन को दाद देने पर मजबूर कर दिया। अंत में, हज़रत अमीर खुसरो के कलाम "आज रंग है ऐ माँ रंग है री, मेरे महबूब के घर रंग है" पढ़ा गया, जिसे सुनकर सूफ़ी हज़रत भाव-विभोर हो गए। महफिलें सिमा के पश्चात बाबर खां बंदानवाजी ने अकीदतमंदों के लिए खास दुआएं कीं और हिंदुस्तान में अमन-शांति और खुशहाली की दुआएं मांगीं।

दरगाह में चादर चढ़ाकर उर्स शुरु, 28 तक होंगे कार्यक्रम

जबलपुर। कटंगी में 26, 27 और 28 मई को 77वां उर्स अकदस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। हजरत जिंदा शाह वली-ए-कामिल रह. अलैह कटंगी के आस्ताना-ए-आलिया पर होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम और शानदार कव्वाली प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। कमेटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद राशिद मंसूरी ने उर्स की जानकारी देते हुए बताया कि 26 मई, सोमवार को बाद नमाज असर शाम 5 बजे रूमी चौक से संदल जुलूस निकाला जाएगा जो बस्ती का गश्त करते हुए आस्ताना-ए-आलिया पहुंचेगा। यहां परम्परानुसार चादर शरीफ व संदल शरीफ पेश होगा, जिसके उपरांत महफिल-ए-मिलाद शरीफ का आयोजन किया जाएगा। उर्स शरीफ के दूसरे दिन 27 मई, मंगलवार को रात्रि 10 बजे से कव्वाली कार्यक्रम प्रारंभ होगा जिसमें भारत के जाने-माने कव्वाल हाजी मुकर्रम अली वारसी (भोपाल) अपने कलाम पेश करेंगे। 28 मई, बुधवार को रात्रि 10 बजे से फनकार अनीस रईस साबरी (मुंबई, महाराष्ट्र) अपनी मनमोहक आवाज से समां बांधेंगे।

जिला न्यायालय में अधिवक्ताओं व पक्षकारों को पीने के लिए मिलेगा मां नर्मदा का जल

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि जिला अधिवक्ता संघ द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू से आग्रह किया गया था कि जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्ता भवन में अधिवक्ताओं, पक्षकारों के लिए शुद्ध नर्मदा जल की व्यवस्था की जाए जिस पर महापौर द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए नर्मदा जल की मेन पाइप लाइन से अधिवक्ता भवन तक पानी की लाइन बिछाई गई और ऊपर तक पानी पहुंचने हेतु मोटर एवं पाइप लाइन पानी की टंकी की संपूर्ण व्यवस्था की गई जिसका दिनांक 23/5/25 को महापौर के द्वारा पूजन अर्चन कर लोकार्पण करते हुए मीठे मां नर्मदा जल की सुविधा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मनोज तिवारी, महिला उपाध्यक्ष ज्योति राय, सह सचिव मनोज शिवहरे, कोषाध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा, पुस्तकालय सचिव शैलेंद्र यादव, आदि उपस्थित थे।

"भूकंप एक प्राकृतिक आपदा" पर हुआ सेमिनार

जबलपुर। "हो पक्की बुनियाद इमारत भी हो पक्की, यही तो जवाबदारी है आप हम और सबकी।" ऐसे ही विचार व्यक्त किए मुख्य अतिथि आईजीएस जबलपुर चेप्टर के चेयरमेन इंजी. संजीव वर्मा ने, अवसर था आईजीएस जबलपुर स्टूडेंट चेप्टर द्वारा आयोजित एक सेमिनार का, जिसका विषय था "भूकंप एक प्राकृतिक आपदा" सिविल विभाग तक्षशिला इंजी. कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में इंजी. संजीव वर्मा ने कहा कि जिस प्रकार भूकंप आने से मजबूत पेड़ अपने स्थान पर बना रहता है, उसी प्रकार यदि अच्छे निर्माण किए जाएं तो भूकंप में यह भी सुरक्षित रह सकते हैं। कार्यक्रम में विशेष अतिथि प्रैक्टिसिंग इंजीनियर एसोसियेशन जबलपुर के अध्यक्ष इंजी. मनीष दुबे ने बताया कि सिविल इंजीनियर्स को भूकंपरोधी मापदंडों का निर्माण में उपयोग करना चाहिए जिससे निर्माण सुरक्षित बनते हैं। सेमिनार का संयोजन विभाग अध्यक्ष डॉ. संजय वर्मा ने किया। इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आईके खन्ना, सभी विभागाध्यक्ष, सिविल विभाग के प्राध्यापकगण और लगभग 40 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शरद गुप्ता, रतन खर्द, डॉ. बीके साहू, डॉ. अर्पित शुक्ला का मार्गदर्शन रहा।

रोहिता वंशकार भाजपा कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त

जबलपुर। सिद्ध बाबा वार्ड वार्ड क्रमांक 48 बल्दी कोरी की दफाई, गणेश चौक निवासी रोहिता वंशकार भारतीय जनता पार्टी की कर्मठ कार्यकर्ता हैं, उनकी लगन मेहनत कार्यशीलता को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के अध्यक्ष योगेश लोखंडे द्वारा रोहिता वंशकार को कार्यकारणी सदस्य नियुक्त किया गया है। रोहिता वंशकार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मुझे यह पद दिया है मैं पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करती हूं, की उन्होंने मुझे इस योग्य समझा, जनता की सेवा लगन से करूंगी एवं प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की योजनाओं को महिलाओं के घर-घर तक पहुंचाऊंगी। इस अवसर पर तानिया वंशकार, प्रहलाद वंशकार, मनीष वंशकार, हिमांशु वंशकार, गुड़िया वंशकार, जानी वंशकार आदि लोग मौजूद रहे।

आत्मा में अनंत शक्ति है, उसे पहचानने की आवश्यकता है : आचार्यश्री

जबलपुर। दिव्य धर्मसभा में आचार्यश्री समयसागर महाराज ने अपनी ओजस्वी देशना में कहा कि आत्मा में अनंत शक्तियाँ निहित हैं, आवश्यकता है केवल उन्हें जागृत करने और सही दिशा में उपयोग करने की। उन्होंने कहा कि सम्यक ज्ञान प्रत्येक प्राणी के भीतर विद्यमान है, लेकिन वह असावधानी के कारण नष्ट हो सकता है। सम्यक दर्शन की स्थिरता के लिए सतत सावधानी आवश्यक है। व्रतों को अंगीकार करने से पूर्व मन, वचन और काया की पवित्रता अनिवार्य है, क्योंकि व्रत खंडित न हों, इसके लिए जागरूक रहना आवश्यक है। आचार्यश्री ने कहा कि ज्ञान के माध्यम से ही वस्तुओं की यथार्थ पहचान होती है। अहंकार और मद के कारण तपस्या की अग्नि मंद पड़ जाती है। उन्होंने गुरुदेव आचार्यश्री विद्यासागर महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि वे कहा करते थे आचार्य श्री के पैरों की पूजा देख आँखें भर आती हैं।ह उनकी दृष्टि सदैव अपने से श्रेष्ठ साधकों की ओर रहती थी। धर्मसभा के प्रारंभ में आचार्यश्री के पादप्रक्षालन एवं शास्त्रवंदन का सौभाग्य शिवनगर निवासी श्री आलोक जैन को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संरक्षणी सभा, दिगंबर जैन पंचायत सभा एवं नवयुवक समाज ने आचार्यश्री से जबलपुर में चातुर्मास करने का विनम्र आग्रह किया।

46वीं जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता संपन्न

जबलपुर। जिला तैराकी संघ के तत्वावधान में 46वीं जिला स्तरीय तैराकी, वाटर पोलो प्रतियोगिता 2025 के द्वितीय दिवस समापन समारोह की मुख्य अतिथि लवलीन आनंद पार्षद का स्वागत जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष संजय पटेल, जयंत गुप्ता, उमेश पटेल, भगवान सिंह, नीतेश कछवाहा, विशाल सिंह ने किया एवं विशिष्ट अतिथि प्रतिभा भावकर पार्षद, रंजीत सिंह ठाकुर, अमर पटेल, राघवेन्द्र यादव, प्रवीण श्रीवास्तव का स्वागत सुनील कुमार पटेल, नवराज सिंह, शिवम पटेल, अमन लोधी ने किया। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतियोगिता के विजेता तैराकों को मैडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जमना प्रसाद पटेल, पं. रामदत्त शुक्ला, संजय सिंह, विनोद पोद्दार, प्रवीण गुप्ता आदि की उपस्थिति रही।

जिला समिति ने पूछा कि नेताओं के चुनावी वायदे क्या सिहोरा सीट जीतने का हथकंडा था

नगर मंडल अध्यक्ष पटेल के निवास पर प्रदर्शन

सिहोरा। विधायक के बाद शंख,घंटा और थाली बजाते हुए सिहोरा वासी भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल के घर पहुंचे।यहां प्रदर्शन कारियों ने विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा द्वारा सिहोरा जिला के वादे को याद दिलाने वाले नारे लगाए।लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने घोषणा की कि अब 26 मई को भाजपा जिला महामंत्री के घर प्रदर्शन किया जाएगा।

नारे लगा पूंछे सवाल

जिला बोलकर वोट ले लिया,स्मृति ईरानी कौन है, प्रह्लाद पटेल कौन हैं, शिवराज सिंह कौन है,संतोष बरकड़े कौन है जैसे नारे लगाकर नगर मंडल अध्यक्ष को आड़े हाथों लिया।समिति ने कहा कि बड़े नेताओं के चुनावी वादे क्या केवल सिहोरा सीट जीतने का हथकंडा था।यदि नही तो घोषणा के गवाह सारे जनप्रतिनिधियों को सरकार के समक्ष जिला का दावा पेश करना चाहिए।

जल्द करेंगे जिला का दावा

नगर मंडल अध्यक्ष ने प्रदर्शनकारियों को वचन दिया कि विधायक संतोष बरकड़े सहित पूरी भाजपा ने सिहोरा जिला के लिए आगे निर्णायक कदम उठाने का निर्णय ले लिया है अगले तीन चार दिनों में विधायक की अगुवाई में पहल की जावेगी।

दूसरे चरण में जिला एवं प्रांत में प्रदर्शन

समिति ने घोषणा की कि स्थानीय नेताओं के घर प्रदर्शन के प्रथम चरण के बाद द्वितीय चरण में भाजपा संभागीय कार्यालय जबलपुर एवं प्रांतीय कार्यालय भोपाल के समक्ष शंख,घंटा और थाली बजा सिहोरा जिला के अधिकार की मांग की जावेगी। शनिवार को हुए प्रदर्शन में समिति के विकास दुबे, अनिल जैन, मोहन सोंधिया, अनिल खंपरिया, कृष्णकुमार कुररिया, आशीष भार्गव, प्रदीप दुबे, संजय पाठक, संतोष वर्मा, संतोष पांडे, रामजी शुक्ला, कंचन सेठ,रवि दुबे, चेतराम विश्वकर्मा, सानू गौतम, श्रेयांश जैन सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

निधन

श्री भोलेराम गौर- शारदा नगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री भोलेराम गौर (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

डॉ. केपीआर रेड्डी- अर्पित अपार्टमेंट नागरथ चौक के पास निवासी डॉ. केपीआर रेड्डी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती गिरजा बाई यादव- रामपुर यादव मोहल्ला निवासी श्री रामदास यादव की धर्मपत्नी श्रीमती गिरजा बाई यादव (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुन्दी बाई चौधरी- सरकारी कुआं चौधरी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री जीत लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कुन्दी बाई चौधरी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती संतो बाई- ललपुर शिवराज नगर निवासी श्री मुन्ना लाल की धर्मपत्नी श्रीमती संतो बाई (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पिंकी सोनकर- बड़ी ओमती निवासी श्री राम बाबू सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती पिंकी सोनकर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अशोक- शंकरशाह नगर रामपुर निवासी श्री अशोक (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुन बाई गोतेल- प्रेमसागर नगर निगम क्वाटर्स निवासी श्री बाबू लाल गोतेल की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन बाई गोतेल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुंदर बाई- हैलटगंज सदर निवासी श्री भागीरथ की धर्मपत्नी श्रीमती सुंदर बाई (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती इंदू सेन- भानतलैया खेरमाई वार्ड निवासी श्री मुकेश सेन की धर्मपत्नी श्रीमती इंदू सेन (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

गणवेश सिलाई से महिलाओं में दिखा आर्थिक सशक्तिकरण

जबलपुर। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये राज्य शासन द्वारा कई पहल की जा रहीं हैं। इसी तारतम्य में आजीविका स्व-सहायता समूह का गठन कर उनके आजीविका को सशक्त की जा रही है। कुंडम विकासखंड के ग्राम पड़रिया में ग्राम संगठन को आजीविका गतिविधियों के लिए सामुदायिक निवेश निधि से राशि दी गई थी। जिसमें महिलाओं द्वारा सिलाई सेंटर खोला जहां 15 से 20 महिलायें प्रतिदिन सिलाई का काम करती हैं।

मप्र सराफा एसोसिएशन के पुनः प्रदेश अध्यक्ष बने राजा सराफ

जबलपुर। जबलपुर के सराफा व्यापारी राजा शेखर ज्वेलर्स के संचालक राजा सराफ एक बार पुनः मप्र सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए। गत दिवस राजधानी भोपाल के होटल 'द विंसेंट इन' में कोर कमेटी की बैठक में उन्हें सर्वसम्मिति से अध्यक्ष चुना गया। वहीं प्रदेश संरक्षक पद पर झमक भरगट रतलाम, प्रदेश अध्यक्ष राजा सराफ, जबलपुर, प्रदेश उपाध्यक्ष निर्मल वर्मा घुंघरू, इंदौर, प्रदेश महासचिवदेवीलाल सोनी, आगर, प्रदेश कोषाध्यक्ष संजीव गर्ग (गांधी), भोपाल को चुना गया। इस अवसर पर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के तमाम वरिष्ठजन मौजूद रहे।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक-स.क्रं. 11/19-20/ दिनांक 24-05-2025
भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति पूजा वर्मा पति श्री अनिकेत कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक P No. -172 SRS लैन्डमार्क सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004561584 पर दर्ज भूमि का भूतल 1000 वर्गफुट, प्रथम तल 1000 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री प्रदीप मेंहरचंदानी पिता श्री हीरालाल मेंहरचंदानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11
नगर निगम, जबलपुर

डिफेंस म्यूचुअल फंड ने तीन महीने में दिया 54% तक का रिटर्न

- ऑपरेशन सिंदूर के चलते निवेशकों की बन रहे पहली पसंद
- भारत का डिफेंस सेक्टर अब पहला फोकस बनता जा रहा
- डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी, म्यूचुअल फंड भी कर रहे बेहतरीन प्रदर्शन
- म्यूचुअल फंड ने 1 महीने में 27% तक रिटर्न दिए

बिजनेस डेस्क

'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर दुनियाभर को भारत के डिफेंस सेक्टर की ताकत दिखा दी है। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह से पाकिस्तान में दहशत पैदा की है, उससे ब्रम्होस जैसे देश में बनने वाले हथियारों की ताकत को दिखाया है। इसका नतीजा यह है कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब निवेशकों का पहला फोकस बन गया है। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी है, तो डिफेंस म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन भी बेहतरीन दिख रहा है। इन फंड्स का औसत रिटर्न, ब्रॉडर इक्विटी मार्केट से काफी बेहतर है, वहीं शॉर्ट टर्म में दूसरे अन्य सेक्टोरल फंड के मुकाबले भी ज्यादा है।

म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी

भारतीय डिफेंस सेक्टर पर केंद्रित म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस सेक्टर पर आधारित म्यूचुअल फंड ने जहां 1 महीने में 27 फीसदी, 3 महीने में 54 फीसदी तक रिटर्न दिए हैं, वहीं इनमें 6 महीने का रिटर्न 38 फीसदी तक हो गया है। खास बात है कि इनमें से ज्यादातर म्यूचुअल फंड 1 साल के अंदर लॉन्च किए गए हैं, जिससे यह बात साफ होती है कि इस सेक्टर की ओर म्यूचुअल फंड भी आकर्षित हो रहे हैं, वहीं हाल की घटनाओं के बाद निवेशक की पहली पसंद बन गया है।

3 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 53.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 53.19%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 53.12%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 52.92%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 52.82%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 38.44%

6 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 37.94%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.78%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.46%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.15%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 16.86%

1 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 27.09%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 18%

डिफेंस स्टॉक्स में रैली जारी

डिफेंस सेक्टर में निवेशकों का भरोसा और इंटरेस्ट तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्टॉक्स और इंडेक्स दोनों में मजबूत प्रदर्शन हो रहा है। इस सेक्टर में जारी तेजी ने लिस्टेड डिफेंस कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन को बड़ा बूस्ट दिया है। 18 लिस्टेड कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप अब 11.23 लाख करोड़ रुपये पर है। यह फरवरी के लो लेवल 6.95 लाख करोड़ रुपये से करीब 50 फीसदी ग्रोथ है। मार्च में निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में करीब 25 फीसदी, अप्रैल में 11.50 फीसदी और मई में अब तक करीब 9 फीसदी की मजबूती आई है. मझगांव डॉक, कोचिन शिपयार्ड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पारस डिफेंस, गार्डेन रिच शिपबिल्डर्स, एमटीएआर टेक, डाटा पैटर्न, मिश्रा धातु निगम, जेन टेक और स्पेस टेक्नोलॉजीज जैसे स्टॉक का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के फायदे

- **स्थिर मांग :** डिफेंस सेक्टर में मांग स्थिर रहती है, क्योंकि सरकारें हमेशा अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए निवेश करती रहती हैं।
- **लंबी अवधि का निवेश :** डिफेंस सेक्टर में निवेश लंबी अवधि के लिए उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि इसमें अक्सर बड़े पैमाने पर परियोजनाएं और अनुबंध शामिल होते हैं।
- **सरकारी समर्थन :** डिफेंस सेक्टर में सरकारी समर्थन अक्सर अधिक होता है, जो निवेशकों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान कर सकता है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के नुकसान

- **नियामक जोखिम :** डिफेंस सेक्टर में नियामक जोखिम अधिक हो सकता है, क्योंकि सरकारें अक्सर नीतियों और नियमों में बदलाव करती रहती हैं।
- **जोखिम और अनिश्चितता :** डिफेंस सेक्टर में जोखिम और अनिश्चितता अधिक हो सकती है, खासकर जब नए उत्पादों या प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की बात आती है।
- **प्रतिस्पर्धा :** डिफेंस सेक्टर में प्रतिस्पर्धा अधिक हो सकती है, खासकर जब बड़ी कंपनियां शामिल होती हैं।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के विकल्प

- **डिफेंस स्टॉक्स:** डिफेंस स्टॉक्स में निवेश करना एक विकल्प हो सकता है, खासकर उन कंपनियों में जो डिफेंस सेक्टर में विशेषज्ञता रखती हैं।
- **डिफेंस म्यूचुअल फंड:** डिफेंस म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो डिफेंस सेक्टर में विविध पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।
- **प्राइवेट इक्विटी:** प्राइवेट इक्विटी फंड जो डिफेंस सेक्टर में निवेश करते हैं, एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना प्रदान करते हैं।
- **अंततः**, डिफेंस सेक्टर में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

घूमने फिरने के शौकीन हैं तो शुरू कर लें ट्रैवल एसआईपी

- म्यूचुअल फंड से पूरा कर सकते हैं अपने ड्रीम वेकेशन का पूरा खर्च
- अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम
- हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना जरूरी
- आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन नहीं बनेगा
- ट्रैवल के लिए एसआईपी बेहतरीन तरीका, यात्राओं के लिए जोड़ सकते हैं पैसे और कर सकते हैं घूमने का सपना पूरा, नहीं होगी कोई परेशानी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं या गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो ट्रैवल एसआईपी आपके लिए सबसे बेहतरीन प्लान हो सकता है। इससे आपको अपने घूमने फिरने की चिंता नहीं रहेगी। आसानी से अपना खर्च मैनेज कर सकेंगे। जैसे ही गर्मी की छुट्टियां शुरू होती हैं, लोगों में घूमने फिरने (ट्रैवल करने) का ट्रेंड बढ़ जाता है, चाहे देश के अंदर घूमना फिरना हो या विदेश जाकर छुट्टियां मनाना। घूमने-फिरने का शौक पूरी तरह से लौट आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2024 के पहले छह महीनों में ही 1.5 करोड़ भारतीय विदेश यात्रा पर गए, जो पिछले साल के समान अवधि मुकाबले 14% ज्यादा है और इस दौरान उन्होंने घूमने फिरने पर कुल 2.83 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन अपने सपनों की जगह पर छुट्टियां मनाने जाना सस्ता नहीं होता, सिर्फ पहाड़ों की अकेले ट्रिप का खर्च 1 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि यूरोप में 12 दिनों के लिए कपल टूर की शुरुआत 6 से 7 लाख रुपये (जिसमें हवाई टिकट भी शामिल है) से होती है। तो इसका उपाय क्या है?

समझदारी से करें प्लानिंग

यदि घूमने के लिए जाना है तो समझदारी से प्लानिंग करना, सही बजट बनाना और अपनी वित्तीय स्थिति को अपनी यात्रा की ख्वाहिशों (इच्छा) के साथ जोड़ना यानी सही कदम उठाकर आप बिना किसी आर्थिक तनाव के पूरी दुनिया घूम सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम है हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना, ताकि आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन न बने। आप यह काम कुछ चुनी हुई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके धुमंतू स्टाइल को बिना किसी चिंता के चमका देंगी।

ट्रैवल एसआईपी शुरू करें

ट्रैवल के लिए एसआईपी यह एक ऐसा बेहतरीन तरीका है, जिसमें आप अपनी यात्राओं के लिए पैसे बचा सकते हैं। चाहे आप देश के अंदर किसी छोटी जगह घूमने जा रहे हों या विदेश की लंबी यात्रा पर, एसआईपी आपको हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की सुविधा देता है। ये पैसे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब आपको अपनी यात्रा के लिए पैसों की जरूरत होगी, तो फंड तैयार रहेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप 3 साल बाद अपने पार्टनर के साथ पेरिस घूमने की योजना बना रहे हैं और आपका बजट 5 से 6 लाख रुपये है, तो सालाना 13% रिटर्न मानते हुए, आपको हर महीने लगभग 12,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी या फिर, आप 1.5 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करके अपनी मंथली एसआईपी को घटाकर करीब 7,500 रुपये कर सकते हैं।

शॉर्ट-टर्म लक्ष्य के लिए लिक्विड फंड्स

अगर आपकी यात्रा की योजना अगले एक साल के अंदर की है, तो लिक्विड फंड के बारे में विचार करें। ये फंड आपके सेविंग्स अकाउंट से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं, साथ ही इनमें से पैसा निकालना आसान (हाई लिक्विडिटी) होता है और जोखिम भी कम होता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1 लाख रुपये के बजट की मानसून रिट्रीट प्लान कर रहे हैं, तो लिक्विड फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश करके आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं और आपकी रकम आसानी से उपलब्ध रहेगी। जहां सेविंग्स अकाउंट में आपको सालाना सिर्फ 1.75% तक ब्याज मिल सकता है, वहीं लिक्विड फंड्स में कंपाउंडिंग के जरिए आप इसे बढ़ाकर 6% तक रिटर्न हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ा और समझदारी से निवेश करें और आर्बिट्रेज फंड में लगाएं, तो आप साल भर में 7.5% तक रिटर्न कमा सकते हैं।

लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड

क्या आप 5-10 साल में दुनिया घूमने या किसी शानदार क्रूज पर जाने की योजना बना रहे हैं? लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि इनमें हाई रिटर्न मिलने की संभावना होती है। कंपाउंडिंग की ताकत से ये फंड आपको एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप हर महीने 10,000 रुपये किसी इक्विटी फंड में निवेश करते हैं और 12% सालाना रिटर्न की उम्मीद करते हैं, तो 10 सालों में आपके पास लगभग 20 लाख रुपये जमा हो सकते हैं, जो आपके ड्रीम वेकेशन के लिए काफी होंगे।

सीजनल यात्रियों के लिए खास टिप्स

सर्दियों की यात्राओं के लिए

जनवरी में एक एसआईपी शुरू करें जो अगले साल दिसंबर तक चले। 12 महीने की एसआईपी बैलेंस्ड या हाइब्रिड फंड में करें। यह आपके छुट्टी के खर्चों को पूरा करने में मदद करेगा। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जैसे हाइब्रिड फंड आमतौर पर आर्बिट्रेज फंड की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

गर्मियों की छुट्टियों के लिए

पीक सीजन के खर्च को अच्छे से मैनेज करने के लिए 18 महीने पहले से निवेश शुरू करें। इसके लिए मल्टी एसेट फंड जैसे हाइब्रिड फंड का उपयोग करें। अगर आप 3-5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता होती है. ऐसे में लार्ज कैप फंड आपकी पहली पसंद होनी चाहिए।

(डिसक्लेमर : यह जानकारी एक्सपर्ट के हवाले से दी है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए अपनी यात्रा के लक्ष्यों से मेल खाने वाली निवेश रणनीतियों के लिए किसी एम्फी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से सलाह लें।)

दस साल में 19 से 22% सालाना रिटर्न के साथ विनर बने ये 5 स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा
- इनमें से 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की
- इस दौरान निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ा
- इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत

बिजनेस डेस्क

बीते 1 दशक यानी 10 साल की बात करें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी क्लीयर विनर साबित हुई है। 10 साल में जिन 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा है, उनमें से 50 फीसदी यानी 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की हैं। इन 5 स्कीम ने लम्प सम निवेश पर 10 साल में 19 से 22 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है। इनमें निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ गया, वह भी सिर्फ 10 साल में। वहीं, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए किए गए निवेश पर 20 से 24 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। 10 साल की अवधि में रिटर्न देने में डॉमिनेट करने वाले इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत है। इन सभी स्कीम को 3 स्टार से 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एक्सिस म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप स्कीम शामिल हैं। हम इस रिपोर्ट में 1 से नंबर 5 रही स्कीम की जानकारी देंगे।

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 30,880 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.78% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.15% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 5,76,687 रुपये (5.77 लाख)
- कुल फायदा : 4,76,687 रुपये (4.77 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.80%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 42,53,472 रुपये

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 23,318 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.68% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,02,859 रुपये (6.03 लाख)
- कुल फायदा : 5,02,859 रुपये (5.03 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,77,632 रुपये

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 31,790 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.90% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,14,033 रुपये (6.14 लाख)
- कुल फायदा : 5,14,033 रुपये (5.14 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.52%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 41,84,206 रुपये

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- एसेट्स : 26,222 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 20.29% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,34,301 रुपये (6.34 लाख)
- कुल फायदा : 5,34,301 रुपये (5.34 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.98%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 54,33,614 रुपये

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- एसेट्स : 58,029 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 22.27% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 7,46,791 रुपये (7.47 लाख)
- कुल फायदा : 6,46,791 रुपये (6.47 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.96%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 51,18,853 रुपये

इक्विटी में घट रहा निवेश तो डेट और हाइब्रिड फंड्स में बढ़ रहा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों मंदड़ियों का ही राज है। इस वजह से म्यूचुअल फंड के निवेशकों ने भी पहले की तरह से खुले हाथ से पैसा लगाना कम कर दिया है। तभी तो बीते महीने यानी अप्रैल 2025 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ है। बीते अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 24,269 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि एक महीने पहले यानी मार्च 2025 यह आंकड़ा 25,082 करोड़ रुपये का था।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च के मुकाबले लगभग 3% की गिरावट आई है। लोग अब इक्विटी फंड से ज्यादा, डेट म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। जबकि इस साल मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। अप्रैल में इसमें यह एक बड़ा बदलाव आया है।

ईएलएसएस का जलवा खत्म!

आप जानते ही होंगे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कई तरह की कैटेगरी होती हैं। इनमें से 11 कैटेगरी में से ईएलएसएस फंड्स को छोड़कर बाकी सभी में अप्रैल महीने के दौरान उल्लेखनीय निवेश आया। फ्लेक्सी-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा, 5,541 करोड़ रुपये का निवेश आया। हालांकि, ये मार्च के 5,615 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था। स्मॉल-कैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। इनमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ये हैं तेज बढ़ते फंड्स

बीते अप्रैल महीने के दौरान सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश बहुत तेजी से बढ़ा। अप्रैल में इनमें 2,000 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये सिर्फ 170 करोड़ रुपये आया था। वहीं, ईएलएसएस फंड्स से अप्रैल में 372 करोड़ रुपये निकाले गए। जबकि मार्च में इसमें 735 करोड़ रुपये का निवेश आया था। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी इससे 144 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

डेट फंड का बढ़ा वैल्यू

डेट म्यूचुअल फंड्स की 16 कैटेगरी में से 12 में निवेश आया। लिक्विड फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया। अप्रैल में लिक्विड फंड्स में 1.18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में इससे 1.33 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह एक बड़ा बदलाव है।

कम अवधि के फंड में क्या?

मनी मार्केट फंड्स और अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में भी अच्छा निवेश आया। इनमें अप्रैल में क्रमशः 31,507 करोड़ रुपये और 26,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। डेट फंड्स की चार कैटेगरी ऐसी रहीं जिनसे अप्रैल में पैसा निकाला गया। इनमें गिल्ट फंड्स से सबसे ज्यादा, 425 करोड़ रुपये निकाले गए। इसके बाद क्रेडिट रिस्क फंड्स से 301 करोड़ रुपये निकाले गए। डायनेमिक बॉन्ड फंड्स से सबसे कम, 10.23 करोड़ रुपये निकाले गए। मार्च में इससे 372 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके मुकाबले ये बहुत बेहतर है।

हाइब्रिड फंड्स में भी बढ़ा निवेश

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में अप्रैल में 14,247 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 946 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हाइब्रिड फंड्स की छह कैटेगरी में से डायनेमिक एसेट एलोकेशन, मल्टी-एसेट एलोकेशन और आर्बिट्रेज फंड्स में पॉजिटिव फ्लो देखने को मिला। आर्बिट्रेज फंड्स में सबसे ज्यादा, 11,790 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 2,854 करोड़ रुपये निकाले गए थे। मल्टी-एसेट एलोकेशन और डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स में क्रमशः 2,105 करोड़ रुपये और 881 करोड़ रुपये का निवेश आया।

इन फंड्स से निकाले गए पैसे

इस महीने कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और इक्विटी सेविंग्स फंड्स से क्रमशः 236 करोड़ रुपये, 151 करोड़ रुपये और 141 करोड़ रुपये निकाले गए। दूसरे स्कीम्स, जिनमें इंडेक्स फंड्स और ईटीएफएस शामिल हैं, में भी निवेश 43% बढ़ा। अप्रैल में इस कैटेगरी में 20,229 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये 14,48 करोड़ रुपये था।

डेट फंड्स

डेट फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो मुख्य रूप से डेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जैसे कि बॉन्ड, डिबेंचर, और सरकारी सिक्योरिटीज। डेट फंड्स का उद्देश्य नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना है।

डेट फंड्स के फायदे

- नियमित आयः डेट फंड्स नियमित आय प्रदान कर सकते हैं।
- कम जोखिमः डेट फंड्स आमतौर पर इक्विटी फंड्स की तुलना में कम जोखिम वाले होते हैं।
- पूंजी की सुरक्षाः डेट फंड्स का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा करना है।

हाइब्रिड फंड्स

हाइब्रिड फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करते हैं। हाइब्रिड फंड्स का उद्देश्य इक्विटी के उच्च रिटर्न और डेट की सुरक्षा दोनों को प्रदान करना है।

हाइब्रिड फंड्स के फायदे

- विविधीकरणः हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करके विविधीकरण प्रदान करते हैं।
- जोखिम प्रबंधनः हाइब्रिड फंड्स जोखिम प्रबंधन में मदद कर सकते हैं।
- नियमित आय और पूंजी प्रशंसाः हाइब्रिड फंड्स नियमित आय और पूंजी प्रशंसा दोनों प्रदान कर सकते हैं।
- इन दोनों प्रकार के फंड्स में निवेश करने से पहले, अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

सोवियत संघ के काल से ही रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता आया है। लेकिन हाल ही में हुए भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस द्वारा संघर्षरत दोनों देशों के मध्य तटस्थ रहकर द्विपक्षीय वार्ता अंजाम देने की पेशकश की गई। राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने फरमाया कि दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ अपने ताल्लुक़ात को रूस बराबरी के स्तर पर अपनी तवज्जो प्रदान करता है। जब से भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के निकट हुआ है, तभी से रूस का भारत के प्रति कूटनीतिक खिंचाव बढ़ता गया है। भारत पाक के बीच ताजा झड़प में हमने देख लिया कि कौन हमारे साथ खड़ा है। दूसरी ओर, ईयू-यूके में हुए ताजे समझौते के बाद यूरोप को भारत की याद आ रही है। बदलते विश्व में भारत की बड़ी भूमिका होगी, बशर्ते हम पिछलग्गू ना बनें। हमें आत्मावलोकन करना होगा। बयानबाज़ी और कड़े तेवर नहीं, बल्कि विनम्रता और धैर्य इस नए दौर की राजनयिक मुद्रा होगी। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्व पटल पर निर्मित हो रहे सैन्य गठबंधनों पर एक विश्लेषण...

भारत-पाक सैन्य संघर्ष में कूटनीति का दीदार

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

भारत और पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौर में भारत के प्रति रूस की कूटनीति का एकदम नया चेहरा उजागर हो गया। ऐतिहासिक रूप से दृष्टि डालें तो फिर सोवियत संघ के काल से ही तथा सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात के कालखंड में भी रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता रहा। उस वक्त के सोवियत संघ ने संपूर्ण कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया था। पहलगाम में अंजाम दिए गए जिहादी आक्रमण के बाद भारतीय सेना द्वारा पाक के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई को लेकर रूस की भारत के प्रति व्यक्त की गई प्रतिक्रिया को बहुत सकारात्मक तौर पर नहीं देखा जा सकता है।

सिर्फ चार दिनों के भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान विश्व पटल पर भारत द्वारा कूटनीतिक कलाबाजियों और जटिलताओं का जबरदस्त दीदार किया गया। विश्व पटल पर बनते और बिगड़ते सैन्य गठबंधनों के दौर में परमाणु बमों से लैस दुनिया तृतीय विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है। भारत और पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौर में भारत के प्रति रूस की कूटनीति का एकदम नया चेहरा उजागर हो गया।

ऐतिहासिक रूप से दृष्टि डालें तो फिर सोवियत संघ के काल से ही तथा सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात के कालखंड में भी रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता रहा। वर्तमान भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस द्वारा संघर्षरत दोनों देशों के मध्य तटस्थ रहकर द्विपक्षीय वार्ता अंजाम देने की पेशकश की गई। जब कभी भी भारत और रूस के कूटनीतिक संबंधों की चर्चा होती है तो फिर सोवियत संघ के दौर वाली गर्म जोशी को प्रायः भारतवासी याद किया करते हैं। शीत युद्ध के दौर में कश्मीर विवाद पर अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा सदैव पाकिस्तान का पक्ष लिया गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों में सोवियत संघ ही एकमात्र देश था, जिसने कि सन् 1957, 1962 और 1971 में कश्मीर विवाद में संयुक्त राष्ट्र की दखलंदाजी वाले पश्चिमी देशों के प्रस्ताव को वीटो करके निरस्त कर दिया था। उस वक्त के सोवियत संघ ने संपूर्ण कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया था।

रूस की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक नहीं

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के विरुद्ध पेश किए गए प्रस्तावों को रूस द्वारा कुल मिलाकर छह बार वीटो करके निरस्त किया गया। इनमें रूस द्वारा किए गए अधिकतर वीटो कश्मीर विवाद में संयुक्त राष्ट्र की दखलअंदाजी को लेकर थे। सन् 2019 में जब भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर प्रांत का विशेष दर्जा समाप्त करने का ऐलान किया था, तब भी प्रेसिडेंट पुतिन की रूसी सरकार ने भारत का खुलकर समर्थन किया था। लेकिन पहलगाम में अंजाम दिए गए नृशंस जिहादी आक्रमण के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई को लेकर रूस की भारत के प्रति व्यक्त की गई प्रतिक्रिया को बहुत सकारात्मक तौर पर नहीं देखा जा सकता है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने फरमाया था कि भारत हमारा रणनीतिक पार्टनर है और पाकिस्तान भी हमारा राजनीतिक पार्टनर है। दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ अपने ताल्लुक़ात को रूस बराबरी के स्तर पर अपनी तवज्जो प्रदान करता है। राष्ट्रपति पुतिन का भारत का सरकारी दौरा दिसंबर 2021 में संपन्न हुआ था। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के तत्पश्चात पुतिन भारत नहीं पधारे हैं। दूसरी तरफ राष्ट्रपति पुतिन दो दफा चीन का शासकीय दौरा कर चुके हैं। इस दौरान वह अन्य देशों का भी दौरा करते रहे हैं। यहां तक कि सितंबर 2023 में दिल्ली में आयोजित जी 20 समिट में भी राष्ट्रपति पुतिन ने शिरकत नहीं की। भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौर में जब पाकिस्तान को प्रेसिडेंट शी जिनपिंग का चीन खुलकर समर्थन प्रदान कर रहा था तो भारत की तरफ से यह उम्मीद व्यक्त की जाती रही कि रूस द्वारा भारत का खुलकर समर्थन किया जाना चाहिए। भारत और रूस के ताल्लुक़ात यकीनन अब पहले जैसे कदाचित नहीं रहे हैं। जब से भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के निकट हुआ है, तभी से रूस का भारत के प्रति कूटनीतिक खिंचाव बढ़ता गया है।

रूस से सैन्य हथियारों का आयात कम

सन् 2009 से लेकर सन् 2013 के मध्य रूस से भारत को हथियारों का आयात तकरीबन 76 फीसदी था, लेकिन 2019 से 2023 के मध्य रूस से सैन्य हथियारों के आयात में 36 फीसदी की गिरावट आई है। सैन्य हथियारों के लिए भारत की निर्भरता अमेरिका एवं पश्चिमी देशों पर बढ़ गई है। भारत द्वारा रूस से अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात करने में काफी वृद्धि नजर आई। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत द्वारा रूस के प्रति एक तरफा समर्थन व्यक्त नहीं किया गया, बल्कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने कूटनीतिक मध्यस्थता का प्रस्ताव पेश किया। ठीक ऐसा ही रवैया रूस द्वारा भारत-पाक सैन्य संघर्ष में भारत के प्रति अपनाया गया है जबकि रूस ने भी कश्मीर विवाद पर भारत-पाक के मध्य मध्यस्थता करने का प्रस्ताव पेश किया है। शीत युद्ध के नए दौर में रूस बहुत संभल कर कदम उठा रहा है। रूस वस्तुतः चीन का अत्यंत निकट राजनीतिक और रणनीतिक पार्टनर बन गया है। चीन के विरुद्ध किसी सैन्य संघर्ष में सन्नद होकर रूस वस्तुतः भारत के साथ कदाचित खड़ा नहीं होगा। पाकिस्तान के विरुद्ध सन् 1971 की बांग्लादेश जंग में रूस भारत के पक्ष में खुलकर सैन्य तौर पर खड़ा हुआ था। लेकिन अब तो दुनिया बहुत बदल चुकी है। पाकिस्तान के ताल्लुक़ात अमेरिका और पश्चिमी जगत से पहले की तरह कायम नहीं रह गए हैं। यही कारण है कि रूस की नजदीकियां पाकिस्तान के साथ निरंतर बढ़ रही है।

भारत और अमेरिका में नजदीकियां बढ़ीं

अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत से प्रतिबंध हटा लेने के बाद रूस अब पाकिस्तान की मदद से अफगानिस्तान में अपने पैर जमाना चाहता है। 9/11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर जिहादी आक्रमण के पश्चात भारत और अमेरिका के मध्य नजदीकियां बढ़ीं। अंतरराष्ट्रीय जिहादी आतंकवाद पर भारत और अमेरिका प्रायः एकजुट रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त 2021 में जब अमेरिकन सेना अफगानिस्तान से पलायन कर रही थी, तब काबुल एयरपोर्ट पर एक आत्मघाती हमला अंजाम दिया गया। इस आत्मघाती हमले में तेरह अमेरिकी सैनिक मारे गए और सौ अफगान नागरिक हलाक किए गए। अमेरिका सरकार के मुताबिक इस आतंकवादी आक्रमण के मास्टरमाइंड मोहम्मद शरीफुल्ला को पाकिस्तान की सक्रिय मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। जिहादी आतंकवादी मोहम्मद शरीफुल्लाह की गिरफ्तारी पर प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से पाकिस्तान हुकूमत का शुक्रिया अदा किया, उससे यह पैगाम दिया गया कि पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विश्वव्यापी युद्ध में अमेरिका के साथ शामिल हो गया है और इसको पराजित करने में अमेरिका की इमदाद भी कर रहा है।

जिहादी आतंकवाद पर अमेरिका की दोहरी नीति

विगत दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था, तब दोनों मुल्कों की तरफ से संयुक्त बयान जारी किया गया। बयान के तहत बाकायदा पाकिस्तान का नाम लेकर कहा गया कि पाकिस्तान को मुंबई के 26/11 के आतंकवादी आक्रमण की साजिश रचने वालों को तत्काल न्यायिक कटघरे में लाया जाना चाहिए। भारत और अमेरिका ने अपने साझा बयान में यह भी कहा कि दोनों देशों के नेताओं द्वारा वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध में निरंतर जंग जारी रखने की सहमति व्यक्त की गई है। दुनिया के हर कोने से आतंकवाद को खत्म कर देने के लिए भारत और अमेरिका ने प्रतिबद्धता प्रकट की है। दोनों देशों ने जिहादी आतंकवादी गिरोहों क्रमशः अलकायदा, जैश ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा और आईएसआईएस के विरुद्ध पर परस्पर सहयोग बढ़ाने पर अपनी सहमति व्यक्त की थी। वैश्विक जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध अमेरिका सदैव से ही पाखंड पूर्ण दोहरी नीति अपनाता आया है। वैश्विक आतंकवाद को गुड टैरेरिज्म और बैड टैरेरिज्म के मध्य तकसीम करता रहा है। अमेरिका भी वैश्विक आतंकवाद को सिर्फ अपने खुदगर्ज चश्मे से निहारता है। यानी अमेरिका को जो नुकसान पहुंचाए वह तो आतंकवाद है और जो भारत को अथवा किसी अन्य देशों को क्षति पहुंचाए वह आतंकवाद नहीं है। अभी सीरिया को ही देख लें कि बशर-अल-असद को सत्ता से बेदखल करके किस तरह से एक करोड़ डॉलर के इनाम याफ्ता जिहादी आतंकवादी सरगना मोहम्मद अल जुलानी को अमेरिका द्वारा सत्तासीन कराया गया है। पाकिस्तान सदैव से ही अमेरिका का फ्रंटलाइन स्टेट बना रहा है। कुछ लोग उम्मीद बांधे हुए थे कि प्रेसिडेंट ट्रंप प्रशासन पाकिस्तानी फौज पर लगाम कसेगा और इमरान की रिहाई के लिए दबाव डालेगा। लेकिन जिहादी आतंकवादी शरीफुल्लाह की गिरफ्तारी से अमेरिका और पाकिस्तान के मध्य प्रबल सहयोग बनता हुआ प्रतीत हो रहा है। अमेरिका अभी तानाशाह पाकिस्तानी फौज पर अपना पूरा एतमाद रखता है। अमेरिकन सरकार का स्पष्ट नजरिया है कि पाकिस्तान अभी कुछ मोर्चेबंदी पर उसके लिए बड़ा मददगार साबित हो सकता है। वह पाकिस्तान को चीन के सैन्य गुट में शामिल हो जाने से भी रोकना चाहता है। भारत के प्रति कूटनीतिक निकटता होते हुए भी डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य संघर्ष के दौर में अमेरिका और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोला है। पाकिस्तान को उसके एफ-16 प्रोग्राम को बाकायदा चलाए रखने के लिए 3.97 करोड़ डॉलर प्रदान करने का ऐलान कर दिया गया। जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने 90 दिनों तक किसी तरह की विदेशी मदद स्थगित करने का ऐलान किया था। उस वक्त प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा यह उदारता पाकिस्तान के प्रति दिखाई गई और इसी रोज भारत की चार कंपनियों पर अमेरिका ने प्रतिबंध भी आयद कर दिया। अमेरिकन सरकार का कहना है कि भारत की इन चार कंपनियों से ईरान को इमदाद मिल रही थी।

कूटनीतिक कलाबाजियों के मध्य राह बनाए भारत

कूटनीति के अन्य पहलुओं पर नजर डालें तो चीन-पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर का अफगानिस्तान तक विस्तार करने पर सहमति जताई गई है। भारत सदैव से ही पाकिस्तान-चीन इकोनामिक कॉरिडोर की प्रबल मुखालफत करता रहा है, क्योंकि यह आर्थिक गलियारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है और भारत वस्तुतः पाक अधिकृत कश्मीर को अपना अभिन्न अंग करार देता है। चीन इस कूटनीतिक कोशिश में है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य शत्रुता खत्म हो जाए ताकि चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना का विस्तार अफगानिस्तान तक किया जा सके। भारत-पाक सैन्य संघर्ष ने हमें सिखा दिया है कि प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों को ही प्राथमिकता प्रदान करता है। प्रेसिडेंट पुतिन का वर्तमान रूस भी हमारा बहुत भरोसेमंद मित्र नहीं रह गया है। बहुत कोशिशों के बावजूद अमेरिका भी भारत का विश्वसनीय सहयोगी राष्ट्र नहीं रहा है। विस्तारवादी चीन तो खुलकर सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान के साथ सन्नद होकर खड़ा ही रहा। दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों और जटिल कूटनीतिक कलाबाजियों के मध्य से भारत को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की राह निर्मित करनी है।

ट्रंप बदले तो यूरोप को आई भारत की याद

कूटनीति

ओंकारेश्वर पांडेय

वरिष्ठ पत्रकार व रणनीतिकार

बीते हफ्ते जब भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बारूदी गुबार के बाद जीत-हार के दावे और नुकसान के आकलन कर रहे थे और वाशिंगटन में बैठे राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार सीज फायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय ब्रुसेल्स में यूरोप और ब्रिटेन इतिहास के एक नये अध्याय पर हस्ताक्षर कर रहे थे। एक ऐसा इतिहास जो खामोशी से एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय दुनिया की तरफ ले जा रहा था। 19 मई 2025 को ब्रुसेल्स की सर्द हवाओं में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जो रणनीतिक समझौता किया, उसमें सुरक्षा, रक्षा, यूक्रेन समर्थन, प्रवास, जलवायु, शिक्षा और व्यापार तो शामिल था ही, इसमें अमेरिकी छत्रछाया से इतर एक नया यूरोप बनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की झलक भी थी। यह समझौता महीनों की उस गोपनीय बातचीत का नतीजा था, जो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप की दी हुई अपमानजनक उपेक्षा और अवहेलना से शुरू हुई थी। यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी, उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

ट्रम्प के बयान से बदली दिशा

शायद ट्रंप को अंदाज़ा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15 मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को "बेकार का बोझ" ठहराया और यूरोप को "अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान" बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को "आर्थिक हत्या" करार दिया, यह कहते हुए कि "अमेरिकी मजदूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए?" ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017–2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को "पुराना ढाँचा" कहा, जर्मनी को "रूस का गुलाम" बताया, और ईयू को अमेरिका का "लाभ उठाने वाला" करार दिया। अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के।

यूरोप की कलम में जागा विद्रोह

ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के

अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, "ट्रम्प ने साफ कर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं।" जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, "ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है।"15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्सः ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि "स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि ज़रूरत है।" तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948–1952) के ज़रिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया। हालांकि इसका अभ्यास जनवरी 2025 से ही गोपनीय रूप से चल रहा था। यह ब्रेक्सिट की कड़वाहट को भुलाने का प्रयास भर नहीं है, बल्कि एक नया रिश्ता है जिसमें दो पुराने दोस्त नाराज़गी भुलाकर बराबरी के साथ गले मिल रहे हैं। याद रहे कि ब्रिटेन में कीर स्टार्मर की लेबर सरकार ने जुलाई 2024 में सत्ता संभालते ही यूरोप की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। 15 अक्टूबर 2024 को, लंदन और बर्लिन ने ट्रिनिटी हाउस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो एक ऐतिहासिक रक्षा सहयोग था। 1 नवंबर 2024 को, पोलैंड के साथ "विशेष साझेदारी" की योजना शुरू हुई। ट्रम्प के टेढ़े तेवरों से तिलमिलाये यूरोप ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा दिये हैं।

ईयू-यूके में समझौता

ईयू-यूके समझौता एक बड़े बदलाव का प्रतीक है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व, जो अमेरिका के इर्द-गिर्द घूमता था, अब बदल रहा है। यह समझौता कोई रीसेट नहीं, बल्कि एक हिसाब है। ट्रम्प के फैसलों ने यूरोप को करारा झटका और सदियों का सबक दिया है। इसीलिए उसे इंडिया की याद आ रही है। सवाल है कि क्या भारत तैयार है? जवाब तभी मिलेगा जब भारत संप्रभुता, सौम्यता और रणनीतिक गहराई के साथ कूटनीति करे। भारत को एक गंभीर, एकजुट, मजबूत और दूरदर्शी राष्ट्र की भूमिका निभानी होगी। इससे भी जरूरी है कि हम किसी देश के पिछलग्गू ना बनें। ट्रंप की दोस्ती ने भारत को कहीं का नहीं छोड़ा है। बेहतर हो कि हम गुट निरपेक्ष ही रहें। क्योंकि यह नया युग है। इसमें कोई एक ध्रुव नहीं, बल्कि कई केंद्र हैं। कूटनीति की सफलता विनम्रता से होती है, न जोर-जबरदस्ती और ना ही लप्पी-झप्पी से। भारत पाक के बीच ताजा झड़प में हमने देख लिया कि कौन हमारे साथ खड़ा है। हमें आत्मावलोकन करना होगा। बयानबाज़ी और कड़े तेवर नहीं, बल्कि विनम्रता और धैर्य इस नए दौर की राजनयिक मुद्रा होगी। ये कहना ठीक है कि हमें दोस्त चाहिए, लेकिन ये कहना कि हमें उपदेश देने वाले नहीं चाहिए, राजनय की भाषा नहीं हो सकती। बेहतर डिप्लोमेसी खामोशी और मधुरता से होती है। एक अच्छा कूटनीतिज्ञ वह होता है जो तब भी एक दुश्मन का मित्र बना रहे, जब वह उसे नष्ट करने की योजना बना रहा हो। विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि कूटनीति लोगों को नरक में जाने के लिए इस तरह से कहने की कला है, कि वे रास्ते पूछें।

अंतरिक्ष से युद्ध की आशंका में डरे अंकल सैम

वैश्विक खतरा

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

युद्ध के बढ़ते वैश्विक खतरों और अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग की प्रतिस्पर्धा में दुनिया की महाशक्ति माना जाने वाला देश अमेरिका शायद भयभीत है। उसका यह भय भारत द्वारा पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पर किए गए सटीक ड्रोन और मिसाइल हमलों के परिप्रेक्ष्य में भी हो सकता है क्योंकि इस हमले और रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमास के युद्धों में भी जमीन से कहीं ज्यादा आसमान के जरिए लड़ाई लड़ी जा रही है। हालांकि अमेरिका को चीन के अलावा एशिया में किसी देश से खतरा नहीं है। अमेरिका की यौद्धिक क्षमता किसी भी देश पर भारी पड़ सकती है। ज्यादातर पश्चिमी देश भी उसके मददगार हैं। लेकिन जिस तरह से दुनिया में विश्वयुद्ध के हालात बन रहे हैं और भविष्य में अंतरिक्ष से युद्ध लड़े जाने की संभावनाएं बढ़ रही हैं, उस स्थिति में यदि हमलों की बाढ़ आ जाए तो अमेरिकी रक्षा प्रणाली कमजोर साबित हो सकती है।

कई देश परमाणु शक्ति संपन्न

दरअसल दुनिया के अनेक परमाणु शक्ति संपन्न देशों ने ऐसे हथियार विकसित कर लिए हैं, जिनसे दुनिया के किसी भी दूर देश पर आक्रमण करना आसान हो गया है। यही कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसी अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली निर्मित करने के लिए हरी झंडी दे दी है, जो अंतरिक्ष, भूमि और समुद्र तीनों जगह से युद्ध करने के साथ दूसरे देशों से छोड़े गए हथियारों को निष्क्रिय करने में सक्षम हो। इसमें ऐसी तकनीक होगी जो शत्रु की मिसाइल को छोड़ने के साथ ही पकड़ लेगी और वायु मार्ग में ही नष्ट कर देगी। इसे 'गोल्डन डोम' नाम दिया गया है। ट्रंप ने एक वीडियो संदेश जारी करके दावा किया है कि यह विलक्षण प्रौद्योगिकी कुछ ऐसी विचित्र होगी, जो केवल अमेरिका के पास ही होगी।

अमेरिका ने वर्तमान में देश से बाहर अनेक स्थलों पर थल, जल और वायु सेना के लिए आधार शिविर बनाए हुए हैं। बावजूद कई ऐसे क्षेत्र भी हैं, जो अमेरिकी सेनाओं के लिए अबूझ हैं। दुश्मन देश इन क्षेत्रों की पहचान कर आसानी से राडार की नजर में नहीं आने वाले हथियारों से उसे निशाना बना सकते है। क्योंकि अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह हाईपर सोनिक मिसाइलों और ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके। अंतरिक्ष हमलों से रक्षा के लिए अमेरिका के पास मिसाइल सुरक्षा प्रणाली जरूर है, इनमें पेट्रियट, नाइकी हरक्यूलीज और टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया सुरक्षा प्रणालियां प्रमुख हैं।

ट्रंप का मिसाइल डिफेंस सिस्टम

ये उपकरण कई ईकाइयों में विभाजित हैं। इसलिए अमेरिका इस बिखरी हुई क्षमता को उत्तम नहीं मानता है। इसलिए ट्रंप ने गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम निर्माण करने का ऐलान किया है। यह अंतरिक्ष समेत दुनिया में कहीं से भी दागी गईं सभी प्रकार की मिसाइलों को नष्ट करने में समर्थ होगा। अमेरिका इस प्रणाली को बनाने में सफल हो जाता है तो दुनिया का वह ऐसा एकमात्र देश होगा, जिसके पास इतना मजबूत सुरक्षा कवच

होगा। अमेरिका, उत्तर कोरिया, चीन, रूस और ईरान को खतरनाक प्रतिद्वंद्वी के रूप में महसूस करता है, इसलिए उसने डोम मनाने का निर्णय लिया है। दरअसल इन देशों ने अत्यंत घातक मार करने वाली अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें विकसित कर ली हैं, जिनके दायरे में अमेरिका के प्रमुख सैन्य ठिकाने और महानगर आ गए हैं। भारत के पास ऐसे ही हमलों से बचने के लिए एस-400 सुरक्षा प्रणाली हैं, इसी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को आसमान में ही नाकाम कर दिया था। अमेरिका का गोल्डन डोम इजरायल के आयरन डोम से प्रेरित है। एलन मस्क इसके निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे।

यह डोम बैलेस्टिक और क्रूज मिसाइलों को चार चरणों में रोकने में समर्थ होगा। एक, प्रक्षेपित करने के समय ही पहचान कर नष्ट कर देना। दो, प्रक्षेपण के आरंभिक चरण में ही रोककर नष्ट करना। तीन, हवा में नष्ट कर देना और चार निशाना बनाने के ठीक पहले तबाह कर देना। दुनिया की इस सबसे महंगी अंतरिक्ष सुरक्षा प्रणाली में मिसाइल युक्त उपग्रह और इंटरसेप्टर लेजर नेटवर्क जुड़ा होगा। गोल्डन डोम की लागत दो दशक में 71.46 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है। चीन और रूस ऐसे उपकरणों से जुड़े हुए सेटेलाइट पहले ही तैनात कर चुके हैं। इनमें अमेरिकी उपग्रह नष्ट करने की क्षमता है। अमेरिका ने एक साल पहले ऐसा दावा किया था कि रूस ऐसा परमाणु हथियार बना रहा है, जो अंतरिक्ष में मंडराते हुए विस्फोट कर उसके आसपास के उपग्रहों को नष्ट कर सकता है। हालांकि रूस और चीन ने इस गोल्डन डोम के निर्माण के ऐलान के साथ ही कहा है कि यह उपाय अस्थिरता पैदा करने वाला होगा।

गोल्डन डोम अंतरिक्ष में हथियार रखने का स्थल बनाने के साथ टकराव के नए हालात पैदा कर सकता है। आजकल इजरायल और फिलिस्तीन समर्थक आतंकवादी संगठन हमास के बीच युद्ध चल रहा है। दुनिया ने करीब एक साल पहले देखा था कि आतंकी पैराग्लाइडिंग पर सवार होकर इजरायल की सीमा में घुसे और हजारों मिसाइलों से इजरायल पर हमला बोल दिया था। मिसाइलों के हवाई हमले से बचने के लिए इजरायल ने आयरन डोम अर्थात इस्पाती छत्र विकसित किया हुआ है। लेकिन इस बार यह डोम हमास की मिसाइलों को आसमान में ही ध्वस्त करने में असफल रहा था। दरअसल इसके सॉफ्टवेयर अपडेट किए जाते रहे थे, लेकिन हार्डवेयर अद्यतन नहीं किया गया। नतीजतन आयरन डोम नाम की यह हवाई सुरक्षा प्रणाली अपना लक्ष्य नहीं साध पाई। इसके नाकाम रहने का एक कारण यह भी रहा कि आतंकियों ने एक साथ पांच हजार मिसाइलें दाग दी थीं। जबकि इसकी क्षमता दो हजार मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट करने की है। इसका उद्देश्य हवाई हमलों को हवा में ही रोकना है।

आयरन डोम का करिश्मा

इस डोम को दुनिया का सबसे भरोसेमंद हवाई हथियार माना जाता है। 2021 में 11 दिन तक चले खूनी संघर्ष में इस डोम ने हवा में दुश्मन की मिसाइलों को मार गिराने का करिश्मा दिखाया था। दरअसल, इजरायल ने अपने प्रमुख नगर तेल अवीव के चारों ओर पांच इस्पाती छत्र स्थापित किए हुए हैं। ये दागी गईं मिसाइल का पता करके उसे वायुमंडल में ही ध्वस्त कर देते हैं। ये अमेरिका की आर्थिक और तकनीक मदद से 2011 में निर्मित करके सक्रिय कर दिए गए थे। ये लड़ाकू विमान और ड्रोण से छोड़ी जाने वाले मिसाइलों को भी निशाना बनाने में सक्षम हैं। इसमें तामीर इंटरसेप्ट मिसाइलें लगी हैं, जो गाजा पट्टी से होने वाले हवाई हमले के समय स्वयंमेव सक्रिय होकर प्रतिशोध ले लेती हैं। अतएव लगता है कि युद्ध संबंधी इस क्षमता और सामर्थ्य से घबराकर अमेरिका ने गोल्डन डोम बनाने का फैसला लिया है।

तहसीलदार ने भिंड जिले का मृत्यु प्रमाणपत्र किया जारी, किए गए अटैच, ऑपरेटर की सेवा समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भिंड जिले के तहसीलदार मोहन लाल शर्मा ने एक अजीबोगरीब आदेश जारी कर पूरे महकमे को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने माता, पिता, जिला, गांव सभी के नाम भिंड बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया।

इस आदेश में तहसीदार ने कहा कि नाम भिंड, पिता का नाम भिंड, घर का पता भिंड की मृत्यु 8 नवंबर 2018 को हो गई, इसलिए इसे मृत्यु रजिस्टर में दर्ज किया जाए। हालांकि कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने इसे गंभीरता से लेते तहसीलदार को लैंड रिकार्ड में अटैच कर दिया, जबकि संबंधित ऑपरेटर को सेवा के अलग करने का निर्देश दिया है।

भिंड तहसीलदार के अजीबोगरीब आदेश से महकमे की हुई फजीहत

कलेक्टर ने लिया एक्शन, नोटिस भी जारी

अलग खबर

भिंड के रहने वाले आवेदक ने रजिस्ट्रार को दिया था आवेदन

दरअसल, भिंड के रहने वाले आवेदक गोविंद पुत्र रामहेत निवासी चतुर्वेदी नगर वार्ड 22 ने रजिस्ट्रार को आवेदन दिया था। इस आधार पर तहसीलदार/रजिस्ट्रार ने 5 मई को आदेश जारी किया कि मप्र जन्म व मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 1999 की कंडिका 9-3 के तहत निर्देश देने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र अन्य दस्तावेज एवं नगर निगम का अनापत्ति पत्र पर आधारित है। इससे संतुष्ट हूं कि श्री भिंड, पिता का नाम भिंड, माता का नाम भिंड, मृत्यु स्थान भिंड, घर भिंड पर दिनांक 18 नवंबर 2018 को हुआ है। अतः आदेश द्वारा निर्देशित करता हूं कि भिंड पुत्र भिंड के मृत्यु को मृत्यु रजिस्टर में दर्ज किया जाए। बताते हैं कि आदेश जारी होने के बाद यह पत्र वायरल हो गया। इसकी जानकारी जैसे ही वरिष्ठ अधिकारियों को हुई, इसके बाद इस पर तत्काल कार्रवाई की गई।

यह होना चाहिए था, यह हो गया

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह का गैर जिम्मेदाराना आदेश जारी करने पर तहसीलदार को लैंड रिकॉर्ड में अटैच किया गया है। जबकि गलत नाम भरने वाले ऑपरेटर को सेवा से पृथक करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं है, बल्कि मृत्यु पंजीयन में विलम्ब माफ करने के लिए पंजीयक को लिखा गया पत्र है। यह वस्तुतः अस्पताल को लिखा गया था, जो गलत होने पर पंजीयक को गलती इंगित कर लौटाना चाहिए था। किंतु ऐसा नहीं किया गया। इस मामले में प्रथम दृष्टया तहसीलदार की गलती मानी गई है। कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका तय कर क्रमबद्ध तरीके से योजना बनाकर काम करें: शर्मा

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में 2 हजार बहनें संभालेंगीं सुरक्षा से लेकर प्रचार तक की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र एवं संगठन महामंत्री हितानंद ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 31 मई को देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर जम्बूरी मैदान में होने वाले महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह एवं संगठन महामंत्री हितानंद ने प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक की। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी रचनात्मकता के साथ जुट जाएं। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि देवी अहिल्याबाई ने 300 साल पहले जिस तरह महिला सशक्तीकरण की अलख जगाई थी, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी महिला सशक्तीकरण का संकल्प लेकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई की जयंती का कार्यक्रम बहनों का कार्यक्रम है और हमें इस कार्यक्रम की तैयारियों में पूरे उत्साह के साथ जुटना है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि कार्यक्रम में प्रत्येक बूथ पर बहनों की भागीदारी हो, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका तय करें और क्रमबद्ध तरीके से योजना बनाकर काम करे। हमें कार्यक्रम में आने वाली मेहमान बहनों तथा अतिथियों के स्वागत की तैयारी पूरे उत्साह के साथ करना है। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, पार्टी के प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, महापौर मालती राय, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, जिला प्रभारी महेन्द्र यादव एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति मौजूद रहे।

खास बातें

- प्रदेश नेतृत्व ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक को किया संबोधित
- 31 मई को देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर जम्बूरी मैदान में होगा ऐतिहासिक आयोजन

कार्यक्रम की हर व्यवस्था संभालें महिला कार्यकर्ता: डॉ. सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने 300 साल पहले जिन मुश्किलों के बीच शासन व्यवस्था संभाला और अपनी सक्षमता साबित की। 21 वीं सदी की हमारी बहनें भी उतनी ही सक्षम हैं, यह संदेश हमें इस कार्यक्रम के माध्यम से देना है। महासम्मेलन महिलाओं का है, इसलिए हमें आयोजन की जिम्मेदारी भी बहनों के हाथों में सौंपना है। इसके लिए 2000 बहनों का चयन करें और उनकी एक बैठक आयोजित कर उन्हें प्रशिक्षित करें। हमारा प्रयास हो कि कार्यक्रम में सुरक्षा से लेकर इसके प्रचार तक की व्यवस्थाएं महिलाएं संभालें और उनकी पोशाक भी एक जैसी हो। डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल आ रहे हैं, इसलिए हमें उनके स्वागत की भी उत्साहपूर्वक तैयारियां करना है।

देवी अहिल्याबाई ने किया हर वर्ग का उत्थान : हितानंद

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने इंदौर-महेश्वर से 300 साल पूर्व हर समाज के उत्थान के साथ-साथ स्वावलंबन, सुशासन और महिला सशक्तिकरण को लेकर मिसाल पेश की थी। हमें गर्व है कि देवी अहिल्याबाई होल्कर की कर्मभूमि मध्यप्रदेश रही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात कार्यक्रम' में भोपाल जिला भी प्रदेश के टॉप छह जिलों में शामिल है। इस बात की प्रसन्नता है कि 'मन की बात कार्यक्रम' में सहभागिता करीब सौ प्रतिशत के आस-पास रह रही है। सभी इसके लिए बधाई के पात्र हैं, लेकिन लोगों से हमेशा जुड़ाव रहे, इसके लिए हमें हमेशा निरंतर प्रयास कर नवचारों को अपनाते रहना होगा।

टैक्स लॉ बार एसो. की सदस्यों के लिए आयोजित हुई परिचर्चा

जीएसटी ट्रिब्यूनल की राजधानी में स्थापना से मिलेंगे शहर के कर सलाहकारों को विशेष अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में जीएसटी ट्रिब्यूनल की स्थापना केवल भोपाल में हो रही है, इसमें करदाताओं की ओर से उपस्थित होने वाले भोपाल के कर सलाहकारों के लिए एक विशेष अवसर रहेगा। ट्रिब्यूनल में द्वितीय अपील कैसे फाइल करना है उसके लिए क्या प्रक्रिया रहेगी, इस बारे में युवा कर सलाहकार पलाश खुरपिया ने टैक्स लॉ बार एसोसिएशन द्वारा सदस्यों के लिए आयोजित परिचर्चा में जानकारी दी।

पलाश ने बताया कि जीएसटी कानून में जीएसटी ट्रिब्यूनल को अपील प्रस्तुत करने में हुई देरी को क्षमा करने की शक्ति नहीं दी गई है, जबकि आयकर विधान में ट्रिब्यूनल को देरी को क्षमा करने की शक्तियां है। उन्होंने कहा कि यहां अपील प्रस्तुत करने के लिए न्यूनतम शुल्क 5000 रुपए है एवं अधिकतम शुल्क 20000 रुपए है, जो अधिक है इसे कम किया जाना चाहिए।

रजिस्ट्रार मुख्य धुरी के रूप में काम करेगा

पलाश ने बताया कि जीएसटी ट्रिब्यूनल की मुख्य बैंच दिल्ली में है एवं अन्य राज्यों में केंद्र सरकार द्वारा जरूरत के हिसाब से बैंचों की संख्या नोटिफाई की जा चुकी है, प्रत्येक बेंच में दो जुडिशियल एवं एक-एक टेक्निकल सदस्य राज्य जीएसटी एवं केंद्रीय जीएसटी से सदस्य होंगे। इसमें रजिस्ट्रार एक मुख्य धुरी के रूप में कार्य करेगा, क्योंकि ट्रिब्यूनल के संचालन में उन्हें बहुत अधिक जिम्मेदारियां दी गई हैं। उन्होंने बताया कि अगर किसी पारित आदेश में एक से अधिक वर्षों के प्रकरण हैं तो प्रत्येक के लिए अलग-अलग अपील प्रस्तुत करनी होगी एवं सबके लिए अलग-अलग फीस जमा करनी होगी, जिस कारण करदाताओं पर अनावश्यक भार आएगा, इसके लिए सरकार को कुछ रास्ता निकालना चाहिए।

शादी समारोह से ठीक पहले उठाया कदम पुलिस कर रही जांच

संदिग्ध परिस्थिति में फंदे पर लटका मिला युवती का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

भिलाई छावनी थाना क्षेत्र के पावर हाउस के आधुनिक लॉज के एक कमरे में युवती ने आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान पूजा साहनी निवासी बलिया के रूप में हुई है।

पूजा की शादी भिलाई में होने वाली थी इसके लिए वह दो दिन पहले ही अपने परिवार के साथ भिलाई आई थी। जानकारी के मुताबिक, पूजा और उसका पूरा परिवार पावर हाउस के आधुनिक लॉज में रुका हुआ था। इसी बीच अचानक डोली उठने के पहले ही पूजा साहनी की अर्थी उठ गई। बताया जा रहा है कि पूजा साहनी ने लॉज के एक रूम में फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली तो वही मृतका पूजा साहनी ने किसी भी प्रकार का कोई सुसाइडल नोट भी नहीं छोड़ा है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजा है। मृतका के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है। पूजा साहनी ने शादी से ठीक पहले आत्महत्या क्यों की, इसका जवाब अभी तक नहीं मिला है। पुलिस मामले में परिजनों से पूछताछ कर जांच कर रही है।

भिलाई में होने वाली थी शादी, दो दिन पहले आई थी परिवार के साथ

कोरोना प्रोटोकॉल के तहत हो रहा उपचार

रायपुर में मिला कोविड-19 का पहला मरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोविड-19 का पहला मामला सामने आया है। रायपुर में कोरोना संक्रमित मरीज मिला है, जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है। जहां उसका

इलाज कोरोना प्रोटोकॉल के तहत किया जा रहा है। मरीज को सिंगल वार्ड में रखा गया है और इलाज की अलग से विशेष व्यवस्था की गई है। जानकारी के सानूर, रायपुर के पचपेड़ी नाका, लक्ष्मीनगर निवासी है।

बीते दिनों वह सर्दी-खांसी के रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल गया था। डॉक्टर्स ने मरीज के लक्षणों के आधार पर कोरोना की आशंका जताई। इस दौरान उस व्यक्ति का सैंपल लिया गया। रिपोर्ट पॉज़िटिव आने के बाद तुरंत उसे आइसोलेट कर इलाज शुरू किया गया। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। केरल से लेकर मुंबई और दिल्ली तक बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिले चुके हैं। इसे लेकर सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों को कहा गया है कि वे बेड और ऑक्सीजन का पर्याप्त इंतजाम कर लें। दिल्ली में अब तक 23 केस मिल चुके हैं।

नाखून गायब, प्राइवेट पार्ट सहित गले व अन्य हिस्सों में गंभीर चोट

जंगल के बीच चट्टानों में मिली घायल युवती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कबीरधाम

जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार शाम के समय बंदौरा के जंगल में चट्टानों के बीच एक लड़की बेहोशी की हालत में पड़ी मिली है। उसी स्थान पर पिकनिक मनाने गए पहुंचे कुछ लोगों ने लड़की को देखा।

देर शाम तक कवर्धा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में लड़की की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस को लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का शक है। लड़की के प्राइवेट पार्ट में चोट के निशान हैं। लड़की कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक की निवासी है। लड़की की गंभीर स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को रायपुर रेफर किए जाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि युवती के साथ बर्बरता की सारी सीमाएं लांघी गई हैं। युवती के पैर का नाखून गायब है। गले व शरीर के दूसरे हिस्सों में भी गंभीर चोट हैं।

पीड़िता का प्रेमी हिरासत में

इस संबंध में कुकदूर थाना प्रभारी टीआई जेएल शांडिल्य ने बताया कि मामले में कुछ संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रहीं है। वर्तमान में लड़की कवर्धा के जिला अस्पताल में भर्ती है। लड़की की स्थिति ठीक नहीं है। वह बोलने की स्थिति में नहीं है। ठीक होने के बाद उसका बयान लिया जाएगा। प्रारंभिक पूछताछ में लड़की ने बताया कि वह अपने प्रेमी के साथ जंगल घूमने गई थी। इसी दौरान उनकी आपस में लड़ाई व हाथापाई हुई। प्रेमी युवक ने लड़की को जंगल में छोड़कर चला गया। लड़की के गले व शरीर के अन्य भाग में संघर्ष, चोट के निशान है। लड़की को मेकाहारा रायपुर रेफर कर दिया गया है। युवती की स्थिति सामान्य होने पर संपूर्ण बयान दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा लड़की के प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान की संभावना

20 जिलों में मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर में सुबह से बारिश हो रही है। रात में मौसम में बदलाव हुआ, जिसके बाद सुबह के समय बादल छाए रहे। आठ बजे से झमाझम हो रही है। प्रदेश के 20 जिलों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यहां गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी-तूफान चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद और दुर्ग में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और हवा 40-50 किमी की रफ्तार से चलने की संभावना है। साथ ही महासमुंद, रायपुर, जांजगीर- चांपा, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और तेज हवा चलने की संभावना है। इस दौरान कई जगहों पर तेज बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक अनेक जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। दूसरी ओर केरल में अगले दो दिनों में मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियों अनुकूल होने की संभावना है।

एमसीयू में एडवर्टर 360 की अभिनव प्रदर्शनी

विज्ञापन, समाज से संवाद का प्रभावी माध्यमः वायंगणकर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा एडवर्टर 360 नामक एक अनूठी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए देश के चुनिंदा ब्रांड्स 360 डिग्री विज्ञापन अभियानों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र माध्यम में महाप्रबंधक एवं प्रभारी प्रशासन रहे हेमंत वायंगणकर को विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने स्मृति चिह्न भेंट कर किया। कार्यक्रम में वायंगणकर ने कहा कि 'विज्ञापन अब केवल उत्पाद बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज से संवाद का एक प्रभावी जरिया बन गया है। यहां छात्रों ने न केवल कल्पना की उड़ान भरी है, बल्कि ब्रांड को एक नई दृष्टि से परिभाषित किया है।' उन्होंने कहा कि वे इसी जोश और उत्साह के साथ रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता को मिलाकर अपने भविष्य को संवारें। एडवर्टर 360 प्रदर्शनी में हर छात्र समूह ने एक ब्रांड चुना और उसके लिए विज्ञापन की पूरी श्रृंखला तैयार की। जिसमें- प्रिंट विज्ञापन, टीवीसी (टेलीविजन कमर्शियल्स), रेडियो जिंगल, सोशल मीडिया पोस्ट्स, पैकेजिंग डिजाइन, आउटडोर प्रचार माध्यम, ब्रोशर एवं पोस्टर डिजाइन शामिल थे। इन सभी माध्यमों के जरिए छात्रों ने दिखाया कि कैसे एक ब्रांड को हर मंच पर एक मजबूत और सुसंगत छवि के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है।

हसदेव नदी पर बने बैराज के पास का मामला

पानी में डूबने से बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर चांपा

जिले के ग्राम कुदरी से होकर गुजरी हसदेव नदी पर बने बैराज के पास नहाने के लिए पानी में उतरा 12 साल के बच्चे की पानी में डूबने से मौत हुई है। मृतक बच्चे की पहचान चिराग साहू निवासी कोटा जिला बिलासपुर के रूप में की गई है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी अनुसार मृतक चिराग साहू अपने परिवार के साथ ग्राम महुदा रिश्तेदार दीदी -जीजा के घर घूमने आए था ।

आज शनिवार की सुबह 7 बजे सभी नहाने के लिए कुदरी बैराज के पास पहुंचे और नहाना रहे थे। इस दौरान परिवार के सभी लोग नहाना कर बाहर निकल कर बैठे थे। तभी चिराग साहू फिर से नहाने के लिए पेंट और टी शर्ट को पहनकर पानी में कूद गया जिससे वह गहरे पानी में चला गया।

परिजनों और आस पास के लोगो ने डूबता देख बचने की कोशिश की मगर कुछ नहीं पता चल पाया। घटना की जानकारी चांपा पुलिस को दी वही राहत दल रेस्क्यू चालू कर कुछ देर बाद बच्चे को पानी से बाहर निकाला गया। तब तक देर हो चुकी थी, पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मंत्री सारंग की मदद से लिवर की बीमारी से ग्रसित मासूम को मिलेगा इलाज

सात साल की बच्ची को एयरलिफ्ट कर गुड़गांव के अस्पताल में किया शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग की मदद से लिवर की गम्भीर बीमारी से ग्रसित भोपाल के नरेला विधानसभा वार्ड क्रमांक 40 निवासी 7 वर्षीय बच्ची को एयरलिफ्ट कर गुड़गांव के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के पीडियाट्रिक लिवर यूनिट में शिफ्ट किया गया।

दरअसल बच्ची का परिवार अपनी समस्या के लेकर मंत्री सारंग के निवास पर 'जनदर्शन' में गया था। जहां सारंग ने तत्काल बच्ची को स्थिति को देखकर भोपाल एम्स में इलाज प्रारंभ करवाया था। जहां जांच के दौरान पता चला कि बच्ची को 'एक्यूट हेपेटाइटिस विथ इंफैंडिंग लिवर फैलियर' है। बच्ची को शुक्रवार को एयरलिफ्ट कर गुड़गांव भेजा गया है। बच्ची के इलाज के लिए परिवार ने मंत्री सारंग का आभार व्यक्त किया है।

परिवार ने मंत्री सारंग से लगाई थी गुहार

अपने निवास पर 'जनदर्शन' में मंत्री सारंग करते हैं लोगों की सहायता

उल्लेखनीय है कि मंत्री सारंग हर दिन अपने निवास पर जनदर्शन करते हैं। यहां भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचते हैं। जिनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाता है।

मुकुल देव दुनिया से अलविदा, पायलट का सपना छोड़कर फिल्मों में की थी एंट्री...

बॉलीवुड से एक दिलदुखाने वाली खबर सामने आई है। अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने वाले एक्टर मुकुल देव ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। एक्टर मुकुल देव ने 54 साल की उम्र में अपनी अंतिम सांस ली है। मुकुल देव कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। मुकुल का जन्म 17 सितंबर 1970 को दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। आइए जानते हैं एक्टर के फिल्मी करियर के बारे में कैसे वो अपनी नौकरी छोड़कर बॉलीवुड में आए थे। भले अपनी पहली फिल्म से फैंस के बीच मुकुल छाए हों लेकिन इसके बाद बॉलीवुड में टिकना उनके लिए काफी मुश्किल रहा था।

फिल्म इंडस्ट्री में पसरा मातम, संजय और शाहिद के रहे जोड़ीदार

मुंबई। पहली फिल्म के बाद उनकी फिल्में जैसे किला, वजूद, और मुझे मेरी बीवी से बचाओ बॉक्स ऑफिस पर नजर आईं लेकिन ये फिल्में ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थीं पर उसके बाद उन्होंने जो कमबैक किया तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। मुकुल ने पायलट की अच्छी नौकरी छोड़कर फिल्मों में एंट्री की थी। जी हां फैंस को शायद ये ना ही पता हो कि मुकुल ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी से पायलट की ट्रेनिंग ली थी। असल में जिन्होंने पायलट बनने का सपना छोड़कर बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाई थी। फिल्मों में एंट्री करते ही वो रातोंरात स्टार बन गए थे।

ऐसे हुई फिल्म व टीवी कॅरियर की शुरुआत

दिल्ली में जन्मे मुकुल ने 1996 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। मुकुल ने 1996 में आई फिल्म दस्तक से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुष्मिता सेन के साथ थी। वैसे फैंस को शायद ये ना पता हो कि दस्तक फिल्म से पहले वह टीवी शो मुमकिन में नजर आए थे। जी हां मुकुल टीवी के फेमस शो कहानी घर घर की में दिखाई दिए थे। इसके अलावा उन्होंने फियर फैक्टर के पहले सीजन के होस्ट करके हर किसी का दिल जीत लिया था।

मुकुल का कमबैक रहा बड़ा जोरदार

वैसे अगर कहें कि मुकुल का कमबैक यमला पगला दीवाना फिल्म से हुआ तो शायद गलत नहीं होगा। जी हां यमला पगला दीवाना, सन ऑफ सरदार, और जय

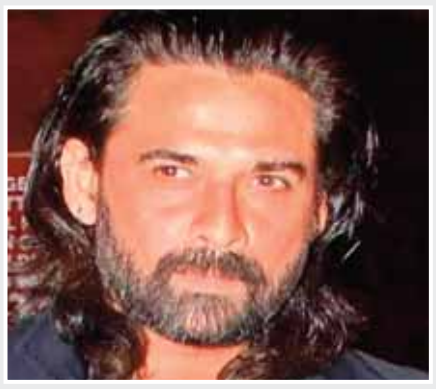

हो जैसी फिल्मों में सहायक किरदारों से नजर आ कर फैंस का दिल मुकुल ने फिर से जीत लिया था। मुकुल देव ने हिंदी के अलावा पंजाबी, बंगाली, और तेलुगु फिल्मों में भी एक्टिंग पेश की थी।

बड़े सितारों के साथ किया काम

मुकुल देव ने अपने फिल्मी सफर में मुकुल देव ने कई बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर की। उन्होंने संजय दत्त के साथ 'सन ऑफ सरदार' और शाहिद कपूर के साथ 'आरराजकुमार' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वे धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल के साथ कॉमेडी फिल्म 'यमला पगला दीवाना' में भी नजर आए। हिंदी के अन्य भाषाओं की भी 50 से ज्यादा फिल्मों और कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुके हैं।

थे एक बहुमुखी कलाकार

मुकुल देव का करियर भले ही लीड हीरो के तौर पर ज्यादा न रहा हो, लेकिन उन्होंने खुद को एक बहुभाषी और वर्सेटाइल एक्टर के तौर पर साबित किया है। वे हर तरह के किरदार में ढल जाते थे फिर चाहे पुलिस अफसर हो, खलनायक या फिर कॉमेडी रोल। अपनी मेहनत और अभिनय के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में खास जगह बनाई। हालांकि, उनका यूं अचानक से चले जाना उनके फैंस और इंडस्ट्री के लोगों के लिए किसी बड़े सदमे से कम नहीं है. भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

टीवी में किया था कमाल

भले आज मुकुल इस दुनिया को अलविदा कह चुके हों लेकिन फैंस उनकी एक्टिंग के हमेशा दीवाने रहेंगे।

मुकुल की कुछ हिट फिल्में

मुकुल देव की कुछ यादगार फिल्मों में 'दस्तक' (1996), 'वजूद' (1998), 'सन ऑफ सरदार' (2012), 'यमला पगला दीवाना' (2011) और 'आर...राजकुमार' (2013) शामिल हैं। इन सभी फिल्मों में उन्होंने भले ही को-एक्टर के तौर पर काम किया, लेकिन उन्होंने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचने में कोई कमी नहीं छोड़ी. खासकर 'यमला पगला दीवाना' में उनका मजाकिया अंदाज और डायलॉग्स बोलने का तरीका बहुत पॉपुलर हुआ था।

हॉलीवुड मसाला

'स्क्विड गेम-3' का आया नया पोस्टर

लॉस एंजिलस। कोरियन थ्रिलर वेब सीरीज स्क्विड गेम' के तीसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में निर्माताओं ने 'स्क्विड गेम 3' का टीजर जारी किया था, वहीं अब इस सीरीज का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें ली जुंग जे और पार्क सुंग हून समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। आइए जानें आप यह वेब सीरीज कब और कहां देख पाएंगे। 'स्क्विड गेम 3' का प्रीमियर 27 जून, से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

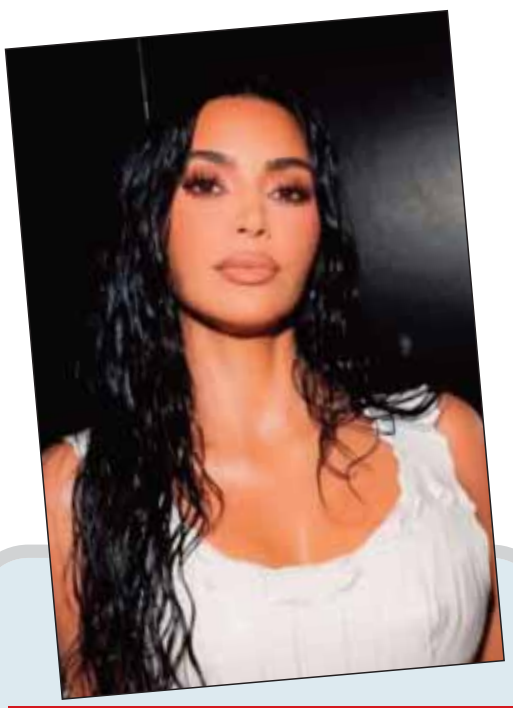

किम ने 6 साल बाद पूरी की कानून की पढ़ाई...

लॉस एंजिलस। अमेरिकी रियलिटी टीवी स्टार और व्यवसायी किम कार्दशियन ने आखिरकार 6 साल की कठिन मेहनत के बाद लॉ स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली है। किम ने यह डिग्री कैलिफोर्निया के 'लॉ ऑफिस स्टडी प्रोग्राम' से हासिल की है। बता दें कि साल 2021 में किम ने 'बेबी बार' परीक्षा पास की थी, जो कानून की पढ़ाई का पहला पड़ाव होता है। इसके बाद उन्होंने मल्टीस्टेट प्रोफेशनल रिस्पॉन्सिबिलिटी परीक्षा को भी सफलतापूर्वक पास कर लिया। किम ने इस उपलब्धि का जश्न अपने परिवार और दोस्तों के साथ एक निजी समारोह में मनाया, जिसमें उनके बच्चों ने अभिनेत्री के पिता को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष पोशाक पहनी थी। किम ने इंस्टाग्राम पर इस समारोह की कई झलकियां साझा की हैं।

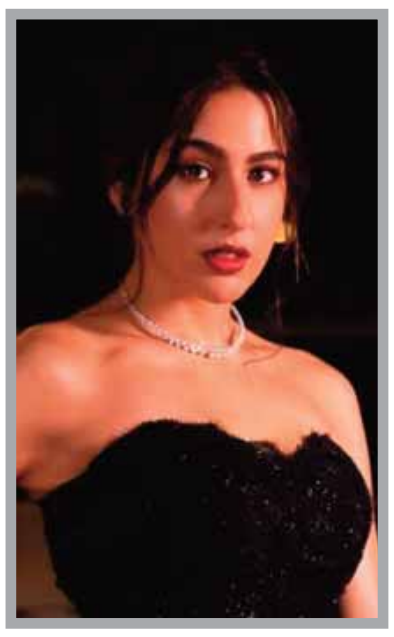

'मेट्रो... इन दिनों' का पहला पोस्टर जारी

मुंबई। अनुराग बसु के निर्देशन में बन रही फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' की काफी समय से चर्चा हो रही है। इसमें पहली बार आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान की जोड़ी नजर आएगी, वहीं अनुपम खेर, नीना गुप्ता और पंकज त्रिपाठी भी फिल्म का हिस्सा हैं। अब 'मेट्रो... इन दिनों' का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसे प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। इसके साथ निर्माताओं ने बताया कि फिल्म के पहले गाने का टीजर 24 मई को सामने आ गया। टी-सीरीज ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'हर सिग्नल एक कहानी बयां करता है। यह एक गाने से शुरू होता है। 'मेट्रो... इन दिनों' को 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, फातिमा सना शेख, शाश्वत चटर्जी, केके मेनन, शालीन भनोट और राहुल बोस जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

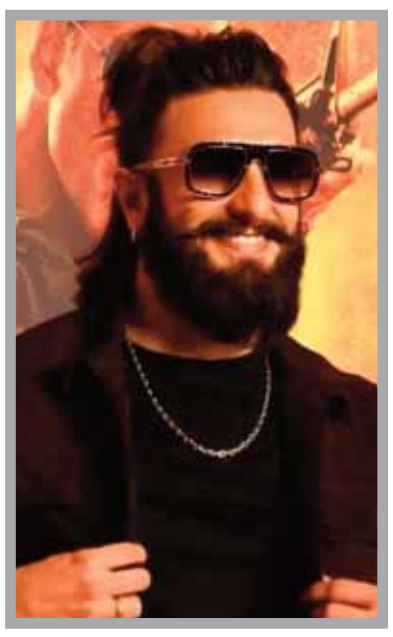

'धुरंधर' से लीक हुआ रणवीर का लुक

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह को पिछली बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते दिखे, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म नहीं चली। अब रणवीर जल्द ही फिल्म 'धुरंधर' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान यामी गौतम के पति और निर्देशक आदित्य धर ने संभाली है। रणवीर इन दिनों मुंबई में फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अब 'धुरंधर' से रणवीर का लुक लीक हो गया है। 'धुरंधर' से सेट से रणवीर का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह काले रंग का कुर्ता पायजामा पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके लंबे बाल और दाढ़ी-मूंछ ने प्रशंसकों का ध्यान खींच लिया। 'धुरंधर' में रणवीर बेहद अलग अवतार में नजर आएंगे।

टीवी मसाला

अब तक किन सितारों ने संभाली है 'कौन बनेगा करोड़पति' की मेजबानी?

मुंबई। लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' ने जाने कितनों की किस्मत बदली है। इस शो ने कई लोगों को फर्श से अर्श तक पहुंचाया है। 'कौन बनेगा करोड़पति' के अब तक 16 सीजन आ चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। अब प्रशंसक इस क्विज शो के नए सीजन का इंतजार रहे हैं। खबर है कि 'कौन बनेगा करोड़पति 17' की मेजबानी सलमान खान करेंगे। आइए जानें 'कौन बनेगा करोड़पति' को आज तक किस-किस ने होस्ट किया है।

अमिताभ बच्चन हैं इस शो की जान : 'कौन बनेगा करोड़पति' का जिक्र हो और अभिनेता अमिताभ बच्चन का नाम ना आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। उन्होंने साल 2000 में शुरू हुए पहले सीजन से लेकर अब तक इस शो के केवल एक सीजन को छोड़कर सभी सीजन होस्ट किए हैं। अमिताभ की गंभीर आवाज, तजुर्बा और शालीनता ने इस शो को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचाया है। साल 2007 में '**KBC**' के तीसरे सीजन को अमिताभ की बजाय शाहरुख खान ने होस्ट किया था।

अमिताभ ने तीसरा सीजन क्यों नहीं किया होस्ट?: साल 2007 में 'कौन बनेगा करोड़पति' के तीसरे सीजन के दौरान अमिताभ की तबीयत थोड़ी खराब थी, जिसके चलते इस सीजन की मेजबानी किंग खान ने की। बिग बी के ना होने की वजह से उस वक्त शो की टीआरपी थोड़ी प्रभावित हुई, जिसके बाद चौथे सीजन में अमिताभ की वापसी हुई। अब खबर है कि 'कौन बनेगा करोड़पति 17' को सलमान होस्ट कर सकते हैं। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

करण ने किया रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' का ऐलान

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने अपने नए रियलिटी शो का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम 'द ट्रेटर्स' है। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा। 'द ट्रेटर्स' की रिलीज तारीख भी सामने आ गई है। इस शो को आप 12 जून से अमेजन प्राइम वीडियो पर देख पाएंगे। इसके साथ 'द ट्रेटर्स' का टीजर भी सामने आ गया है, जिसमें करण का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है। 'द ट्रेटर्स' की मेजबानी करण करने वाले हैं। अमेजन प्राइम वीडियो ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'दोस्ती के लिए आएं। धोखेबाजी के लिए रुकें।' करण की आगामी फिल्मों की बात करें वह जल्द ही फिल्म 'धड़क 2' लेकर आ रहे हैं। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। यह फिल्म साल 2018 में आई 'धड़क' का सीक्वल है। इसके अलावा करण के पास फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' भी है।

'लुका छुपी 2' में वरुण धवन संग लड़ाएंगी इश्क, करेंगी रोमांस

मुंबई। कार्तिक आर्यन और कृति सैनन की फिल्म 'लुका छुपी' दर्शकों को बेहद पसंद आई थी, वहीं दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया था। अब हॉरर यूनिवर्स वाले दिनेश विजान अपनी फिल्म 'लुका छुपी' का सीक्वल बनाने वाले हैं, लेकिन नई फिल्म में न तो कार्तिक होंगे और न ही कृति। कार्तिक की जगह इसमें वरुण धवन ने ले ली है। वरुण के साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ को सीक्वल में लिया गया है। मतलब यह कि कृति की जगह फिल्म में शरवरी ने ली है। वरुण और शरवरी दोनों ही मैडॉक फिल्म्स के हॉरर यूनिवर्स में शामिल रहे हैं। वरुण ने जहां इस यूनिवर्स की फिल्म 'भेड़िया' में काम किया था, वहीं शरवरी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'मुंजया' में नजर आई थीं। खास बात यह है कि उनकी इस फिल्म वरुण का कैमियो भी था। अब यह पहला मौका होगा, जब वरुण और शरवरी फिल्म में रोमांस करते नजर आएंगे। निर्माताओं को उम्मीद है कि कार्तिक-कृति की तरह वरुण-शरवरी की जोड़ी भी पर्दे पर

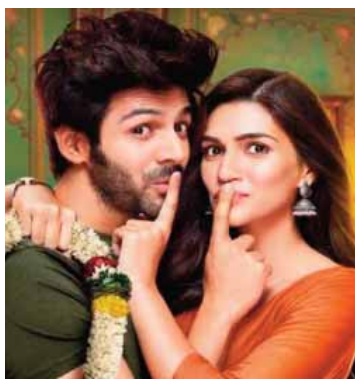

धमाल मचाएगी। लक्ष्मण के निर्देशन में बनी पहली हिंदी फिल्म 'लुका छुपी' ही थी, जो साल 2019 में आई थी। लिव इन रिलेशनशिप पर बनी फिल्म 'लुका छुपी' में कॉमेडी का भरपूर डोज मिला था। ये फिल्म मनोरंजन करने के साथ-साथ कई मुद्दों पर हंसी मजाक में ही गंभीर चोट कर गई थी। फिल्म में अपारशक्ति खुराना के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। 25 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया था।

दोनों ही कलाकार दे चुके हैं रजामंदी

दोनों ही कलाकार फिल्म का हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी दे चुके हैं। स्क्रिप्ट पर काम जारी है। पीपिंगमून के मुताबिक, निर्माता ने अपनी इस कॉमेडी फिल्म के सीक्वल पर काम शुरू कर दिया है और वह इसे फ्रैंचाइजी की शक्ल देने के लिए तैयार हैं। फिल्म में इस बार नए चेहरे देखने को मिलेंगे।

कान्स 2025: रेड कार्पेट पर लाखों का बैग लिए दिखीं उर्वशी रौतेला

मुंबई। 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर भारतीय अभिनेत्री उर्वशी रौतेला लगातार अपना जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। अब उनका नया लुक सामने आ गया है, जिसकी इस वक्त हर ओर चर्चा हो रही है। इस बार रेड कार्पेट पर उर्वशी गोल्डन रंग का गाउन पहन पहुंचीं। इसके साथ वह हीरे का एक बिकनी के आकार का बैग लिए दिखीं, जिसने सबका ध्यान खींच लिया। अभिनेत्री के इस बैग की कीमत 5.31 लाख रुपये बताई जा रही है।

लाखों का बैग रखतीं हैं उर्वशी : मीडिया रिपोर्ट्स

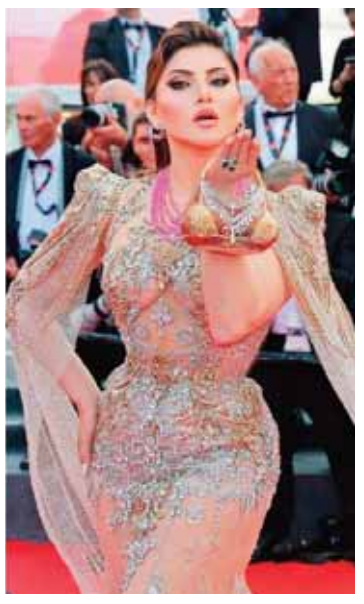

के अनुसार, उर्वशी का यह बैग लग्जरी ब्रांड जूडिथ लीबर का है और इसमें एक सोने की बिकनी टॉप वाला डिजाइन है। लगभग 5.31 लाख रुपये की कीमत वाले इस बैग में हीरे का काम किया हुआ है, जो इसे और आकर्षित बनाता है। इससे पहले उर्वशी एक क्रिस्टल तोता क्लच लिए भी रेड कार्पेट पर पहुंची थीं, जिसकी कीमत 4.60 लाख रुपये बताई गई। बता दें उर्वशी इससे पहले भी कान्स का हिस्सा बन चुकी हैं।

रजनीकांत की 'कुली' 2025 की सबसे बड़ी तमिल फिल्मों में से एक माना जा रहा है

इस साल आ रहीं वार-2, ठग लाइफ और कुली जैसी जबरदस्त फिल्में

***मुंबई।** साल 2025 एक्शन फिल्मों के शौकीन ने के लिए खास होने वाला है, क्योंकि जल्द ही कई ऐसी फिल्में दर्शकों के बीच आने वाली है, जिनमें सितारे ताबड़तोड़ एक्शन करते दिखेंगे। ऋतिक रोशन से लेकर विजय देवरकोंडा तक की फिल्म इस फेहरिस्त में शामिल है। ये वो पैन इंडिया फिल्में हैं, जिन्हें बड़े स्तर पर बनाया गया है और जिनका इंतजार सिनेप्रेमी बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं।*

'वॉर 2': 'वॉर 2' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर लीड रोल में हैं। दोनों ही फिल्म में एक्शन का जबरदस्त तड़का लगाने वाले हैं, जिसकी बानगी फिल्म के टीजर में दिख चुकी है। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में एक्शन की भरमार होगी।कियारा आडवाणी फिल्म में ऋतिक के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी। 'वॉर 2' 2019 की ब्लॉकबस्टर 'वॉर' का सीक्वल है, जो 14 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी।

'कुली' : रजनीकांत फिल्म 'कुली' ला रहे हैं, जिसे 2025 की सबसे बड़ी तमिल फिल्मों में से एक माना जा रहा है। यह कई भाषाओं में रिलीज होगी और रजनीकांत फिल्म में हैरतअंगेज एक्शन करते दिखेंगे। 'कुली' का बजट 400 करोड़ रुपये है। इसमें आमिर खान का कैमियो है।

अक्किनेनी नागार्जुन जैसे सुपरस्टार भी हैं। रजनीकांत को 'कुली' के लिए 260-280 करोड़ रुपये फीस मिली है। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी ये पैन इंडिया फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी।

'ठग लाइफ' : 'ठग लाइफ' एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है और जॉनर के हिसाब से कमल हासन इसमें एक्शन करते नजर आएंगे। उनकी उम्र 70 साल है और वह इसमें अपने एक्शन भरे अंदाज से अपनी उम्र को भी मात देते दिखाई देंगे, जो इसके ट्रेलर में भी दिख चुका है। मणिरत्नम इस फिल्म के लेखक और निर्देशक हैं। अली फजल, तृषा कृष्णन समेत कई बड़े चेहरे इस फिल्म का हिस्सा हैं। 'ठग लाइफ' आगामी 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'किंगडम' और 'अल्फा': सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की पैन इंडिया एक्शन फिल्म 'किंगडम' के टीजर तक को 24 घंटे में करोड़ों व्यूज मिले थे। विजय अपने झन्नाटेदार एक्शन दृश्यों से दर्शकों का होश उड़ाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को रिलीज हो रही है। उधर आलिया भट्ट और शरवरी वाघ, यशराज फिल्म्स के महिला स्पाई यूनिवर्स की पहली फिल्म 'अल्फा' में एक्शन करती दिखेंगी, जिसके लिए उन्होंने 3 महीने की ट्रेनिंग भी ली है। ये फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

बचपन से लेकर बुढ़ापा तक हमारे चेहरे में क्या नहीं बदलता, बिल्कुल रहता है एक जैसा

लंदन। बचपन से बुढ़ापे तक हमारे चेहरे में कुछ खासियतें होती हैं, जो सामान्य रूप से बहुत कम बदलती हैं। यही हमारे चेहरे की मूल पहचान भी बन जाती हैं। ये करीब एक जैसी ही रहती हैं। यूं तो मानव चेहरा और शरीर उम्र के साथ कुछ ना कुछ बदलता रहता है। लेकिन, इस चेहरे में कुछ ऐसी बातें होती हैं जो बचपन में भी वैसी ही होती हैं और बुढ़ापे में भी। आइए जानते हैं कि वो चीजें क्या हैं जो चेहरे पर कभी नहीं बदलतीं।

आंखों की बनावट

आंखों का आकार, उनकी स्थिति और पुतलियों का रंग आमतौर पर जीवनभर स्थिर रहता है। बेशक, उम्र के साथ आंखों के आसपास की त्वचा में झुर्रियां या ढीलापन आ सकता है, लेकिन आंखों की मूल संरचना में बदलाव नहीं होता। आंखों का रंग मुख्य रूप से आनुवंशिक कारकों द्वारा तय होता है। यह माता-पिता से मिले जीन, विशेष रूप से ओसीए2 और एचईआरसी2 जैसे जीन द्वारा नियंत्रित होता है। ये जीन मेलेनिन की मात्रा और प्रकार को नियंत्रित करते हैं, जो आंखों की पुतली में मौजूद होता है। मेलेनिन एक रंगद्रव्य यानि पिगमेंट है जो आंखों के रंग को तय करता है। ज्यादा मेलेनिन होने पर आंखें भूरी या काली दिखती हैं, कम मेलेनिन होने पर नीली या हरी।

चेहरे की हड्डियों पर क्या कहती है रिसर्च

चेहरे की हड्डियां किशोरावस्था (13-18 वर्ष) तक विकसित होती हैं। करीब 18-25 वर्ष की उम्र तक स्थिर हो जाती हैं। इसके बाद हड्डियों की संरचना में कोई बड़ा बदलाव नहीं होता, सिवाय उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों के घनत्व) में कमी के। एक अध्ययन में पाया गया कि चेहरे की हड्डियों की संरचना आनुवंशिक बातों पर निर्भर करती है। ये जीवनभर अपेक्षाकृत स्थिर रहती है, जो चेहरा पहचान के लिए मायने रखती है।

कान की संरचना

कान की हड्डी और उपास्थित की बनावट भी ज्यादातर स्थिर रहती है। हालांकि, उम्र के साथ कान का आकार थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन उनकी मूल आकृति में ज्यादा बदलाव नहीं होता।

चेहरे की हड्डियों की संरचना : चेहरे की हड्डियों (जैसे जबड़े, गाल की हड्डियां और माथे की संरचना) की मूल बनावट जीवनभर लगभग एक जैसी रहती है।

चेहरे को लेकर क्या कहते हैं शोध

एक अध्ययन में पाया गया कि चेहरे की कुछ विशेषताएं जैसे आंखों की स्थिति, नाक और मुंह के बीच की दूरी और चीकबोन्स का आकार आनुवंशिक तौर पर तय हो जाते हैं। फिर ये उम्र बढ़ने के बावजूद स्थिर रहते हैं। उम्र बढ़ने के साथ त्वचा की लोच, चर्बी और मांसपेशियों की टोन में बदलाव होता है, जिससे चेहरा अलग दिख सकता है, लेकिन मूल ज्यामितीय संरचना नहीं बदलती। जर्नल ऑफ फोरेंसिक साइंसेज (2015) में एक अध्ययन में यह दिखाया गया कि फोरेंसिक चेहरा पहचान में इन स्थिर विशेषताओं का उपयोग लंबे समय तक गायब लोगों की पहचान के लिए किया जा सकता है। चेहरा पहचान तकनीक में इन स्थिर विशेषताओं का उपयोग सुरक्षा और निगरानी प्रणालियों में होता है। प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी जर्नल में 2012 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि उम्र बढ़ने के साथ त्वचा में झुर्रियाँ, ढीलापन और चर्बी जरूर घटती है लेकिन चेहरे की हड्डियों की संरचना और आंखों की स्थिति जैसी विशेषताएं बिल्कुल वैसी ही बनी रहती हैं।

आंखों पर क्या हुआ रिसर्च

नेचर जेनेटिक्स में वर्ष 2008 में प्रकाशित शोध के अनुसार, आंखों का रंग ओसीए2 और एचईआरसी2 जीन द्वारा नियंत्रित होता है, जो मेलेनिन की मात्रा को तय करते हैं, लेकिन ये मेलेनिन 3-6 वर्ष की उम्र तक स्थिर हो जाता है। वहीं, एक और रिसर्च कहती है कि आंख की पुतली की (आइरिस पैटर्न) की जटिलता और विशिष्टता इसे बॉयोमैट्रिक पहचान के लिए सबसे विश्वसनीय बनाती है। आइरिस स्कैनिंग का उपयोग हवाई अड्डों, आधार कार्ड, और अन्य सुरक्षा प्रणालियों में होता है, क्योंकि यह जीवनभर स्थिर और अद्वितीय होता है।

इंसानी भेजे का पीता था सूप 14 खोपड़ियां घर में सजाई

नई दिल्ली। कातिलों के बारे में तो आपने खूब सुना होगा, लेकिन क्या आपने किसी ऐसा कातिल के बारे में सुना है जो इंसानों की खोपड़ी का सूप पीता हो? जी हां हम बात कर रहे हैं राजा कलंदर के बारे में, नाम तो सुना ही होगा? अगर नहीं सुना तो अब जान जाइए। राजा कलंदर जिसे लोग नरभक्ष, सीरियल किलर और खोपड़ी जमा करने वाला के नाम से जानते हैं। एक ऐसा दरिंदा जो अपने शिकार का सिर काटता, उसका भेजा निकालकर सूप बनाता और फिर उस सूप को बड़े चाव से बैठकर पीता था। एक समय था जब राजा नैनी स्थित केंद्रीय आयुध भंडार (सीओडी) छिवकी में एक सामान्य कर्मचारी था। लेकिन, उसके भीतर जो राक्षसी प्रवृत्ति छुपी थी, वह आपकी और हमारी कल्पनाओं से परे थी।

जंगल में मिले शव

24 जनवरी 2000, मनोज कुमार और उनके ड्राइवर रवि श्रीवास्तव लखनऊ से रीवा की यात्रा पर निकले। उन्होंने चारबाग स्टेशन के पास छह लोगों को गाड़ी में बिठाया, जिनमें एक महिला भी थी। इसके बाद उनका आखिरी लोकेशन रायबरेली के हरचंदपुर में मिला, जहां उन्हें एक चाय की दुकान पर देखा गया था। फिर दोनों अचानक लापता हो गए। तीन दिनों की बेचैनी के बाद जब कोई खबर नहीं आई, तो मनोज के पिता शिव हर्ष सिंह ने नाका थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भी खूब तलाशी ली लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

शवों का सिर काटकर बनाता था सूप

जांच के दौरान पुलिस ने राजा कलंदर और उसके साले को गिरफ्तार किया। पूछताछ में जो सामने आया, उसने हर किसी को हिला कर रख दिया।राजा कलंदर न केवल इन हत्याओं का दोषी था, बल्कि उसने पत्रकार धीरेंद्र सिंह की भी हत्या की थी। पुलिस को उसके फार्म हाउस से 14 इंसानों की खोपड़ियां बरामद हुईं। वह कहता था कि इन खोपड़ियों में शक्तियां होती हैं। सबसे भयावह खुलासा तब हुआ जब पता चला कि राजा नरभक्षी था। वह मरे हुए इंसानों के सिर काटता, उनके भेजे से सूप बनाकर पीता था।

800 साल पुरानी महिला की ममी का अध्ययन कर रहे थे साइंटिस्ट गाल पर मिले टैटू ने चौंकाया

रोम। ममीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी जीव का शव इस तरह से रखा जाता है, जिससे शव को अन्य जीव और कीटाणु ना खाएं और ना ही शरीर के किसी हिस्से पर किसी तरह का रासायनिक प्रतिक्रिया या बदलाव हो। पुरानी कई सभ्यताओं में शवों को ममी की तरह रखने जाने का रिवाज होता था।आज के वैज्ञानिक इन ममियों का अध्ययन करके उस दौर के इतिहास के बारे में जानने की कोशिश करते हैं। ऐसे ही एक अध्ययन में शोधकर्ताओं को एक पुरानी ममी में ऐसा टैटू देखा है, जिसके स्याही आज भी साफ साफ दिख रही है। वैज्ञानिक हैरान है कि आखिर यह किस तरह कि स्याही थी जो आज तक बनी रह गई?

गहराई तक असर था स्याही

कितनी पुरानी है ये ममी?

यह ममी दक्षिण अमेरिकी महिला की है, जिसकी ममी 800 साल पहले बनाई गई थी। एक करीब एक सदी पहले ही इटली के एक म्यूजियम को दान में दिया गया था। वैसे तो टैटू में स्याही का इस्तेमाल करीब एक हजार साल पहले से होता आ रहा है। लेकिन, इस ममी में टैटू वैज्ञानिकों के लिए कई लिहाज से रहस्यमयी है।

जापानी बाबा वेंगा की डरावनी भविष्यवाणी, दो महीने के भीतर आएगी भयानक सुनामी

टोक्यो। बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस समेत कई भविष्यवक्ताओं ने साल 2025 को लेकर बेहद डरावनी भविष्यवाणियां की हैं। अब इस बीच जापान की मशहूर भविष्यवक्ता रियो तात्सुकी ने एक नई भविष्यवाणी की है, जिसने पूरी दुनिया को डरा दिया है। जापान की भविष्यवक्ता रियो तात्सुकी को लोग जापानी बाबा वेंगा कहते हैं। उन्होंने अपनी किताब में सालों पहले कई ऐसी भविष्यवाणी की थीं, जो सच साबित हुईं।

दक्षिणी सागर में समुद्र उबलने लगेगा

रियो तात्सुकी की पुस्तक में किए गए दावों के मुताबिक, जुलाई 2025 में जापान के दक्षिणी सागर में समुद्र उबलने लगेगा, जिसके बाद पानी के नीचे एक ज्वालामुखी फटेगा। इससे भयंकर सुनामी उठेगी। इसके कारण जापान के दक्षिणी द्वीप, ताइवान के तटवर्ती क्षेत्र और इंडोनेशिया के कुछ इलाके प्रभावित होंगे। तात्सुकी ने दावा किया है कि यह 2011 की फुकुशिमा सुनामी से भी ज्यादा घातक हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगर तैयारी नहीं की गई, तो हजारों लोगों की मौत हो सकती है।

कौन हैं रियो तात्सुकी?

रियो तात्सुकी 1980 के दशक में एक मांगा आर्टिस्ट थीं। इस दौरान उन्होंने सपनों में भविष्य देखना शुरू कर दिया। वह जो कुछ सपनों में देखतीं उसे डायरी में नोट करती रहतीं। जब उनकी भविष्यवाणियां सच साबित हुईं, तो उन्हें जापान की सबसे रहस्यमयी भविष्यवक्ता माना जाने लगा।

गंभीरता से लेना चाहिए चेतावनी को

भविष्यवक्ता रियो तात्सुकी की किताब 'जो भविष्य मैंने देखा' 1999 में प्रकाशित हुई थी। शुरुआत में इस किताब को सिर्फ एक कल्पना माना गया था, लेकिन 2011 में जापान में जब सुनामी आई और किताब में दर्ज भविष्यवाणी से उसकी तारीख मिलने पर इसे प्रत्याशित चेतावनी के तौर देखा जाना लगा। इस किताब में आपदाओं की तारीख और स्वरूप का वर्णन किया गया है। कई प्राकृतिक और मानव-निर्मित घटनाओं का भी जिक्र है। चेतावनियों को कला के माध्यम से पेश किया गया है। जुलाई 2025 की इस सुनामी चेतावनी ने पर्यटकों की चिंता बढ़ा दी है। कई लोगों का कहना है कि रियो तात्सुकी की भविष्यवाणियां पहले भी सच साबित हुई हैं। इसलिए इस बार भी उनकी चेतावनी गंभीरता से लेना चाहिए।

गीतम डीम्ड यूनिवर्सिटी : गीतम बिजनेस स्कूल ने अभिनव प्रबंधन कार्यक्रम शुरू किए

विशाखापत्तनम। गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिजनेस (GSB) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए प्रबंधन में कई अत्याधुनिक स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की शुरुआत की घोषणा की है, जिन्हें कॉर्पोरेट मांगों को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह घोषणा GSB के डीन प्रो. राजा पी. पप्पू ने की। उन्होंने बताया कि जीएसबी एसीसीए योग्यता के साथ बी.कॉम की पेशकश कर रहा है जो कि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट (एसीसीए) प्रमाणन है, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज अकादमी (एनएसईए) के सहयोग से बीबीए (वित्तीय बाजार) और ब्लूमबर्ग और एनएसई लैब्स के साथ बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) की पेशकश की जा रही है।

उन्होंने आगे घोषणा की कि जीएसबी आंध्र प्रदेश मेडटेक ज़ोन (एएमटीजेड) और एकेडमी ऑफ़ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (एएचए) के सहयोग से हेल्थकेयर और हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एक नया एमबीए प्रोग्राम एमबीए भी शुरू कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसबी ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ नॉर्थ कैरोलिना विलमिंगटन (यूएनसीडब्ल्यू), यूएसए और यूनिवर्सिटी ऑफ़ सरे, यूके के सहयोग से इंटरनेशनल कंसल्टिंग इमर्शन प्रोग्राम (आईसीआईपी) भी पेश किया है।

गीतम प्रवेश निदेशक एम.जगदीश ने बताया कि स्नातक कार्यक्रमों के लिए प्रवेश GAT-2025 (गीतम प्रवेश परीक्षा) में प्रदर्शन के आधार पर होगा, जो 25 मई, 2025 को भारत के 44 शहरों में आयोजित किया जाएगा। एमबीए प्रोग्राम के लिए आवेदक के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। CAT, XAT, GMAT, MAT, NMAT, CMAT जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन प्रवेश परीक्षाओं में वैध स्कोर वाले उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं।

युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन ने कहा

टेस्ट टीम में चुना जाना 'अविश्वसनीय'

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किए गए युवा बल्लेबाज बी साई सुदर्शन ने शनिवार को इस मौके को 'अविश्वसनीय' करार देते हुए कहा कि यह तो महज शुरूआत है और उनकी 'कहानी में अभी बहुत कुछ बाकी' है। सुदर्शन को घरेलू क्रिकेट, मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन और उनकी तकनीक निपुर्णता के आधार पर भारतीय टीम में जगह दी गई। उनकी तकनीकी समझ इंग्लैंड में मददगार साबित हो सकती है। टीम में चयन की खबर मिलने पर सुदर्शन ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के लिए देश के लिए खेलना ही बहुत बड़े सम्मान की बात है। यह बहुत शानदार, विशेष और अविश्वसनीय अहसास है। कोई भी खिलाड़ी जो क्रिकेट खेलना शुरू करता है, वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता है जो उसका अंतिम लक्ष्य होता है।'

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
42 वर्षीय 5'-10" अविवाहित मांगलिक व्यवसायरत कलार वर हेतु सामान्य परिवार की सजातीय वधु चाहिए
-सम्पर्क करें-
9301260984

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष स्वयं का व्यापार वर हेतु सुन्दर, सुशिक्षित वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं। सन्तान सहित भी स्वीकार।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-सम्पर्क करें-
6268373521

वधु-1978, 5'-6'' राजपूत शासकीय सेवारत गौरवर्ण हेतु योग्य वधु चाहिए सम्पर्क करें- 9826936206 (21016)

वधु चाहिए- रंग गोरा स्मार्ट 36 वर्षीय, हाईट 5 फुट 6 इंच व्यावसायिक लड़का (अनाथ एवं विकलांग) के लिए वधु चाहिए तलाकशुदा भी स्वीकार्य है। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें 8435278895 (7330)

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 5877

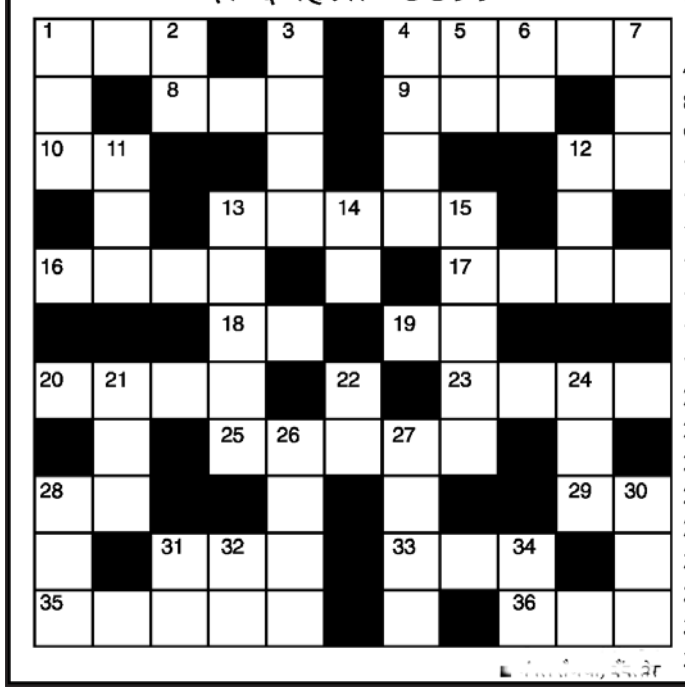

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5876 का हल

ना	म	क	मा	ना	■	स	म	झ	दा	र
म	■	र	ह	म	■	म	द	न	■	म
र	त	■	■	ची	■	झौ	■	■	बा	णी
ख	स	■	ना	न	ख	ता	ई	■	य	य
ना	ला	य	क	■	त्म	■	मा	त	ह	त
■	■	■	क	था	■	का	न	■	■	■
प	न	घ	ट	■	आ	■	दा	न	बी	र
व	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	र	वि
न	म	■	■	म	■	चा	■	■	ता	न
सु	■	आ	स	व	■	ल	ह	र	■	य
त	ल	ब	गा	र	■	न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 5887

कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5886 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी
जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब।* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

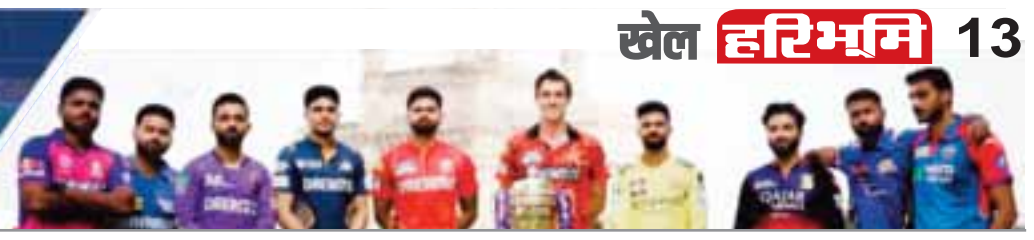

'शुभ आरंभ' : सुदर्शन-अर्शदीप नए चेहरे, नायर-शार्दुल की वापसी, तीन अनुभवी और 15 को मौका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान चुना गया है। वहीं, ऋषभ पंत टेस्ट में नए उपकप्तान हैं। गिल भारत के 37वें टेस्ट कप्तान हैं। इसके अलावा करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं।

इसके अलावा भारतीय-ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को भी मौका दिया गया है। साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम में दो नए चेहरे हैं। जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा और केएल राहुल अनुभवी खिलाड़ी हैं। इस दौरे के लिए बीसीसीआई ने अनुभवी प्लेयर्स के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों पर भी भरोसा जताया है। भारतीय टीम में छह मुख्य बल्लेबाज, दो विकेटकीपर बल्लेबाज, दो स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर, दो पेस बॉलिंग ऑलराउंडर और पांच मुख्य तेज गेंदबाज और एक विशेषज्ञ स्पिनर है।

सुदर्शन-अर्शदीप की एंट्री

टीम में सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की एंट्री हुई है। दोनों खिलाड़ी पहली बार टेस्ट टीम में चुने गए हैं। सुदर्शन और अर्शदीप दोनों इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं।

करुण-शार्दुल की वापसी

मिडिल आर्डर बल्लेबाज करुण नायर और फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की भी टीम में वापसी हुई है। करुण ने अपना आखिरी टेस्ट मैच मार्च 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उसके बाद वो टीम से बाहर थे। जबकि शार्दुल ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में खेला था।

पंत बने उपकप्तान

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जसप्रीत बुमराह टीम के उप-कप्तान थे और उन्होंने उस दौरे पर दो टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी भी की थी, लेकिन उन्हें अब इस रोल से मुक्त कर दिया गया है।

टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

दिनांक	प्रारुप	स्थान
20-24 जून	टेस्ट	हेडिंग्ले, लीड्स
2-6 जुलाई	टेस्ट	एजबेस्टन, बर्मिंघम
10-14 जुलाई	टेस्ट	लॉर्ड्स, लंदन
23-27 जुलाई	टेस्ट	ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
31 जुलाई से 4 अगस्त	टेस्ट	द ओवल, लंदन

अय्यर, सरफराज और शमी ड्रॉप

श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर का पिछले सीजन घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन मिला-जुला रहा था। दलीप ट्रॉफी में श्रेयस अय्यर ने इंडिया-डी की अगुवाई की। साथ ही रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए श्रेयस ने कुछ बेहतरीन पारियां खेली थीं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए मध्य क्रम में खुद को साबित किया और 5 मैचों में 68.57 की औसत से 480 रन बनाए।

सरफराज खान

घरेलू क्रिकेट में गदर काटने के बाद सरफराज खान को इंग्लैंड के खिलाफ साल 2024 में टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिला। भारत में खेली गई इस सीरीज में सरफराज ने तीन टेस्ट मैच की पांच पारियों में 200 रन बनाए। इसमें नाबाद 68 रन की सर्वोच्च पारी भी शामिल रही। सरफराज ने कुल तीन अर्धशतक जमाए थे। हालांकि, वह इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए टीम का हिस्सा हैं।

मोहम्मद शमी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली। शमी ने इंग्लैंड के खिलाफ 2012 से 2022 तक कुछ 15 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 27 पारियों में कुल 44 विकेट चटकाए। शमी ने 2014 से 2023 तक इंग्लैंड की धरती पर कुल 14 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 25 पारियों में उनके नाम कुल 42 विकेट दर्ज हैं। शमी के टीम से बाहर होने की प्रमुख वजह उनकी एड़ी की चोट है, जो इस सीजन आईपीएल में भी देखने को मिली है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	13	9	4	18
पंजाब	12	8	3	17
बेंगलुरु	13	8	4	17
मुंबई	13	8	5	16
दिल्ली	13	6	6	13
लखनऊ	13	6	7	12
कोलकाता	13	5	6	12
हैदराबाद	13	5	7	11
राजस्थान	14	4	10	8
चेन्नई	13	3	10	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
638 रन
गुजरात

पर्पल कैप

नूर अहमद
21 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

मणिपुर शुरुआती खेलो इंडिया 'बीच गेम्स' 2025 का बना चैंपियन

दीव। मणिपुर शनिवार को सबसे ज्यादा रजत पदक की बदौलत महाराष्ट्र और नगालैंड को पछाड़कर शुरुआती खेलो इंडिया 'बीच गेम्स' 2025 का चैंपियन बना। इन सभी तीनों टीम के पास पांच पांच स्वर्ण पदक थे लेकिन मणिपुर (6) ने महाराष्ट्र (5)और नगालैंड (3) से ज्यादा रजत पदक हासिल कर तालिका में शीर्ष पर रहकर खिताब जीता। नगालैंड खेलो इंडिया प्रतियोगिता में पहली दफा शीर्ष तीन में शामिल रहा जो उसके लिए ऐतिहासिक क्षण रहा। हरियाणा और जम्मू कश्मीर ने संयुक्त चौथा स्थान हासिल किया। दोनों ने पांच स्वर्ण पदकों के अलावा एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते। अगले नंबर पर दिल्ली रही जिसके खाते में चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक रहे।

हम अभी ऐसी हार को पसंद करेंगे : साल्ट

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार को सकारात्मक तरीके से लेते हुए कहा कि वे आईपीएल प्ले-ऑफ की बजाय लीग चरण में ऐसी हार पसंद करेंगे। जीत के लिए मिले 232 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सॉल्ट (62) और दिग्गज विराट कोहली (43) ने आरसीबी को आक्रामक शुरुआती दिलाई लेकिन टीम एक गेंद शेष रहते 189 रन पर आउट हो गई। आरसीबी पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी है और सॉल्ट ने कहा कि हार से टीम की आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं आनी चाहिए।

पाटीदार और कमिंस पर लगा भारी जुर्माना

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान अपनी-अपनी टीमों की धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। कमिंस पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया क्योंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था। पाटीदार पर दूसरी बार अपराध करने वाली आरसीबी की एकादश के सदस्य होने के कारण 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल : सत्र के अंतिम डबल हेडर मुकाबले आज

शीर्ष टीमों को मिल रही हार, चेन्नई के खिलाफ उलटफेर से बचेगा गुजरात

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात टाइटन्स की टीम जब रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी निगाहें तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने की होगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सनराइजर्स हैदराबाद से हारने के बाद गुजरात टाइटन्स प्लेऑफ के लिए तालिका में नियंत्रण बनाए हैं। सीएसके के खिलाफ जीत से उसके 20 अंक हो जाएंगे, इससे वह शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रहेगी और उसे फाइनल में जगह बनाने के दो मौके मिलेंगे। पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सीएसके का ध्यान भविष्य की तैयारियों पर रहेगा क्योंकि इस सत्र में उसके लिए नतीजे मिले जुले रहे हैं और अब वह युवा खिलाड़ियों और अन्य संयोजनों को आजमाना चाहेगा। गुजरात टाइटन्स के लिए बल्लेबाजी में सफलता शीर्ष तीन खिलाड़ी शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर पर टिकी है। बटलर रविवार को टीम के आखिरी लीग मैच के बाद राष्ट्रीय टीम के साथ होने लिए रवाना हो जाएंगे। बटलर के प्लेऑफ के लिए उपलब्ध नहीं होने के कारण टीम के लिए अहम होगा कि मध्यक्रम को ज्यादा समय मिले।

गुजरात की गेंदबाजी विभाग बेदम

शाहरुख खान और शेरफाने रदरफोर्ड ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ काफी रन बनाए और वे मध्यक्रम में फिर से प्रभाव डालने के लिए बेताब होंगे। पर गुजरात की टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता गेंदबाजी विभाग की है क्योंकि उसका स्टार स्पिनर राशिद खान अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दिखा सका है लेकिन टीम उन पर भरोसा बनाए रखेगी। टीम को कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के तेज गेंदबाजी विभाग में भी सुधार करने की जरूरत है विशेषकर चौथे तेज गेंदबाजी विकल्प के लिए।

सीएसके के युवा करेंगे प्रभावित

वहीं रविवार को नतीजा जो भी रहे सीएसके के तालिका में सबसे नीचे रहने की संभावना है। इसलिए यह मैच आयुष म्हात्रे, उर्विल पटेल और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवाओं के लिए प्रभावित करने का मौका है। दिल्ली में राजस्थान रॉयल्स से हारने के बाद सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग को यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई कि उनकी टीम तालिका में नीचे रहेगी। इस लिहाज से जीत का कोई खास मतलब नहीं होगा लेकिन सीएसके के वफादार प्रशंसक चाहेंगे कि टीम दो अंक हासिल कर टूर्नामेंट का समापन करे।

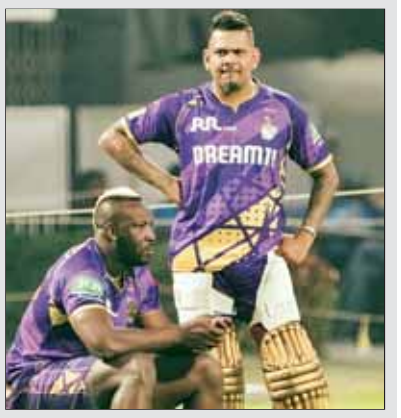

सम्मान की लड़ाई में केकेआर के सामने एसआरएच की चुनौती

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम रविवार को आईपीएल मैच में खिताबी दौड़ से बाहर हो चुकी टीम अन्य टीम सनराइजर्स हैदराबाद खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश सत्र को जीत के साथ खत्म करने की होगी। इसे विडंबना ही कहें कि जब केकेआर और एसआरएच ने 2024 आईपीएल का अपना आखिरी मैच खेला था तो वह फाइनल मुकाबला था जहां श्रेयस अय्यर की टीम ने एकतरफा मैच में पैट कमिंस की टीम को मात दी थी। दोनों टीमें के सामने अपने अभियान को छठे स्थान पर रहते हुए खत्म करने की चुनौती होगी। मैच में एसआरएच का पलड़ा थोड़ी भारी होगा। इस टीम ने शुक्रवार रात को आरसीबी को 42 रन से हराया था।

श्रीकांत छह साल में पहली बार खेलेंगे बीडब्लूएफ टूर्नामेंट का कोई फाइनल

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को यहां मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जापान के युशी टनाका पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर छह साल में पहली बार बीडब्लूएफ टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सटीक नेट प्ले और आक्रामक खेल की बदौलत दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी टनाका को रोमांचक मुकाबले में 21-18, 24-22 से शिकस्त दी।

श्रीकांत ने जीत के बाद कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, काफी समय के बाद यहां तक पहुंचा हूं।' वह रविवार को होने वाले फाइनल में दूसरे वरीय चीन के लि शि फेंग से भिड़ेंगे। श्रीकांत 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे और इसके बाद से इस 32 वर्षीय खिलाड़ी का बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर में पहला फाइनल है। उन्होंने 2017 में चार खिताब जीते थे। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत पिछले कुछ सत्र में खराब फॉर्म और फिटनेस के दौर से गुजर रहे हैं जिससे अब वह विश्व रैंकिंग में 65वें स्थान पर मौजूद हैं।

हसन ने फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने रचा इतिहास

पेरिस। बेंजामिन हसन ने ओपन युग में फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने वाले लेबनान का पहला टेनिस खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। तीस वर्षीय खिलाड़ी ने क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में शुक्रवार को जापान के जेम्स ट्रॉटर को 6-2, 7-6 से हराया। जर्मनी में जन्मे हसन ने पेरिस के क्ले कोर्ट पर क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में लगातार तीन मैच जीतकर फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रा में अपनी जगह पक्की की। दुनिया में 177वें नंबर पर काबिज हसन लेबनान टेनिस के लिए पहले भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की है। उनकी यह सफलता इस साल लेबनान की टेनिस के लिए दूसरी बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले जनवरी में हादी हबीब (मौजूदा विश्व रैंकिंग 159) ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पहले दौर का मैच जीता था।

उपलब्धि

गिल को क्रिकेटर बनाने पिता ने छोड़ा गांव, 16 साल बाद बने टेस्ट कप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शुभमन गिल 20 जून को जब सफेद टी-शर्ट के ऊपर नीले (नेवी ब्लू) रंग के कोट में इंग्लैंड के लीड्स मैदान पर टॉस के लिए उतरेंगे तो उनके पिता लखविंदर सिंह गिल और दादा दीदार सिंह का सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा क्योंकि उन्हें वर्षों की मेहनत का सुखद फल मिलेगा।

लखविंदर ने जब शुभमन के क्रिकेट कौशल को देखकर भारत और पाकिस्तान की सीमा से महज 10 किलोमीटर दूर पंजाब के फाजिल्का जिले के अपने गांव चाख खेरा वाला से मोहाली जाने का फैसला किया तो उनके पास कोई दूसरी योजना नहीं थी। शुभमन उस समय नौ साल के थे। उन्होंने उस उम्र तक सिर्फ एक ही 'खिलौना' खेला था और वह था उनके दादा से मिला बल्ला।

गिल की कहानी अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प का पालन करने के बारे में ही है। इसके साथ ही यह एक ऐसे ही पिता की कहानी है जो अपने बेटे को भारतीय टीम में पहुंचाने के लिह कुछ भी कर गुजरने को तैयार थे। शुभमन इंग्लैंड दौरे पर जब भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे तो यह लखविंदर के पिछले 16 साल की मेहनत का परिणाम होगा। यह जरूरी नहीं कि खेल से जुड़ी सभी कहानियां सहानुभूति भरी हों। वे जज्बे, उत्कृष्टता के प्रति जुनून और वर्षों तक एक परिवार के रूप में किए गए त्याग की कहानियां भी हो सकती हैं।

द्रविड़ ने राष्ट्रीय टीम के लिए सुझाया नाम

भारतीय टीम जब 2018 दौरे के लिए इंग्लैंड जा रही थी जब एमएसके प्रसाद की चयन समिति ने टीम में अनमोलप्रीत सिंह को मौका देने का मन बनाया था लेकिन कोच राहुल द्रविड़ की अनुरोध पर गिल को चुना गया। प्रसाद ने कहा, 'उस सत्र में अनमोलप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी की थी और पांच में से एक चयनकर्ता किसी भी हाल में उन्हें टीम में चुनने की मांग कर रहे थे। उस समय द्रविड़ एनसीए और भारत ए टीम के कोच थे उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए गिल को टीम में रखने की वकालत करते हुए अनमोलप्रीत को किसी और दौरे (ए टीम) पर भेजने की सलाह दी।' हम उनकी मांग को ठुकरा नहीं सके। शुभमन ने इसके कुछ महीने बाद अंडर 19 विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।'

मुख्य कोच श्रीजेश के साथ मिलकर करेंगे काम

लाकड़ा बने जूनियर पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने शनिवार को बताया कि पूर्व डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा को इस साल के अंत में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। पैतीस वर्षीय लाकड़ा पूर्व दिग्गज गोलकीपर और टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर काम करेंगे।

लाकड़ा ने कहा, 'ऐसे महत्वपूर्ण समय में भारतीय जूनियर पुरुष टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे पता है कि भारत की जर्सी पहनने के लिए क्या करना पड़ता है। मैं अब अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बड़े मंच के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।श्रीजेश जैसे दिग्गज के साथ काम करना एक रोमांचक चुनौती है। वह टीम के साथी और प्रेरणास्रोत रहे हैं। हम आने वाले टूर्नामेंटों, खासकर इस साल के अंत में होने वाले सबसे महत्वपूर्ण जूनियर विश्व कप के लिए एक बेखौफ और अच्छी तरह से तैयार टीम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

बीरेंद्र का जुड़ना बड़ा कदम

श्रीजेश ने कहा, 'बीरेंद्र का हमारे साथ जुड़ना एक बड़ा कदम है। वह अनुभव, रणनीतिक समझ और धैर्य का खजाना लेकर आए हैं। ये गुण इन युवा खिलाड़ियों के लिए अमूल्य होगा। हमने मैदान पर एक साथ कई मैच खेले हैं। मुझे विश्वास है कि हम कोच के रूप में इस नए अध्याय में समान तालमेल और प्रतिबद्धता लाएंगे। हम एक ऐसी टीम तैयार करना चाहते हैं जो देश को गौरवान्वित कर सके।'

देश के विश्वसनीय डिफेंडर

लाकड़ा ने 2010 में भारत के लिए पदार्पण किया और देश के सबसे विश्वसनीय डिफेंडरों में से एक बन कर उभरे। उन्होंने दो ओलंपिक खेलों लंदन 2012 और तोक्यो 2020 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। तोक्यो में भारत ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। वह इसके साथ ही एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे हैं।

कैग्लियारी पर 2-0 से हराया

नेपोली बना सिरी ए चैंपियन

एजेंसी ▶▶| रोम

स्कॉट मैकटोमिने और रोमेलु लुकाकू के गोल की बदौलत नेपोली ने इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सिरी ए में कैग्लियारी पर 2-0 की जीत के साथ तीन साल में अपना दूसरा खिताब हासिल किया। नेपोली के कोच एंटोनियो कोन्टे इसके साथ ही तीन अलग-अलग टीमों के साथ सिरी ए चैंपियनशिप जीतने वाले पहले कोच बन गए।

मैकटोमिने ने मध्यांतर से पहले (42वें मिनट में) एक्रोबैटिक बाइसिकल किक से गोल किया जबकि लुकाकू ने 51 मिनट में गोल करके टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। नेपोली ने एक अंक के अंतर से इंटर मिलान को पछाड़कर यह खिताब जीता। नेपोली के 38 मैचों में 24 जीत से 82 अंक है जबकि मिलान के नाम इतने ही मैच और जीत से 81 अंक है। मिलान ने कोमो को 2-0 से हराया लेकिन यह टीम को खिताब दिलाने के लिए काफी नहीं था।

चौथा सिरी-ए खिताब

नेपोली का यह चौथा सिरी ए खिताब है। दिग्गज डिएगो माराडोना ने 1987 और 1990 में नेपोली को उसके शुरुआती दो खिताब दिलाए थे। विक्टर ओसिमेन और ख्विचा क्वारात्सखेलिया की मौजूदगी वाली 2023 की टीम ने पांच राउंड शेष रहते ही खिताब जीत लिया।

कार्यालय अधीक्षक नेताजी सुभाषचंद्र बोस, केन्द्रीय जेल, जबलपुर (म.प्र.)

क्रमांक-316/उद्योग/निर्वाह /2025 — जबलपुर, दिनांक 23/05/2025

अल्पकालिक द्वितीय ई-निविदा सूचना

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, केन्द्रीय जेल जबलपुर के जेल परिसर में लगभग 5.5 एकड़ भूमि पर निर्मित तालाब को मत्स्य पालन हेतु 03 वर्षों के लिये किराये पर देने हेतु मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) एवं जेल उद्योग (सिद्धदोष व्यक्तियों का नियोजन) नियम 2021 के अंतर्गत अल्पकालिक द्वितीय निविदा (ई-टेण्डर) वेबसाईट https://mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
1	प्री-बीड मिटिंग की तिथि	दिनांक 05.06.2025 को समय प्रात: 11:00 बजे तक	कार्यालय जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल जबलपुर
2	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि निविदा फार्म की कीमत रू. 1000 /- प्रति फार्म राशि ऑनलाईन शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तियां में जमा किया जावेगा ।	दिनांक 13.06.2025 को समय प्रात: 05:30 बजे तक	https://mptenders.gov.in
3	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज परीक्षण)	दिनांक 16.06.2025 को समय प्रात: 11:00 बजे तक	---------"--------
4	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 18.06.2025 को समय प्रात: 11:00 बजे तक	---------"--------

निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित जानकारी वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है । निविदा फार्म दर्शित वेबसाइट पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किया जा सकता है। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना केवल वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। इसके लिए पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

जेल अधीक्षक
नेताजी सुभाषचंद्र बोस,
केंद्रीय जेल, जबलपुर

G-13325/25

हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ गर्भवती नाबालिग को बच्चे को जन्म देने किया स्वतंत्र

मेडिकल बोर्ड को गर्भवती की शारीरिक व भावनात्मक स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि मेडिकल बोर्ड को गर्भवती की शारीरिक व भावनात्मक स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। जस्टिस विनय सराफ की सिंगल बेंच ने इस टिप्पणी के साथ गर्भवती नाबालिग को बच्चे को जन्म देने के लिए स्वतंत्र कर दिया।

एक नाबालिग से दुष्कर्म के बाद उसके गर्भवती होने की जानकारी पुलिस द्वारा संबंधित सेशन कोर्ट को प्रदान की गई थी।मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया था कि नाबालिग के पेट में पलने वाला भ्रूण 29 सप्ताह छह दिन का है। चिकित्सा प्रणाली से गर्भ समाप्ति करने पर पीड़िता के जीवन को खतरा हो सकता है। लिहाजा, सेशन कोर्ट परामर्श के लिए प्रकरण हाई कोर्ट भेज दिया। हाई कोर्ट में पीड़िता और उसके माता-पिता द्वारा हस्ताक्षरित पत्र प्रस्तुत किया

था। जिसमें उन्होने गर्भावस्था जारी रखने और बच्चे को जन्म देने की इच्छा व्यक्त थी।

हाई कोर्ट ने सरकार को दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि स्त्री रोग विशेषज्ञ ने भी राय दी है कि भ्रूण 29 सप्ताह से अधिक का है, इसलिए पीड़िता के जीवन को खतरा हो सकता है। राज्य सरकार पीड़िता को बच्चे को जन्म देने डाक्टरों की विशेषज्ञ टीम के माध्यम से सभी उपलब्ध चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करे। बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया के संबंध में सभी खर्च वहन करे। गर्भावस्था की अवधि के दौरान और बच्चे के जन्म के समय और उसके बाद जब भी आवश्यकता होगी डाक्टरों द्वारा सभी आवश्यक देखभाल और सावधानी बरती जाए। प्रसव के बाद पीड़िता की देखभाल की जाए और राज्य सरकार का यह कर्तव्य होगा कि वह स्थापित मानदंडों के अनुसार बच्चे की देखभाल करे। बच्चे को कक्षा 12 तक निश्शुल्क शिक्षा व बच्चे के वयस्क होने तक सभी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराए। पीड़ित और बच्चे का नाम किसी भी तरह से उजागर न किया जाए। राज्य सरकार यौन उत्पीड़न, दुष्कर्म या अनाचार से बचे बच्चों के भोजन, आश्रय, शिक्षा सुरक्षा की सुविधाएं प्रदान करने के लिए नीति बनाने पर विचार करे। नाबालिग और उसके माता-पिता प्रसव के बाद बच्चे को गोद देना चाहते हैं, तो राज्य सरकार इस सिलसिले में प्रविधान को अपेक्षाकृत सुविधाजनक बनाने समुचित कदम उठाए।

प्रेमी की हत्या की आरोपित नाबालिग के विरुद्ध किशोर न्याय बोर्ड में चलाया जाए प्रकरण

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्कूल प्रमाण पत्र के अनुसार प्रेमी की हत्या की आरोपित नाबालिग अपीलकर्ता की उम्र 18 साल से कम मानते हुए उसके विरुद्ध प्रेमी की हत्या के प्रकरण का विचारण किशोर न्याय बोर्ड में चलाए जाने का आदेश पारित किया। जस्टिस दिनेश कुमार पालीवाल की सिंगल बेंच ने बालिग मानते हुए सेशन कोर्ट में मुकदमा चलाने का आदेश निरस्त कर दिया।

हाई कोर्ट ने बालिग मानते हुए सेशन कोर्ट में मुकदमा चलाने का आदेश किया निरस्त

अपील में कहा गया था कि भोपाल के अशोका गार्डन थानांर्गत 27 जुलाई, 2019 को दो अन्य साथियों के साथ मिलकर प्रेमी पीयूष जैन की हत्या का आरोप लगा है। स्कूल व मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के आधार पर किशोर न्याय बोर्ड ने उसे नाबालिग माना था। जिसके विरुद्ध मृतक के पिता ने सत्र न्यायालय में अपील दायर की थी। सागर नगर निगम के द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र व नर्सिंग होम के रजिस्टर के अनुसार उसका जन्मतिथि 20 सितम्बर, 1999 मानते हुए उसके विरुद्ध सत्र न्यायालय में प्रकरण का विचारण करने के आदेश जारी किए थे। सत्र न्यायालय के उक्त आदेश को चुनौती देते हुए अपील दायर की गई थी। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर अपीलकर्ता को बालिग माना है। जांच रिपोर्ट के अनुसार अपीलकर्ता की आयु 17 से 19 साल के बीच है। जन्म तिथि के संबंध में स्कूल व जन्म प्रमाण-पत्र सहित अन्य दस्तावेज नहीं होने पर उम्र निर्धारण में जांच रिपोर्ट मायने रखती है। स्कूल से प्राप्त जन्म तिथि प्रमाण पत्र और मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र को उम्र निर्धारित करने में प्राथमिकता दी जाती है। ऐसा प्रमाण पत्र उपलब्ध है, तो कोई अन्य प्रमाण पत्र या परीक्षण रिपोर्ट नहीं देखी जानी चाहिए। स्कूली दस्तावेज के आधार पर एकलपीठ ने अपीलकर्ता की जन्मतिथि 27 अगस्त, 2001 मानते हुए उक्त आदेश जारी किए गए।

10 बोरी अनाज बेचकर खा गए आरोपी

राशन दुकान से चोरी गेंहू-चावल की बोरियां जब्त

हरिभूमि जबलपुर।

भेड़ाघाट थाना अतंर्गत एक राशन दुकान से गेहूं चावल की 37 बोरी चोरी करने वालें आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 12 बोरी गेहूं और 4 बोरी चावल जब्त किया हैं। 10 बोरी माल चोर बेचकर खा गए।

भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ईमलिया बेलखेडा निवासी 26 वर्षीय सौरभ बिलथरे की मजीठा स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान लामी का सेल्समैन है। 7 अप्रैल को ट्रांसपोर्ट के माध्यम से राशन आया था। माह अप्रैल में राशन वितरण करना था। उसने शाम लगभग 7-30 बजे राशन को उचित मूल्य की दुकान में सुरक्षित रखकर ताला लगाकर अपने पास चाबी रख ली थी।

15 अप्रैल की सुबह लगभग 10.30 बजे राशन वितरण करने शासकीय उचित मूल्य की दुकान आया तो देखा कि दुकान के पीछे की खिडकी टूटी हुई थी। राशन चैक करने पर दुकान में 23 बोरा गेहूं एवं 14 बोरी चावल कम थी। कोई अज्ञात चोर राशन दुकान की खिडकी तोड़कर 23 बोरा गेहू एवं 14 बोरी चावल चोरी कर ले गया था। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मजीठा निवासी दीपक ठाकुर के घर पर दबिश दी, जहां राशन दुकान की खाली बोरियॉ रखी मिली। सूचना पर तत्काल दीपक ठाकुर को अभिरक्षा में लेकर सघन पूछताछ करने पर पता चला कि उसने अपने घर के पास रहने वाले मनीष ठाकुर, रतन यादव, गोविंद गौड के साथ मिलकर राशन दुकान से गेहू एवं चावल की बोरियॉ चुराकर आपस मे बांट ली थी। मनीष ठाकुर, रतन यादव एवं गोविंद गौड को अभिरक्षा मे लेते हुए आरोपियों से पूछताछ करने पर सभी ने कुछ गेहू चावल घर मे उपयोग कर लेना तथा कुछ गेहू चावल फेरी वालों को बेच देना स्वीकार किया।

आरोपियों की निशादेही पर गेहू चावल की 37 बोरियों में से शेष बचे 12 बोरा गेहू एवं 4 बोरी चावल तथा 10 खाली बोरी जप्त की गई है।

गाइड और जिप्सी चालकों पर अब 2000 रुपए का जुर्माना, पहले 500 रुपए था

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में नियम तोडने पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि जबलपुर।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने सफारी व्यवस्था को सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब नियमों की अवहेलना करने वाले गाइड और जिप्सी चालकों पर 2000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। पहले यह जुर्माना 500 रुपए था। टाइगर रिजर्व के पर्यटन अधिकारी विजय श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी। नये नियमों के तहत 2000 तक का जुर्माना किया जा सकता है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बाघों के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। रिजर्व में कोर और बफर जोन में सफारी की सुविधा है। यहां पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य के साथ वन्य प्राणियों, विशेषकर बाघों के दर्शन के लिए आते हैं। टाइगर रिजर्व प्रबंधन गाइड और चालकों को नियमों का पालन करते हुए पर्यटकों को सफारी कराने के निर्देश देता है। लेकिन कुछ गाइड और चालक इन नियमों की अनदेखी करते हैं। वे वनमार्ग से हटकर पर्यटकों को वन्य प्राणी दिखाते हैं। इससे पर्यटकों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। प्रबंधन की ओर से सफारी के दौरान निगरानी की जाती है। नए नियम के तहत लापरवाही बरतने वाले गाइड और जिप्सी चालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बरेला के धनपुरी में ट्रक की टक्कर से कार के परखच्चे उड़े

सड़क दुर्घटना में 1 युवक की मौत, दूसरा गंभीर

हरिभूमि जबलपुर।

बरेला थानांतर्गत धनपुरी में तेज रफ्तार भाग रहे एक मिनी ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरेला थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह नई मारुति ईको कार से आनंद विश्वकर्मा और ललित विश्वकर्मा कहीं जा रहे थे। जैसे वे धनपुरी पहुंचे, सामने से आ रहे मिनी ट्रक एमपी 36 जी 0619 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ईको में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ईको के परखच्चे उड़ गए और गाड़ी चला रहे आनंद ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और गंभीर चोटें आने के कारण ललित गंभीर रुप से घायल हो गया। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और 108

एंबुलेंस से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। दोनों दुर्घटना वाहनों को पुलिस ने जब्त कर लिया है वहीं आरोपी घटना के बाद फरार हो गया है।

और 4 हजार होनहार विद्यार्थी बढ़े

अब 94 हजार छात्रों को बंटेंगे लैपटाप

जबलपुर। प्रदेश सरकार कक्षा 12वीं में श्रेष्ठ परिणाम लाने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी और लैपटॉप के लिए राशि देती है । इस बार पूरे प्रदेश में गत वर्ष की तुलना में 4 हजार ज्यादा विद्यार्थियों ने 75 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। गत वर्ष 90 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि दी गई थी, जो अब बढ़कर 94 हजार तक पहुंच गई है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल कक्षा 12वीं का परिणाम बेहतर रहा। इस

बार 94 हजार विद्यार्थियों ने 75 फीसदी या इससे ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि विद्यार्थियों की स्कूल संख्या के अनुसार जानकारी प्रस्तुत की जाए। इंदौर जिले में 95 हायर सेकंडरी स्कूल हैं। इनमें गत वर्ष 4500 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25 हजार रुपए की राशि प्रत्येक के बैंक खाते में भेजी गई थी। इसी प्रकार गत वर्ष 157 विद्यार्थियों को स्कूटी की राशि भी दी गई थी। इस वर्ष स्कूटी के 150 और लैपटॉप योजना में 5 हजार विद्यार्थी संख्या पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल स्कूल स्तर पर डाटा कलेक्शन किया जा रहा है। स्कूल स्तर पर विद्यार्थी के बैंक का डाटा, आईएसएफसी कोड, बैंक शाखा आदि की जानकारियां पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। गत वर्ष सत्र पूरा होने के अंतिम दौर में विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी की राशि दी गई थी। इस बार जुलाई में ही राशि देने के प्रयास किया जा रहे हैं, इसीलिए लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ही जारी हो गए हैं।

आज से प्रारंभ हो रहे नौतपा में वर्षा की संभावना

बूंदाबांदी के बाद उमस बढ़ी, पारा लुढ़का

हरिभूमि जबलपुर।

ग्रीष्म ऋतु में सबसे ज्यादा तपने वाले नौ दिनों की शुरुआत आज से हो रही है। नौतपा के एक दिन पहले ही बूंदाबांदी ने नौतपा की सेहत गड़बड़ रहने के संकेत दे दिए है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे के दौरान जबलपुर जिले के कुछ स्थानों में तेज हवाओं के बीच हल्की वर्षा हो सकती है। मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है और 15 जून तक मप्र में मानसून सक्रिय होने की संभावना है। आज रविवार 25 मई से अश्वनी नक्षत्र में नौ-तपा प्रारंभ हो रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि ग्रीष्म ऋतु में तपन की अधिकता के लिए नौतपा पहचाने जाते है। शुक्ल पक्ष में आद्रा नक्षत्र से लेकर नौ नक्षत्रों में नौ दिनों तक नौतपा रहता है। यद्यपि यह भी आवश्यक नहीं है कि नौतपा में अधिक गर्मी पड़े। ऐसे कई पुराने अनुभव है कि नौ-तपा में ही अंधड़ और बारिश का मौसम बना है। हालांकि पुरानी कहावतों के मुताबिक यह कहा जाता है कि नौतपा जितने तपते हैं। उतनी अच्छी बारिश होती है। नौ-तपा के दिनों में बारिश होने से अल्पवर्षा के योग बनते हैं। नौतपा के एक दिन पूर्व शनिवार को तापमान ने एक दम

गोता लगा दिया और औसत से 10 डिग्री नीचे उतर गया।

25 मई से प्रारंभ हो रहे नौतपा 2 जून तक रहेंगे। ज्योतिषाचार्य पीएल गौतमाचार्य ने बताया कि इस बार अच्छी वर्षा के संकेत हैं। जबकि जुलाई के महीने में राहु और शनि के प्रकोप से तेज हवाएं तो चलेंगी और औसत वर्षा होगी, जबकि नौतपा के दिनों में ग्रह तेज हवाओं के चलने और वर्षा के संकेत दे रहे हैं। बहरहाल मौसम विभाग का कुछ और ही कहना है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून केरल में दस्तक दे चुका है। शनिवार को मानसून केरल पहुंच गया। यह अपने तय समय से 8 दिन पहले पहुंचा है। मध्यप्रदेश में भी मानसून 15-16 जून तक एंटर हो सकता है। इससे पहले प्री मानसून की एक्टिविटी जारी रहेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के दक्षिणी हिस्से यानी मंडला, सिवनी, डिंडौरी, बालाघाट, अनूपपुर, बुरहानपुर, पांढुर्णा, बैतूल, बड़वानी के रास्ते से मानसून दस्तक देगा।

पिछले 24 घंटे में बूंदाबांदी होने के दौरान अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 10 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य 1 डिग्री कम रहा। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम तापमान 26.06 दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 67 प्रतिशत और सायंकाल 70 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.25 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 6.49 मिनिट पर हुआ। दक्षिणी पूर्वी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान जिले में गरज चमक के साथ वर्षा की संभावना है।

पॉलिटेक्नीक महाविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

जबलपुर। शासकीय कलानिकेतन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जबलपुर में सत्र 2025-26 के लिये दसवीं और बारहवीं की परीक्षा तथा आईटीआई अथवा बारहवीं के अंकों के आधार पर रोजगारन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया जारी है। संस्था में प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्रायें तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश की बेबसाइट पर स्वयं अथवा एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से पंजीयन करा सकेंगे। पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर सी पांडे से प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय तकनीकी परीक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त एवं राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल से संबद्ध इस संस्थान में दसवीं परीक्षा के आधार पर छात्र-छात्राओं को सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इनफारमेशन टेक्नालॉजी, ऑटोमोबाइल इंजिनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजिनियरिंग एवं प्रिंटिंग टेक्नॉलोजी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं को आईटीआई एवं बारहवीं के अंकों के आधार पर सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के तृतीय सेमिस्टर में सीधे प्रवेश पा सकेंगे। इसी प्रकार बारहवीं की परीक्षा में मैथ्स या बायो के अंकों के आधार पर फार्मेसी (डी. फार्मा) के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240